सूर्योदय 6.14 सूर्यास्त 6:08

आज का तापमान

शिमला	11.6 न्यू	24.5 अधि
धर्मशाला	14.5 न्यू	27.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	72,529
निफ्टी	22, 716

सोना 1,48,000 चांदी 2,22,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | बुधवार, 30 सितंबर 2026 | 14 अश्विन, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 156, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

पीएम मोदी की डिग्री मामले में केजरीवाल की याचिका खारिज

एजेंसी, अहमदाबाद। गुजरात हाई कोर्ट ने मंगलवार को पीएम नरेंद्र मोदी की डिग्री से जुड़े मामले में आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल की अपील खारिज कर दी। साथ ही कोर्ट ने केजरीवाल पर लगे 25 हजार रुपए के जुर्माने को भी बरकरार रखा। साल 2016 में केजरीवाल ने सेंट्रल इंफॉर्मेशन कमीशन (सीआईसी) को चिट्ठी लिखकर मांग की थी कि पीएम नरेंद्र मोदी की डिग्री सार्वजनिक की जानी चाहिए। अप्रैल 2016 में सीआईसी ने दिल्ली यूनिवर्सिटी और गुजरात यूनिवर्सिटी को निर्देश दिया था कि पीएम मोदी की डिग्री से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराएं।

हेड कॉन्स्टेबल से मारपीट सौरभ भारद्वाज, विधायक जरनैल पर एफआईआर

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली के तिलक नगर में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर आरोप है कि उन्होंने सादे कपड़ों में मौजूद दिल्ली पुलिस के एक हेड कॉन्स्टेबल को घेरकर मारपीट की। अरविंद केजरीवाल सोमवार को यहां दौरे पर थे और पुलिसकर्मी मोबाइल से केजरीवाल की रिकॉर्डिंग कर रहा था। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने सौरभ भारद्वाज, जरनैल सिंह, साहिब सिंह और आप कार्यकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। वहीं, सौरभ भारद्वाज और विधायक जरनैल सिंह को मंगलवार को पुलिस ने पुलिस हेडक्वार्टर के बाहर प्रदर्शन के दौरान हिरासत में ले लिया। ये सभी मंत्री प्रवेश वर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे।

जज का रेप पीड़ित बच्ची को संदेश-दोषी आजाद नहीं होगा

एजेंसी, नई दिल्ली। 7 साल की बच्ची का उसके परिचित ने रेप किया। बच्ची उसे अंकल कहती थी। रेप का मुकदमा दिल्ली की ट्रायल कोर्ट में पहुंचा, तो बच्ची ने कहा- अंकल को तब तक जेल में रखा जाए, जब तक वह बूढ़ा न हो जाए। मामला 2023 का है, 3 साल तक सुनवाई के बाद 20 मई को केस का फैसला आया। ट्रायल कोर्ट ने दोषी को उम्रकैद की सजा सुनाई। फैसले के साथ जज रजनी रंगा ने अब 10 साल की हो चुकी पीड़ित के लिए एक संदेश भी लिखा। इसमें कहा, 'हम तुम्हारा बचपन तो नहीं लौटा सकते, लेकिन जिसने तुम्हें चोट पहुंचाई, वह अब कभी जेल से बाहर नहीं आ पाएगा।'

रिलायंस व नायारा ने पेट्रोल-डीजल की बिक्री सीमित की

एजेंसी, नई दिल्ली। महंगे कच्चे तेल और स्थिर रिटेल कीमतों की वजह से रिलायंस-बीपी और नायरा एनर्जी जैसी प्राइवेट कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की बिक्री सीमित कर दी हैं। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में ये दावा किया गया है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल 107 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है, लेकिन मई से पेट्रोल पंपों पर कीमतें नहीं बदली हैं। इस वजह से कंपनियों को घाटा हो रहा है। रिपोर्ट के मुताबिकक कंपनी ऐसा करके उन जमाखोरों को रोकना चाहती है, जो इमें में फ्यूल भरकर ऊंचे दामों पर बेचते हैं।

कैंसर दवाई : 2700 रुपए की दवा पर कीमत 27 हजार कैसे : सुप्रीम कोर्ट

प्राइवेट अस्पताल इंडस्ट्री की तरह काम कर रहे; केंद्र से पूछा- 16% से ज्यादा मार्जिन क्यों?

एजेंसी, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र सरकार से पूछा कि दवाओं की एमआरपी, रिटेल कीमत से 16% से ज्यादा क्यों होनी चाहिए। कोर्ट ने सवाल किया कि सभी दवाओं पर अधिकतम 16% मार्जिन की सीमा क्यों नहीं तय की जा सकती। दवाओं के लिए अलग-अलग नियम क्यों हैं।

कोर्ट ने कैंसर की एक दवा का उदाहरण दिया, जिसकी रिटेल कीमत करीब 2,700 थी, लेकिन एमआरपी 27 हजार थी। कोर्ट ने पूछा कि यदि मरीज सरकारी योजना में इलाज करा रहा है, तो इतनी बढ़ी कीमत का भुगतान कौन करता है। इसका बोझ सरकारी खजाने और टैक्सपेयर्स पर ही पड़ता है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने दवाओं की कीमत, जेनेरिक दवाओं की प्रिस्क्रिप्शन और मेडिकल डिवाइस के कंट्रोल से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई की।



याचिकाकर्ता बोले- इलाज के लिए गहने-संपत्ति बेचने को मजबूर

याचिकाकर्ताओं के अनुसार, जिन दवाओं की कीमत सरकार तय करती है, उनका बाजार में हिस्सा कम है। वहीं, जिनकी कीमत सरकार की तरफ से तय नहीं की गई है, उनका बाजार में करीब 80% या उससे ज्यादा हिस्सा है। उनकी शुरुआती एमआरपी तय करने में कंपनियों को ज्यादा छूट मिलती है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि इससे दवाओं की कीमत और मरीजों के इलाज का खर्च बढ़ सकता है। कई मरीज इलाज के लिए अपनी संपत्ति या गहने तक बेचने को मजबूर होते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने 10 गुना मुनाफे पर उठाए सवाल

कोर्ट ने दवाओं पर 10 गुना या उससे ज्यादा मुनाफे के आरोप और डीपीसीओ, 2013 के तहत जरूरी व गैर-जरूरी दवाओं के अलग-अलग नियमों पर भी सवाल किए। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने माना कि यह गंभीर मुद्दा है। उन्होंने कहा कि ऐसा समाधान जरूरी है, जिसमें मरीजों, सरकार और फार्मा कंपनियों सभी के हितों का संतुलन रहे। कोर्ट ने कहा कि प्राइवेट हॉस्पिटल इंडस्ट्री की तरह काम कर रहे हैं। वे मरीजों को अपनी फार्मेसी से ही दवा खरीदने के लिए मजबूर करते हैं। कोर्ट ने अस्पतालों के मुनाफे और दवाओं की कीमत तय करने के लिए एक समान नियम की जरूरत पर भी सवाल उठाया।

भारत को एशियन गेम्स में छठा गोल्ड 4×400 महिला रिले रेस में जीता सोना

एजेंसी, नगोया। भारतीय महिला टीम ने 4×400 मीटर रिले में 3 मिनट 29.69 सेकेंड के समय के साथ गोल्ड जीता। यह भारत का एशियन गेम्स में छठा गोल्ड है। इसके साथ भारत ने लगातार छठी बार 50 मेडल जीते हैं।

इससे पहले गुलवीर सिंह ने 5000 मीटर में ब्रॉन्ज जीतकर मेडल की हैट्रिक पूरी की। उन्होंने 13 मिनट 42.75 सेकेंड में रेस पूरी की और ऐसा करने वाले पहले भारतीय पुरुष धावक बने। इससे पहले वह 10 हजार और 1500 मीटर में सिल्वर जीत चुके हैं। वहीं नीरू ढांडा ने विमेंस ट्रैप शूटिंग में गोल्ड जीतकर इतिहास रचा। 10 दिन पहले फ्लू के कारण अस्पताल में भर्ती रहीं नीरू इस इवेंट में गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। इसके अलावा भारत ने 4×100 मीटर मिक्स्ड रिले में ब्रॉन्ज जीता। टीम ने 41.06 सेकेंड में रेस पूरी की। वहीं, भारत ने पुरुषों की 4×400 मीटर रिले में ब्रॉन्ज जीता। मनु टी. और विशाल टीके ने दूसरे व चौथे लेग में मजबूत प्रदर्शन किया, लेकिन भारतीय टीम गोल्ड जीतने वाली जापान और सिल्वर जीतने वाली कतर की बराबरी नहीं कर सकी। भारत की टीम में धर्मवीर चौधरी, मनु टी, जय कुमार और विशाल टीके शामिल थे।



◆ लगातार छठी बार 50 पदकों का आंकड़ा पार, नीरू ढांडा ने महिला ट्रैप शूटिंग में जीता गोल्ड मेडल

◆ गुलवीर ने 5000 मीटर में कांस्य जीतकर पूरी की पदकों की हैट्रिक

तेलंगाना सीएम बोले राम अमीरों और शिव गरीबों के भगवान

एजेंसी, नई दिल्ली। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने कहा कि शिव गरीबों और राम अमीरों के भगवान हैं। उन्होंने भाजपा को अमीरों की पार्टी भी बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने भगवान राम को अपने राजनीतिक नैरेटिव से जोड़ लिया है। भाजपा ने राम को चुरा लिया है। दिल्ली में एक मीडिया सम्मेलन के दौरान उनसे पूछा गया कि कांग्रेस दक्षिण भारत में मजबूत है, लेकिन उत्तर, पूर्व और पश्चिम भारत में उसका प्रदर्शन उतना अच्छा क्यों नहीं रहा। रेवंत ने इसकी वजह धार्मिक और सांस्कृतिक जुड़ाव बताई। उन्होंने कहा कि हम द्रविड़ हैं, जबकि उत्तर भारत के लोग आर्य हैं। हम शिव के भक्त हैं और आर्य भगवान राम के भक्त हैं। रेवंत रेड्डी के बयान पर केंद्रीय राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने कहा कि रेड्डी पहले 'मुस्लिम कांग्रेस है, कांग्रेस मुस्लिम है' कह चुके हैं। अब वे भगवान राम और भगवान शिव के बीच राजनीतिक सीमाएं खींच रहे हैं।

आतंकवाद पर भारत की चिंताएं नहीं समझता अमेरिका, इससे रिश्तों में मुश्किल : जयशंकर

एजेंसी, न्यूयॉर्क। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका से रिश्तों को लेकर कहा कि वह आतंकवाद पर भारत की चिंता नहीं समझता है। इसका असर रिश्तों पर पड़ता है।



उन्होंने न्यूयॉर्क में एशिया सोसाइटी के एक कार्यक्रम में कहा, भारत ने कई दशकों तक अपने पड़ोसी देश की ओर से आतंकवाद का सामना किया है। अगर अमेरिका को इसकी गंभीरता समझ नहीं आती, तो रिश्तों पर असर पड़ता है। जयशंकर ने चीन और अमेरिका के बीच बढ़ रही दोस्ती को लेकर कहा कि अब अमेरिका एक साथ रूस, यूक्रेन और चीन जैसे देशों के साथ संबंध अच्छे कर रहा है। अब वह भारत का डिप्लोमेसी मॉडल अपना रहा है। पहले भारत की इसी नीति को लेकर अमेरिका में आलोचना की जाती थी। अमेरिका के पूर्व राजनयिक डेनियल रसेल ने जयशंकर से पूछा कि व्यापार और टैरिफ को लेकर पिछले एक साल में भारत-अमेरिका के रिश्तों में आई खटास को कैसे दूर किया जा सकता है। इस पर जयशंकर ने कहा कि दुनिया के कई देशों के लिए अमेरिका के साथ रिश्ते पहले के मुकाबले मुश्किल हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह शायद हमारे लिए राहत की बात न हो, लेकिन यही हकीकत है। जयशंकर ने कहा कि पहले अमेरिका में यह सोच थी कि भारत के पास ज्यादा विकल्प नहीं होने चाहिए और उसे अपने रिश्तों में ज्यादा ध्यान अमेरिका पर रखना चाहिए, लेकिन अब उसका दिखावा खत्म हो गया है। उन्होंने कहा- अब अमेरिका खुद एक साथ एशिया के दूसरे देशों के साथ रिश्ते संभाल रहा है। यानी जिस नीति पर भारत से सवाल किए जाते थे, अब अमेरिका भी उसी पर चल रहा है।

पिछले कई चुनावों में फिक्सिंग हुई : राहुल

एजेंसी, नई दिल्ली। कांग्रेस वर्किंग कमेटी की मंगलवार को ढाई घंटे बैठक हुई। इसमें राहुल गांधी ने कहा, 'मुख्य चुनाव आयुक्त पूरी तरह समझौता कर चुके हैं और देश की चुनाव व्यवस्था 'फिक्स' है। हाल के सभी चुनाव अवैध हैं।'

राहुल ने कहा, 'चाहे ईवीएम हो या मतदाता सूची, दोनों से छेड़छाड़ की गई है। दोनों का इस्तेमाल भाजपा चुनाव जीतने की रणनीति के तौर पर कर रहे हैं।' बैठक में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार तत्काल इस्तीफा दें। एसआईआर तत्काल रोकी जाए। हटाए गए 13 करोड़ 30 लाख नाम बहाल किए जाएं, प्रस्ताव पास किए गए। बैठक में 68 सदस्यों ने हिस्सा लिया। कांग्रेस ने कहा कि उनकी पार्टी वोटर लिस्ट और चुनाव प्रक्रिया में कथित गड़बड़ी के मुद्दों को संसद में उठाएगी और प्रदर्शन करेगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, 'मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार मोदी सरकार की कठपुतली बन गए हैं। उन्हें तुरंत हटाया जाना चाहिए।

मोदी सरकार ने व्यवस्थित रूप से उस मजबूत लोकतांत्रिक नींव को खोखला कर दिया है जिसे हमारे पूर्वजों ने बनाया था। पीएम मोदी ने युवाओं को वोट देने से रोकने की साजिश रची है। फॉर्म 6 से जुड़े नियमों में गैरकानूनी तरीके से बदलाव किया गया।' कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा, एसआईआर प्रक्रिया और चुनावी व्यवस्था के मामले में प्रधानमंत्री का हस्तक्षेप करना उनका कर्तव्य है। इस मुद्दे पर भारत के प्रधानमंत्री की नैतिक जिम्मेदारी बनती है, लेकिन उनके पास प्रधानमंत्री पद पर बने रहने की न तो नैतिक जिम्मेदारी है और न ही नैतिक अधिकार।



◆ कहा- मुख्य चुनाव आयुक्त समझौता कर चुके; कांग्रेस की आयोग-सरकार के खिलाफ रणनीति पर बैठक

अरुणाचल में भारत-म्यांमार सीमा पर उग्रवादी हमला, असम राइफल्स का जवान शहीद, 4 घायल

एजेंसी, इटानगर। अरुणाचल प्रदेश के चांगलांग जिले में मंगलवार को उग्रवादी हमले में असम राइफल्स का एक जवान शहीद हो गया। 4 अन्य जवान घायल हो गए। हमला भारत-म्यांमार सीमा के पास नामपोंग सर्कल में सुबह करीब 6:30 बजे हुआ।

रिपोर्ट के अनुसार हमला नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैंड का (युंग आंग गुट) के उग्रवादियों ने किया है। गश्त के दौरान गोलीबारी में हवलदार जानखोकाई कुकी (42) शहीद हो गए। हमला नामपोंग नाले के पास हुआ। इस इलाके में सीमा पर बाड़ लगाने का काम चल रहा है। पूर्वोत्तर सीमा पर तैनात सीमा सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। अधिकारी ने कहा कि घटना के बाद सुरक्षा बलों ने इलाके में सर्च अभियान तेज कर दिया है।



◆ गश्त के दौरान घात लगाकर फायरिंग की

चांगलांग के एसपी किर्ली पाडु ने कहा कि उन्हें घटना के बारे में जानकारी मिली है और उन्होंने चांगलांग पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी को विवरण इकट्ठा करने का निर्देश दिया है। चांगलांग जिले में भारत-म्यांमार सीमा क्षेत्र में और अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार सक्रिय विद्रोही समूहों की आवाजाही के कारण संवेदनशील बनी हुई है।

अमित शाह ने दिल्ली को दी 1,941 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत मंगलवार को दिल्लीवासियों को 1,941 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं की सौगात दी। उन्होंने बारापुला एलिवेटेड कॉरिडोर फेज-3 और मुकरबा चौक अंडरपास का उद्घाटन व मोदी मिल फ्लाईओवर और लोनी अंडरपास के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार के बीच बेहतर समन्वय एवं सहयोग से राजधानी में आधुनिक, मजबूत और नागरिक-केंद्रित इंफ्रास्ट्रक्चर को गति मिल रही है। केंद्र और दिल्ली सरकार मिलकर दिल्लीवासियों की वर्षों पुरानी आवश्यकताओं को पूरा करने तथा राजधानी की कनेक्टिविटी को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि राजधानी में सड़क, फ्लाईओवर, अंडरपास और एलिवेटेड कॉरिडोर का ऐसा मजबूत नेटवर्क तैयार हो, जिससे अलग-अलग क्षेत्रों के बीच आवागमन सुगम हो, यातायात दबाव कम हो और दिल्लीवासियों के समय की बचत होगी। आज शुरू हुई परियोजनाएं इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, सांसद रामबीर सिंह बिधूड़ी, डॉ. पंकज कुमार सिंह, कई विधायक, वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।



◆ केंद्र-राज्य समन्वय से दिल्ली में मजबूत होगा इंफ्रास्ट्रक्चर: रेखा गुप्ता

चलती कार से वर्चुअल पेशी में जुड़ा वकील, दिल्ली हाईकोर्ट ने लगाया एक लाख जुर्माना

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने चलती कार से वर्चुअल पेशी में शामिल होने वाले वकील पर 1 लाख का जुर्माना लगाया है। कोर्ट ने इसे नियमों का उल्लंघन बताया। जस्टिस ओम प्रकाश शुक्ला ने आदेश में कहा कि वर्चुअल सुनवाई की सुविधा सराहनीय है, लेकिन इससे कोर्ट की गरिमा और कार्यवाही में बाधा नहीं आनी चाहिए। कोर्ट ने वकील को यह जुर्माना एक हफ्ते के भीतर दिल्ली हाईकोर्ट लीगल सर्विसेज कमेटी में जमा करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि एक दिन में 70 से ज्यादा मामलों पर सुनवाई करनी होती है। ऐसे में सुनवाई के दौरान बैकग्राउंड का शोर और चलती गाड़ी की हलचल बाधा डालती है। कोर्ट ने बताया कि हाईकोर्ट के इलेक्ट्रॉनिक एविडेंस एंड वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग रूल्स के तहत वकीलों को गाड़ियों से सुनवाई में शामिल होने से बचना चाहिए। ऐसा तभी करें, जब बहुत जरूरी हो। इसके लिए परमिशन भी लें।

वुड्स पार्क सैनिक स्कूल ने हासिल किया राष्ट्रीय गौरव

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व अनुशासन का मिला सम्मान, बोर्डिंग स्कूलों में 27वीं राष्ट्रीय रैंक

सुरेंद्र कटोच, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। वुड्स पार्क सैनिक स्कूल हमीरपुर ने राष्ट्रीय स्तर पर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए ईडब्ल्यू इंडिया स्कूल रैंकिंग में देश के बोर्डिंग स्कूलों की श्रेणी में 27वां स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि वुड्स पार्क सैनिक स्कूल को देश के प्रतिष्ठित बोर्डिंग स्कूलों की श्रेणी में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार, यह सम्मान संस्थान द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासन, नेतृत्व विकास, खेलकूद, चरित्र निर्माण तथा कैडेट्स के सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों का परिणाम है।

इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रशासन ने अभिभावकों, समर्पित शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं कैडेट्स का आभार व्यक्त किया, जिनके सामूहिक प्रयासों और निरंतर परिश्रम से विद्यालय को यह राष्ट्रीय पहचान प्राप्त हुई है। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि स्थापना के अपेक्षाकृत कम समय में राष्ट्रीय स्तर की बोर्डिंग स्कूल रैंकिंग में 27वां स्थान प्राप्त करना वुड्स पार्क सैनिक स्कूल की प्रगति और गुणवत्ता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

विद्यालय का उद्देश्य कैडेट्स को केवल अकादमिक रूप से सक्षम बनाना ही नहीं, बल्कि उनमें अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, शारीरिक दक्षता, जिम्मेदारी और राष्ट्रसेवा की भावना का विकास करना भी है। स्कूल ने हाल ही में खेलों के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। स्कूल की स्थापना के बाद पहली बार कैडेट्स ने प्रतियोगिताओं में पदक हासिल करते हुए 4×400 मीटर रिले दौड़ में रजत पदक तथा 100 मीटर स्प्रिंट में कांस्य पदक प्राप्त किया।



◆ खेलों में भी चमके वुड्स पार्क के कैडेट्स, रिले में जीता रजत पदक

शिक्षा व कैडेट्स के सर्वांगीण विकास को मिलेगी और गति

वुड्स पार्क सैनिक स्कूल को ईडब्ल्यू इंडिया स्कूल रैंकिंग में मिली 27वीं राष्ट्रीय रैंकिंग को विद्यालय प्रबंधन ने महत्वपूर्ण उपलब्धि व प्रेरणा बताया। प्रबंधन के अनुसार इससे शिक्षा, आधारभूत सुविधाओं, खेलकूद, नेतृत्व प्रशिक्षण और कैडेट्स के सर्वांगीण विकास के प्रयासों को और गति मिलेगी। विद्यालय ने अभिभावकों एवं शुभचिंतकों के निरंतर सहयोग के लिए आभार जताते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर एक उत्कृष्ट और प्रतिष्ठित संस्था के रूप में पहचान बनाना उसका निरंतर लक्ष्य रहेगा।

जनता दर्शन में करीब 150 लोगों से मिले सीएम योगी, सुनीं समस्याएं

समस्या निस्तारण में लापरवाही पर होगी कड़ी कार्रवाई

एजेंसी, गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनसेवा के नियमित प्रकल्प 'जनता दर्शन' में विभिन्न जिलों से आए लोगों से मुलाकात की।

गंभीरता से उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन समस्याओं का समाधान तत्परता और संवेदनशील तरीके से किया जाए। इसमें किसी भी तरह की शिथिलता या लापरवाही पाए जाने पर जवाबदेही तय करते हुए संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जनता की समस्याओं का समाधान सरकार की प्राथमिकता है। हर समस्या का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और संतुष्टिपरक होना चाहिए। गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने करीब 150 लोगों से मुलाकात की। सबको आश्वस्त किया, घबराइए मत, समस्या का समाधान सुनिश्चित कराया जाएगा। सबके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी सहायता की जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। योगी ने उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी एस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए।



अनुभव | हरियाणा भ्रमण पर जा रहे युवाओं को सीएम ने दी शुभकामनाएं, कहा- अंतरराज्यीय भ्रमण से मिलेगी नई सीख

हरियाणा की संस्कृति व खेल परंपरा को करीब से जानें युवा : धामी

एजेंसी, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में हरियाणा भ्रमण पर जा रहे उत्तराखंड के युवाओं को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के अंतरराज्यीय भ्रमण युवाओं को देश के विभिन्न राज्यों की संस्कृति, जीवनशैली, विकास कार्यों और नवाचारी पहलों को निकट से समझने का अवसर प्रदान करते हैं।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि उत्तराखंड के युवा विभिन्न राज्यों में जाकर वहां की संस्कृति, स्थानीय विशेषताओं, विकास से जुड़ी पहलों और सरकारों द्वारा अपनाई जा रही अच्छी कार्यप्रणालियों को जानें तथा उपयोगी अनुभवों को उत्तराखंड के परिप्रेक्ष्य में भी साझा करें। इसी प्रकार अन्य राज्यों के युवाओं को भी उत्तराखंड आने और यहां की संस्कृति, पर्यटन, स्थानीय उत्पादों तथा राज्य में संचालित विभिन्न विकास एवं जनकल्याणकारी पहलों को जानने के अवसर दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस से प्रारंभ हुए सेवा संकल्प अभियान की भावना भी समाज के विभिन्न वर्गों, विशेष रूप से युवाओं को सेवा, जनभागीदारी और विकसित भारत के संकल्प से जोड़ने की है।

युवाओं के बीच इस प्रकार का संवाद विभिन्न राज्यों की अच्छी पहलों को समझने और आपसी अनुभव साझा करने का प्रभावी माध्यम बन सकता है। मुख्यमंत्री ने हरियाणा भ्रमण पर जा रहे युवाओं से कहा कि वे वहां की समृद्ध संस्कृति, गौरवशाली इतिहास, खान-पान, खेल परंपरा, कृषि और स्थानीय जीवनशैली को करीब से देखें। स्थानीय युवाओं, खिलाड़ियों, किसानों और विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य कर रहे लोगों से संवाद कर उनके अनुभवों को जानें।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि विशेष रूप से महिला स्वयं सहायता समूहों और स्थानीय कारीगरों द्वारा तैयार किए जा रहे उत्पादों की जानकारी भी अन्य राज्यों तक पहुंचाने में युवा महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम केवल भ्रमण तक सीमित न रहें, बल्कि विभिन्न राज्यों के युवाओं, संस्कृति, अनुभव और विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम बनें। इससे युवाओं को देश की विविधता को समझने के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे अच्छे कार्यों से सीखने का अवसर मिलेगा।



उत्तराखंड की संस्कृति व पर्यटन का प्रचार करें युवा

धामी ने कहा कि उत्तराखंड के युवा राज्य के प्रतिनिधि के रूप में अन्य प्रदेशों में जाते हैं। ऐसे में वे देवभूमि की समृद्ध संस्कृति, लोकपर्वों, स्थानीय खान-पान, पर्यटन स्थलों, होम-स्टे, स्थानीय उत्पादों, मिलेट्स और हस्तशिल्प के बारे में भी लोगों को जानकारी दें। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में चारधाम के साथ ही आदि कैलाश, जागेश्वर, कैंची धाम, शीतकालीन पर्यटन, साहसिक पर्यटन तथा अनेक ऐसे पर्यटन स्थल हैं, जिनकी जानकारी देश के अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचनी चाहिए।

शिमला प्रदर्शन को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री ने उठाए सवाल

चुनावी प्रक्रिया पर सवालों को लेकर जयराम ठाकुर ने रखी अपनी बात

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर कांग्रेस की ओर से लगाए जा रहे आरोपों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों को संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा और मर्यादा का सम्मान करना चाहिए। उनके ये बयान हाल में शिमला में कांग्रेस के चुनाव आयोग विरोधी प्रदर्शन के बाद आए हैं। 25 सितंबर को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने निर्वाचन विभाग कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया था और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंका था। प्रदर्शन के दौरान बोर्ड पर नारे लिखने और पुलिस के साथ धक्का-मुक्की की घटनाएं भी सामने आई थीं।



प्रेस वार्ता में जयराम ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस नेता एक ओर संविधान की प्रति लेकर संवैधानिक संस्थाओं के सम्मान की बात करते हैं, जबकि दूसरी ओर चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि केवल आरोप लगाने से कोई बात प्रमाणित नहीं होती और तथ्यों को सामने रखना जरूरी है।

उन्होंने चुनाव आयोग में निर्णय प्रक्रिया को लेकर चल रहे विवाद का उल्लेख करते हुए कहा कि आयोग की ओर से स्पष्ट किया गया है कि विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़े फैसले तीनों चुनाव आयुक्तों की सहमति से लिए गए। चुनाव आयोग ने भी हाल में सार्वजनिक रूप से कहा है कि उसके निर्णय सर्वसम्मति से हुए हैं।

जयराम ठाकुर ने कांग्रेस के 'वोट चोरी' के आरोपों पर सवाल उठाते हुए कहा कि अलग-अलग राज्यों में चुनाव परिणामों को लेकर राजनीतिक दलों की प्रतिक्रियाएं अलग रही हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव में हार या जीत के आधार पर चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठाना उचित नहीं है।

उन्होंने कांग्रेस के पुराने चुनावी इतिहास का उल्लेख करते हुए पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्तों के कार्यकाल और चुनाव सुधारों की चर्चा की। उनका कहना था कि देश ने चुनाव प्रक्रिया में कई दौर देखे हैं और समय के साथ मतदान व्यवस्था में सुधार हुए हैं। शिमला में चुनाव विभाग कार्यालय के बाहर हुए प्रदर्शन का जिक्र करते हुए जयराम ठाकुर ने सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और कर्मचारियों के साथ कथित दुर्व्यवहार पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि विरोध दर्ज कराने का अधिकार लोकतंत्र में महत्वपूर्ण है, लेकिन संवैधानिक संस्थाओं के कार्यालयों में ऐसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए। प्रदर्शन के दौरान बोर्ड पर आपत्तिजनक नारे लिखने और पुतला जलाने की रिपोर्ट भी सामने आई थी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक करना उसका अधिकार है, लेकिन देश संविधान और संवैधानिक संस्थाओं के माध्यम से चलता है। जयराम ठाकुर ने कहा कि भाजपा कांग्रेस के आरोपों का जवाब लोकतांत्रिक तरीके से जनता के बीच तथ्यों के साथ रखेगी। बैठक और प्रदर्शन को लेकर कांग्रेस की ओर से भी चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए गए हैं। कांग्रेस ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और मतदाताओं के नाम हटाए जाने की आशंकाओं को लेकर अपनी आपत्तियां दर्ज कराई हैं। पार्टी ने शिमला में प्रदर्शन के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई की मांग भी उठाई।

वहीं, जयराम ठाकुर ने कहा कि राजनीतिक दलों को अपनी आपत्तियां लोकतांत्रिक और संवैधानिक माध्यमों से उठानी चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रक्रिया को लेकर किसी भी विवाद का समाधान तथ्यों, दस्तावेजों और निर्धारित संस्थागत प्रक्रिया के आधार पर होना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस से चुनाव आयोग पर लगाए गए आरोपों को लेकर तथ्य सार्वजनिक करने की मांग की।

अधिकारियों को योजनाओं के नियमों की जानकारी से विकास कार्यों में आएगी तेजी

योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को प्रशिक्षण जरूरी : अनिरुद्ध सिंह

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने कहा कि ग्रामीण विकास योजनाओं के प्रभावी और समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों को योजनाओं, नियमों और प्रक्रियाओं की स्पष्ट जानकारी होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि नियमों की जानकारी के अभाव में कई बार विकास कार्यों में अनावश्यक देरी होती है और उपलब्ध बजट का समुचित उपयोग नहीं हो पाता।



डॉ. मनमोहन सिंह हिमाचल प्रदेश लोक प्रशासनिक संस्थान, फेयरलॉन (एमसिप्पा) में जिला विकास अधिकारियों और खंड विकास अधिकारियों के लिए दो दिवसीय राज्य स्तरीय अभिमुखीकरण कार्यशाला शुरू हुई। कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर अनिरुद्ध सिंह ने बतौर मुख्य अतिथि भाग लिया। उन्होंने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं का समाधान करना तथा अधिकारियों को योजनाओं की अद्यतन जानकारी देना है।

मंत्री ने कहा कि प्रदेश की करीब 90 प्रतिशत आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। ऐसे में पंचायत स्तर पर योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष ग्रामीण विकास विभाग के अधीन पंचायतें करीब 12 हजार करोड़ रुपये की राशि खर्च नहीं कर पाई। अधिकारियों को योजनाओं के नियमों और प्रक्रियाओं की जानकारी हासिल कर बजट का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करना चाहिए।

हिम ई-पंचायत से बढ़ेगी पारदर्शिता : अनिरुद्ध सिंह ने कहा कि 25 सितंबर को हिम ई-पंचायत प्रोसिडिंग सिस्टम पोर्टल शुरू किया गया था। इसके माध्यम से ग्राम पंचायतों, पंचायत समितियों और जिला परिषदों की बैठकों की कार्यवाही ऑनलाइन दर्ज की जाएगी। इससे बैठकों में पारदर्शिता बढ़ने के साथ रिकॉर्ड को सुरक्षित एवं व्यवस्थित रखने में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि हिम एक्सेस के माध्यम से पंचायत प्रतिनिधियों और अधिकारियों को बैठकों का एजेंडा, विवरण और कार्यवाही ऑनलाइन अपडेट करने की सुविधा मिलेगी। इससे कागजी रिकॉर्ड पर निर्भरता कम होगी और महत्वपूर्ण जानकारी डिजिटल रूप में सुरक्षित रहेगी।

शेष छह जिलों के अधिकारियों को प्रशिक्षण : ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के निदेशक राघव शर्मा ने बताया कि 25 और 26 सितंबर को छह जिलों के अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। इसी क्रम में अब शेष छह जिलों के जिला विकास अधिकारियों और खंड विकास अधिकारियों के लिए कार्यशाला आयोजित की जा रही है। इसमें ग्रामीण विकास विभाग, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन सहित विभिन्न योजनाओं के नियमों और प्रक्रियाओं की जानकारी दी जाएगी।

नशे के खिलाफ कार्रवाई के साथ पुनर्वास पर भी दें विशेष ध्यान : अनुपम कश्यप

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। जिला स्तरीय नारकोटिक्स कोआर्डिनेशन कमेटी (एनसीओआरडी) की बैठक उपायुक्त अनुपम कश्यप की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में जिले में नशीले पदार्थों की तस्करी और दुरुपयोग की रोकथाम, संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी, नशा विरोधी अभियानों तथा नशे की लत से प्रभावित लोगों के पुनर्वास को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई।



उपायुक्त ने अधिकारियों को नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ प्रभावी एवं समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नशीले पदार्थों के संभावित स्रोतों और संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर निगरानी व्यवस्था मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ अभियान केवल कार्रवाई और जागरूकता कार्यक्रमों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि नशे की गिरफ्त में आए युवाओं को उपचार और पुनर्वास के माध्यम से समाज की मुख्यधारा से जोड़ना भी जरूरी है।

बैठक में बताया गया कि पिछले एक माह में जिले में 54 बीघा भूमि पर उगाई गई भांग की खेती नष्ट की गई। इस वर्ष अब तक एनडीपीएस अधिनियम के तहत 263 मामले दर्ज कर 526 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। सितंबर में 35 मामले दर्ज हुए और 45 आरोपित गिरफ्तार किए गए। अब तक 68 आरोपितों की करीब 12 करोड़ 52 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की गई है। इस वर्ष करीब 9 किलो 986 ग्राम चिट्टा भी बरामद किया गया। जिले की 15 पंचायतों को नशे की दृष्टि से संवेदनशील चिन्हित किया गया है। इन क्षेत्रों के पिछले तीन वर्षों के मामलों का विश्लेषण कर रोकथाम के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गौरव सिंह ने बताया कि नशे के खिलाफ कार्रवाई तेज की गई है। उन्होंने नशा मुक्ति केंद्रों का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पुलिस अधिकारियों को महीने में कम से कम दो बार केंद्रों का निरीक्षण करने को कहा गया। बैठक में प्रशासन, पुलिस सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पूर्व मंत्री विजय सिंह मनकोटिया के निधन पर विधानसभा अध्यक्ष ने जताया शोक



अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां ने शाहपुर के पूर्व विधायक एवं मंत्री विजय सिंह मनकोटिया के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि विजय सिंह मनकोटिया प्रदेश के कद्दावर नेताओं में शामिल रहे। उनका जन्म 23 नवंबर 1939 को कांगड़ा जिले के तियारा गांव में हुआ था। उन्होंने वर्ष 1960 में देहरादून स्थित भारतीय सैन्य अकादमी में प्रवेश लिया। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें प्रतिष्ठित स्वॉर्ड ऑफ ऑनर और स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ। वर्ष 1962 में भारतीय सेना की प्रथम गोरखा राइफल में अधिकारी के रूप में कमीशन मिला। मनकोटिया ने वर्ष 1962 के चीन-भारत युद्ध तथा 1965 और 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में भाग लिया। उन्होंने भूटान में चार वर्ष तक रॉयल भूटान आर्मी के साथ भी सेवा की। वर्ष 1976 में उन्होंने भारतीय सेना से समयपूर्व सेवानिवृत्ति ली।

पठानियां ने कहा कि सैन्य सेवा के बाद मनकोटिया ने राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाई। वर्ष 1982 में वह पहली बार शाहपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुने गए। इसके बाद वह पांच बार विधानसभा सदस्य रहे और इस दौरान दो बार हिमाचल प्रदेश सरकार में मंत्री का दायित्व संभाला।

प्रदेश के किसानों-बागवानों की समस्याएं हर स्तर पर उठाएगी किसान कांग्रेस

भारतेन्दु संवाददाता , शिमला। हिमाचल प्रदेश किसान कांग्रेस ने किसानों और बागवानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने और उनकी आवाज को संगठन के माध्यम से मजबूत करने का निर्णय लिया है। किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रवि शर्मा ने कहा कि संगठन का विस्तार जिला, ब्लॉक और बूथ स्तर तक किया जा रहा है। इसी कड़ी में शिमला जिला किसान कांग्रेस के गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।



प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए रवि शर्मा ने कहा कि प्रदेश के सेब बागवानों के हितों को लेकर केंद्र सरकार से किए गए वादे अभी तक पूरे नहीं हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विदेश से आयात होने वाले सेब के कारण हिमाचल के बागवानों को बाजार में प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है और उन्हें अपनी उपज का लागत के अनुरूप उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है।

उन्होंने कहा कि जिला और ब्लॉक स्तर पर किसान कांग्रेस की कार्यकारिणियों के गठन का कार्य अंतिम चरण में है। किसान कांग्रेस किसानों और बागवानों के मुद्दों को संगठन के माध्यम से उठाने के साथ कांग्रेस की विचारधारा के अनुरूप संगठन को मजबूत करने का कार्य करेगी।

जिला शिमला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के अध्यक्ष हरिकृष्ण हिमराल ने कहा कि शिमला में किसान कांग्रेस बागवानों की प्रमुख आवाज बनकर उभर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस किसानों और बागवानों के हितों की लड़ाई मजबूती से लड़ेगी।

शिमला जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष ममता ठाकुर ने कहा कि संगठन में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि वह स्वयं ठियोग के सेब उत्पादन क्षेत्र से जुड़ी हैं और बागवानी क्षेत्र की महिलाओं की समस्याओं से परिचित हैं। उन्होंने कहा कि किसान कांग्रेस प्रदेश के सभी जिलों, ब्लॉकों और बूथ स्तर तक किसानों और बागवानों की समस्याओं को उठाएगी।

ढली में 20 ग्राम चिट्टा के साथ युवक गिरफ्तार, जांच जारी

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। पुलिस थाना ढली की टीम ने नशे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 20 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह कार्रवाई 27 सितंबर 2026 को मशोबरा रोड स्थित दुर्गा माता मंदिर के समीप की। मामले में पुलिस ने अभियोग संख्या 95/2026 के तहत एनडीपीएस अधिनियम की धारा 21 में प्राथमिकी दर्ज की है।



पुलिस के अनुसार, ढली थाना की टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को नशीले पदार्थ की तस्करी के संबंध में गुप्त सूचना मिली। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मशोबरा रोड पर दुर्गा माता मंदिर के समीप नाकाबंदी कर वाहनों की जांच शुरू की। नाकाबंदी के दौरान एक संदिग्ध वाहन को रोककर उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान वाहन से एक पॉलीथीन पैकेट बरामद हुआ। जांच करने पर पैकेट में 20 ग्राम हेरोइन अथवा चिट्टा पाया गया। पुलिस ने मादक पदार्थ को जब्त कर लिया और वाहन में सवार अनुराग माजटा को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपित अनुराग माजटा मूल रूप से चौपाल, जिला शिमला का रहने वाला है और वर्तमान में बलदियां, शिमला में रह रहा था। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

चौपाल में प्लास्टिक कचरे से बनेगी 200 मीटर सड़क

अक्तूबर में शुरू होगा निर्माण, प्लास्टिक के पुनः उपयोग से संसाधनों की होगी बचत

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला जिले के चौपाल उपमंडल में प्लास्टिक कचरे के सदुपयोग की दिशा में अनूठी पहल की जा रही है। चौपाल विकास खंड में मुख्य सड़क से प्लास्टिक वेस्ट पार्क को जोड़ने वाली करीब 200 मीटर लंबी सड़क का निर्माण प्लास्टिक कचरे के इस्तेमाल से किया जाएगा। सड़क निर्माण का कार्य अक्तूबर के पहले सप्ताह में शुरू करने और 25 अक्तूबर तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

इस पहल की जिम्मेदारी चौपाल के खंड विकास अधिकारी विनीत ठाकुर ने उठाई है। सड़क निर्माण में इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक कचरे को पहले अलग-अलग कर उसकी सफाई की जाएगी। इसके बाद इसे छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुसार तैयार किया जाएगा। तैयार प्लास्टिक सामग्री को गर्म बिटुमेन के साथ मिलाकर सड़क निर्माण में इस्तेमाल किया जाएगा।



इससे सड़क, नालियों और खुले स्थानों पर जमा होने वाले प्लास्टिक कचरे के निस्तारण में मदद मिलेगी। खुले में फेंके जाने या जलाए जाने वाले प्लास्टिक को निर्माण कार्य में उपयोगी संसाधन के रूप में इस्तेमाल करने का प्रयास किया जा रहा है।

दो साल से प्लास्टिक कचरा प्रबंधन पर काम : बीडीओ विनीत ठाकुर मूल रूप से सिरमौर जिले के रहने वाले हैं और पिछले दो वर्षों से अधिक समय से चौपाल में सेवाएं दे रहे हैं। यहां तैनाती के बाद उन्होंने प्लास्टिक वेस्ट पार्क तैयार कराया। अब इसी पार्क को मुख्य सड़क से जोड़ने के लिए प्लास्टिक कचरे से सड़क बनाई जा रही है।

विनीत ठाकुर ने बताया कि सड़क करीब 200 मीटर लंबी होगी और इसका निर्माण 25 अक्तूबर तक पूरा करने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि पहल का उद्देश्य केवल प्लास्टिक कचरे का निस्तारण करना नहीं, बल्कि उसे उपयोगी निर्माण सामग्री में बदलकर स्थायी परिसंपत्ति तैयार करना है।

बिटुमेन और प्राकृतिक संसाधनों की होगी बचत : प्लास्टिक के सड़क निर्माण में इस्तेमाल से बिटुमेन की आंशिक बचत होने के साथ प्राकृतिक निर्माण संसाधनों पर दबाव कम होने की उम्मीद है। इससे प्लास्टिक के पुनर्चक्रण और पुनः उपयोग को भी बढ़ावा मिलेगा। चौपाल में प्लास्टिक कचरा प्रबंधन के लिए किए जा रहे प्रयासों को स्थानीय स्तर पर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। विनीत ठाकुर को चौपाल में प्लास्टिक वेस्ट पार्क और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किए गए कार्यों के लिए विश्व पर्यावरण दिवस पर मुख्यमंत्री की ओर से पर्यावरण संरक्षण पुरस्कार भी मिल चुका है।

शोघी में बस से छह ग्राम चिट्टा बरामद कुल्लू का युवक हुआ गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत स्पेशल सेल शिमला की टीम ने शोघी के पास कार्रवाई करते हुए करीब छह ग्राम चिट्टे के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ पुलिस थाना बालुगंज में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 21 के तहत मामला दर्ज किया है।



पुलिस के अनुसार, 27 सितंबर को स्पेशल सेल शिमला की टीम राष्ट्रीय राजमार्ग-05 पर शोघी पुलिस चौकी के नजदीक गश्त और नाकाबंदी पर तैनात थी। इसी दौरान दिल्ली-सांगला मार्ग पर जा रही एक बस को जांच के लिए रोका गया। बस की तलाशी के दौरान क्षितिज वर्मा (26) निवासी जिला कुल्लू पुलिस को देखकर संदिग्ध गतिविधियां करता हुआ पाया गया।

पुलिस ने शक के आधार पर उसकी सीट के नीचे रखे सामान की जांच की। तलाशी के दौरान गोल्ड फ्लेक सिगरेट की डिब्बी के अंदर एक पारदर्शी पाउच मिला। पाउच की जांच करने पर उसमें चिट्टा या हेरोइन जैसा पदार्थ बरामद हुआ। बरामद पदार्थ का वजन करीब छह ग्राम पाया गया।

पुलिस ने मादक पदार्थ को कब्जे में लेकर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में अभियोग संख्या 201/2026 दर्ज किया गया है। आरोपित को आगामी कार्रवाई के लिए न्यायालय में पेश किया जाएगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है और नशीले पदार्थ की आपूर्ति से जुड़े संभावित संपर्कों का पता लगाने में जुटी है।

स्मृतिसभा हजारों लोगों ने दी श्रद्धांजलि, गुरदास मान की प्रस्तुति ने समारोह में बांधा समां

हरोली में भव्यता से मनाई प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री की जयंती

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, ऊना। प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री की जयंती के अवसर पर मंगलवार को प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री राजकीय महाविद्यालय हरोली में भव्य स्मृति एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में हजारों लोगों ने शामिल होकर प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री को श्रद्धापूर्वक याद किया। सुबह से ही लोगों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था और देखते ही देखते महाविद्यालय परिसर में बड़ी संख्या में लोग जुट गए।



उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने महाविद्यालय परिसर में स्थापित प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री की स्मृतियां आज भी हरोलीवासियों के बीच जीवंत हैं। जरूरतमंदों की सहायता, शिक्षा और सामाजिक सरोकारों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ने उन्हें लोगों के बीच विशेष पहचान दिलाई।

समारोह में मंच के सामने महाविद्यालय और विद्यालयों की छात्राओं के लिए विशेष व्यवस्था की गई। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री का जीवन शिक्षा और बच्चों के लिए समर्पित रहा। इसलिए कार्यक्रम में विद्यार्थियों को विशेष स्थान दिया गया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत कर युवाओं को बेहतर अवसर उपलब्ध करवाने के प्रयास जारी हैं।

मुकेश अग्निहोत्री ने महाविद्यालय में करीब 9.50 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले विज्ञान भवन की आधारशिला भी रखी। उन्होंने कहा कि नए भवन से विद्यार्थियों को आधुनिक शैक्षणिक सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष तक महाविद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या एक हजार से अधिक होने की उम्मीद है।

समारोह का प्रमुख आकर्षण प्रसिद्ध पंजाबी गायक गुरदास मान की प्रस्तुति रही। उनकी प्रस्तुति के दौरान पूरा परिसर तालियों और संगीत से गूंज उठा।

एसएफआई आनी इकाई सम्मेलन में नई 19 सदस्यीय कमेटी का गठन



भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) आनी इकाई का 18वां इकाई सम्मेलन उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। सम्मेलन में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और सार्वजनिक शिक्षा की रक्षा, छात्र अधिकारों तथा संगठन को मजबूत करने का संकल्प दोहराया। सम्मेलन का उद्घाटन एसएफआई शिमला जिला अध्यक्ष विवेक नेहरा ने किया। उन्होंने एसएफआई के छात्र आंदोलनों और संघर्षों की चर्चा करते हुए शिक्षा के निजीकरण, व्यावसायीकरण तथा बढ़ती फीस के खिलाफ छात्रों की एकजुटता पर जोर दिया। उन्होंने विद्यार्थियों से लोकतांत्रिक अधिकारों और समान, वैज्ञानिक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए संगठित होकर आवाज उठाने का आह्वान किया।

तकनीकी संस्थानों के लिए 35 .34 करोड़ जारी, युवाओं को मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं



भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने कहा कि हिमाचल प्रदेश तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहा है। प्रदेश सरकार तकनीकी संस्थानों में आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के साथ युवाओं को आधुनिक एवं रोजगारपरक शिक्षा उपलब्ध करवाने पर विशेष ध्यान दे रही है। इसी दिशा में राज्य के विभिन्न तकनीकी शिक्षण संस्थानों के सुदृढ़ीकरण के लिए 35.34 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। राजेश धर्माणी ने कहा कि प्रदेश के पॉलिटेक्निक, इंजीनियरिंग संस्थानों और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को बदलती तकनीकी जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षण और नवाचार के अवसर उपलब्ध करवाना है। सरकार युवाओं को केवल रोजगार पाने वाला नहीं, बल्कि रोजगार उपलब्ध करवाने वाला बनाने की दिशा में कार्य कर रही है।

उन्होंने बताया कि कांगड़ा जिले में आईटीआई बैजनाथ के लिए तीन करोड़, आदर्श आईटीआई संसारपुर-टैरेस के लिए 1.75 करोड़, राजकीय फार्मेसी कांगड़ा में सरकारी आवास के लिए 2.29 करोड़, राजकीय पॉलिटेक्निक कांगड़ा के अकादमिक ब्लॉक-बी के लिए तीन करोड़ और नगरोटा बगवां के बलधर में अत्याधुनिक आईटीआई भवन के लिए 3.50 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं।

टिहरी झील में भारतीय स्कीइंग का तृतीय कोर्स शुरू

अनिल थपलियाल



नई टिहरी। भारतीय स्कीइंग एवं पर्वतारोहण संस्थान की ओर से तृतीय प्रशिक्षण कोर्स का शुभारंभ टिहरी गढ़वाल स्थित टिहरी झील में किया गया। संस्थान के प्रधानाचार्य कर्नल ईश्वर सिंह थापा, एसएम, बीएसएम, एमआईडी ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए प्रशिक्षण को पूरी सुरक्षा और सावधानी के साथ संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रशिक्षकों से कहा कि प्रशिक्षण के दौरान सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए और प्रतिभागियों को सभी गतिविधियों के लिए आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी जाए।

इस प्रशिक्षण कोर्स में देशभर से कुल 26 प्रतिभागी शामिल हुए हैं। इनमें पांच लड़कियां और 21 लड़के हैं। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को बेसिक, इंटरमीडिएट और एडवांस तीनों स्तरों के पाठ्यक्रमों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम नौ अक्टूबर 2026 को संपन्न होगा। कोर्स के दौरान प्रतिभागियों को संबंधित गतिविधियों की तकनीकी जानकारी देने के साथ ही व्यावहारिक अभ्यास भी कराया जाएगा। प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों को आवश्यक कौशल, अनुशासन और सुरक्षा संबंधी जानकारी उपलब्ध कराना है।

संस्थान की ओर से प्रशिक्षण के लिए अनुभवी प्रशिक्षकों की टीम नियुक्त की गई है। कोर्स के मुख्य प्रशिक्षक प्रवीण सिंह रांगड़ हैं। उनके साथ अरविंद रतूड़ी, खलील अहमद और शब्बीर अहमद भट्ट प्रशिक्षक के रूप में प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दे रहे हैं।

प्रशिक्षण में नियमों के पालन पर जोर

प्रशिक्षकों की देखरेख में प्रतिभागियों को विभिन्न स्तरों के अनुरूप प्रशिक्षण दिया जा रहा है। संस्थान ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के दौरान निर्धारित नियमों का पालन करने और प्रशिक्षकों के निर्देशों का पूरी तरह अनुपालन करने के लिए कहा है।

युवाओं को मिलेंगे नए कौशल

कोर्स में खुशी, नूधरथ, बरखा, खुशी, राहुल, विक्रम, कृष्णा, यस, देवांश, मोहित, सलीम, अबरार, मलकित, अमिकेकेश, अंकित शर्मा, पंकज भारद्वाज और प्रशांत सहित अन्य प्रतिभागी शामिल हैं। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को गतिविधियों से जुड़े तकनीकी पहलुओं के साथ सुरक्षा उपायों और आपात परिस्थितियों में अपनाई जाने वाली सावधानियों के बारे में भी जानकारी दी जा रही है। टिहरी झील में आयोजित इस प्रशिक्षण कोर्स से प्रतिभागियों को पर्वतीय एवं साहसिक गतिविधियों से जुड़े कौशल विकसित करने का अवसर मिलेगा। संस्थान की ओर से प्रशिक्षण को सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से पूरा कराने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं।

एसएसपी दून के नेतृत्व में दून पुलिस को मिली एक और सफलता

बैंक कर्मी पर हुई फायरिंग की घटना में वांछित अभियुक्त को दून पुलिस ने किया गिरफ्तार

विकास बलूनी



देहरादून। आठ सितंबर 2026 को वादिनी साक्षी चौहान पुत्री स्व. अशोक कुमार निवासी असलमपुर भुल्लन, थाना नगीना देहात, जिला बिजनौर, हाल पता डीएसपी चौक बड़ोवाला, थाना पटेलनगर, देहरादून ने कोतवाली पटेलनगर में तहरीर दी थी। उन्होंने बताया कि वह अपने फुफेरे भाई सत्यम कुमार पुत्र स्व. नौभार सिंह निवासी भगवानवाला, थाना धामपुर, जिला बिजनौर, हाल पता डीएसपी चौक बड़ोवाला के साथ शाम करीब 7:40 बजे वी मार्ट मंडी चौक से स्कूटी पर घर जा रही थीं। जीओ पेट्रोल पंप से करीब 200 मीटर आगे बड़ोवाला की ओर पीछे से आए मोटरसाइकिल सवार दो युवकों ने उनकी स्कूटी के आगे बाइक रोककर जान से मारने की नीयत से फायरिंग की। इसमें सत्यम कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। तहरीर के आधार पर कोतवाली पटेलनगर में मुकदमा अपराध संख्या 614/2026, धारा 109(1)/3(5) बीएनएस के तहत अज्ञात आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया।

घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून के निर्देश पर आरोपितों की गिरफ्तारी और घटना के अनावरण के लिए अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन किया गया। टीमों ने 11 सितंबर को पटेलनगर क्षेत्र में हुई मुठभेड़ के बाद आरोपित अंकित चौहान को गिरफ्तार किया था, जबकि उसका साथी अंकुर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया था। घायल अंकित से पूछताछ में सामने आया कि बैंककर्मी युवक की पूर्व प्रेमिका माल्या रहमान ने अंकित और अंकुर को युवक को रास्ते से हटाने के लिए पांच लाख रुपये में सुपारी दी थी। इसके बाद पुलिस ने माल्या रहमान को भी गिरफ्तार किया था।

फरार अंकुर की तलाश में पुलिस लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थी। इसी क्रम में 29 सितंबर को पटेलनगर क्षेत्र के हरभजवाला के पास निर्माणाधीन हाईवे से अंकुर को गिरफ्तार कर लिया गया। उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त बिना नंबर की मोटरसाइकिल, 315 बोर का देसी तमंचा और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए।

पूछताछ में अंकुर ने बताया कि उसका साथी अंकित, जो लक्सर का रहने वाला है, उसे देहरादून में एक युवक की हत्या करने और इसके बदले मोटी रकम मिलने का लालच देकर माल्या रहमान से हरिद्वार में मिलवाया था।

अंकित के साथ मिलकर वारदात

माल्या ने उन्हें युवक का नाम, पता, फोटो और अन्य जरूरी जानकारी उपलब्ध कराई थी। पैसों के लालच में उसने अंकित के साथ मिलकर घटना को अंजाम दिया। घटना के समय अंकुर मोटरसाइकिल चला रहा था और पीछे बैठे अंकित ने युवक पर फायर किया। इसके बाद दोनों मौके से फरार हो गए। गिरफ्तार आरोपित अंकुर पुत्र मदन मोहन, आदर्श कॉलोनी, चर्च के पास, वार्ड नंबर छह, लक्सर, हरिद्वार निवासी है और उसकी उम्र 20 वर्ष है। उसके खिलाफ मु0अ0सं0 812/23 में धारा 147, 149, 323, 307 आईपीसी तथा मु0अ0सं0 190/25 में धारा 4/25 आर्म्स एक्ट के मामले दर्ज हैं। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक जयवीर सिंह, चौकी प्रभारी आईएसबीटी, कांस्टेबल नितिन, संदीप और पंकज शामिल रहे। एसओजी टीम में उपनिरीक्षक धनीराम पुरोहित, कांस्टेबल मनोज सुंदरियाल और कांस्टेबल आशीष राठी शामिल रहे।



एसएसपी, देहरादून

स्वास्थ्य केंद्र भवन में लगी भीषण आग एएनएम की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, उत्तरकाशी। तहसील मोरी के अंतर्गत आराकोट स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के पुराने भवन में सोमवार देर रात भीषण आग लगने से वहां रह रही सेवानिवृत्त एएनएम पार्वती जैन की मौत हो गई। आग इतनी विकराल थी कि महिला को बचाने का मौका नहीं मिल सका। सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंचे। टीम ने काफी मशक्कत के बाद भवन से महिला का अधजला शव बाहर निकाला। पंचनामा भरने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। अग्निकांड के बाद क्षेत्र में शोक की लहर है। बताया गया कि रात करीब एक से डेढ़ बजे के बीच स्वास्थ्य केंद्र के पुराने भवन में अचानक आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने पूरे भवन को अपनी चपेट में ले लिया। स्थानीय दमकल टीम के साथ हिमाचल प्रदेश से पहुंची दमकल टीम ने भी कई घंटे तक आग बुझाने का प्रयास किया। स्थानीय लोगों ने भी राहत-बचाव कार्य में सहयोग किया। हालांकि आग की तीव्रता के कारण पार्वती जैन को बचाया नहीं जा सका। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। घटना ने स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली और पुराने भवन में सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए हैं।

छात्रसंघ चुनाव में एबीवीपी का दबदबा

मसूरी एमपीजी कॉलेज में एबीवीपी का परचम, तीन प्रमुख पदों पर जीत

अध्यक्ष पद पर वेदांत थापली को 185 मत, महासचिव आशुतोष जोशी को 160 वोट



सुनील सोनकर

मसूरी। एमपीजी कॉलेज छात्रसंघ चुनाव में मंगलवार को मतगणना के बाद एबीवीपी ने अध्यक्ष, महासचिव और विश्वविद्यालय प्रतिनिधि के तीन प्रमुख पदों पर जीत दर्ज की। चुनाव को लेकर सुबह से ही विद्यार्थियों में उत्साह बना रहा। कॉलेज के कुल 366 मतदाताओं में से 274 विद्यार्थियों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस तरह कॉलेज में 74.9 प्रतिशत मतदान हुआ। मतदान सुबह नौ बजे शुरू होकर दोपहर 1:30 बजे तक चला, जबकि मतगणना दोपहर तीन बजे शुरू की गई। परिणाम घोषित होने के बाद विजयी प्रत्याशियों के समर्थकों में उत्साह देखने को मिला।

अध्यक्ष पद पर एबीवीपी के वेदांत थापली ने 185 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की। उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी एनएसयूआई के विकास सिंह को 48 और मसूरी छात्र संगठन के मनन शाही को 36 मत मिले। महासचिव पद पर भी एबीवीपी के आशुतोष जोशी ने 160 मत हासिल कर जीत दर्ज की। अंकित रौछैला को 70 और प्रियंशु कंडारी को 42 मत प्राप्त हुए। विश्वविद्यालय प्रतिनिधि पद पर एबीवीपी की करिश्मा डुमोगा ने 212 मत हासिल किए, जबकि संध्या को 54 मत मिले। इस तरह तीनों प्रमुख पद एबीवीपी के खाते में गए।

चुनाव प्रक्रिया के दौरान उपाध्यक्ष पद पर गौरव सिंह गुसाईं, सहसचिव पद पर ईशा और कोषाध्यक्ष पद पर सलोनी निर्विरोध निर्वाचित हो चुके थे। इन पदों पर एनएसयूआई समर्थित प्रत्याशियों का निर्वाचन हुआ। मतदान से पहले नामांकन पत्रों की जांच के दौरान कुछ प्रत्याशियों के नामांकन निरस्त होने को लेकर छात्र संगठनों के बीच गतिरोध भी हुआ था। विरोध और बातचीत के बाद चुनाव प्रक्रिया आगे बढ़ी और निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मतदान कराया गया।

करिश्मा डुमोगा बनीं विश्वविद्यालय प्रतिनिधि

मतदान के दौरान कॉलेज परिसर में सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए। बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक रही और चुनाव समिति की निगरानी में मतदान कराया गया। चुनाव प्रक्रिया की निगरानी के लिए प्रसिद्ध लेखक और कॉलेज के पूर्व शिक्षक गणेश शैली को पर्यवेक्षक बनाया गया था। उन्होंने मतदान से लेकर मतगणना तक पूरी प्रक्रिया पर नजर रखी। उन्होंने कहा कि कॉलेज से उनका पुराना जुड़ाव है और पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी निभाना उनके लिए गर्व की बात है। परिणाम घोषित होने के बाद प्राचार्य डॉ. सुनील पवार और चुनाव अधिकारी डॉ. अमिताभ भट्ट ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने कॉलेज के प्रांतीयकरण, बेहतर शैक्षणिक सुविधाओं, रोजगारपरक विषयों को बढ़ावा देने और मूलभूत सुविधाओं में सुधार को प्राथमिकता देने की बात कही। इस दौरान पालिकाध्यक्ष मीरा सकलानी समेत कई जनप्रतिनिधियों, पूर्व पदाधिकारियों और समर्थकों ने विजयी प्रत्याशियों को शुभकामनाएं दीं।

सड़कों के सुधारीकरण को मिली तेज रफ्तार

लंबे इंतजार के बाद अल्मोड़ा की आंतरिक सड़कों का सुधारीकरण शुरू

भारतेन्दु संवाददाता, अल्मोड़ा। लंबे समय से खस्ताहाल आंतरिक सड़कों से परेशान नगरवासियों और राहगीरों के लिए राहत की खबर है। सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक नगरी अल्मोड़ा में नगर की आंतरिक सड़कों के सुधारीकरण और डामरीकरण का काम शुरू हो गया है। प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग की ओर से पहले चरण में नगर के प्रमुख आवागमन केंद्र करबला तिराहे से डामरीकरण कार्य की शुरुआत की गई। लंबे समय से सड़कों के सुधारीकरण की मांग कर रहे स्थानीय लोगों ने कार्य शुरू होने पर राहत जताई है। विभाग के अनुसार चरणबद्ध तरीके से नगर के अन्य प्रमुख आंतरिक मार्गों पर भी काम किया जाएगा।

शहर की कई आंतरिक सड़कें लंबे समय से बदहाल स्थिति में थीं। जगह-जगह गड्ढे और उखड़ी सड़क की वजह से वाहन चालकों और राहगीरों को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। बरसात के दौरान स्थिति और अधिक खराब हो जाती थी। सड़कों की खराब हालत का असर स्थानीय लोगों के साथ ही अल्मोड़ा पहुंचने वाले पर्यटकों पर भी पड़ रहा था। प्रमुख पर्यटन स्थल होने के कारण नगर में वर्षभर बड़ी संख्या में पर्यटकों और अन्य लोगों की आवाजाही रहती है। ऐसे में आंतरिक सड़कों के सुधारीकरण को यातायात व्यवस्था बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

लोक निर्माण विभाग के प्रांतीय खंड की तकनीकी टीम और अधिकारियों की निगरानी में डामरीकरण का काम शुरू किया गया है। विभाग की ओर से निर्माण कार्य में निर्धारित मानकों और गुणवत्ता का ध्यान रखने की बात कही गई है। सड़क निर्माण में उपयोग होने वाली सामग्री की गुणवत्ता पर विशेष निगरानी रखी जा रही है, ताकि डामरीकरण के बाद सड़कें लंबे समय तक टिकाऊ बनी रहें।



वाहन चालकों और राहगीरों को जल्द मिलेगी राहत।

करबला तिराहे से शुरू हुआ डामरीकरण

करबला तिराहे से शुरू हुआ डामरीकरण कार्य आगे नगर के अन्य आंतरिक मार्गों तक पहुंचाया जाएगा। सड़कों के सुधारीकरण से जहां वाहन चालकों को राहत मिलेगी, वहीं पैदल आवाजाही भी सुगम होने की उम्मीद है। स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों ने लंबे इंतजार के बाद कार्य शुरू होने पर लोक निर्माण विभाग का आभार जताया। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता के साथ समयबद्धता का भी ध्यान रखा जाना चाहिए, ताकि शहर की सभी प्रमुख आंतरिक सड़कों का जल्द कायाकल्प हो सके।

डीएवी पीजी कॉलेज में छात्रसंघ चुनाव के लिए मतदान जारी

डीएवी पीजी कॉलेज छात्रसंघ चुनाव में युवाओं का उत्साह चरम पर



भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून। शहर के प्रतिष्ठित डीएवी पीजी कॉलेज में मंगलवार को छात्रसंघ चुनाव के लिए मतदान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुरू हुआ। मतदान को लेकर कॉलेज परिसर में सुबह से ही छात्रों में खासा उत्साह देखने को मिला। मतदान केंद्रों के बाहर छात्र-छात्राओं की कतारें लगी रहीं। कॉलेज प्रशासन की ओर से मतदान प्रक्रिया को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गईं।

चुनाव मैदान में उतरे विभिन्न पैनलों के प्रत्याशी और उनके समर्थक मतदान शुरू होने से पहले तक छात्रों से संपर्क करते नजर आए। प्रत्याशियों ने अपने पक्ष में मतदान की अपील की।

फर्जी मतदान पर प्रशासन सतर्क

इस दौरान फर्जी मतदान को लेकर कुछ शिकायतें सामने आने की जानकारी मिली, जिस पर सुरक्षा कर्मियों ने सतर्कता बरती। संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए परिसर में निगरानी बढ़ाई गई। कॉलेज प्रशासन ने छात्रों से शांतिपूर्ण तरीके से मतदान करने और चुनाव संबंधी नियमों का पालन करने की अपील की। मतदान समाप्त होने के बाद मतगणना की प्रक्रिया के तहत छात्रसंघ के विभिन्न पदों के परिणाम घोषित किए जाएंगे।

उत्तरकाशी पॉलीटेक्निक में रक्तदान शिविर आयोजित



भारतेन्दु संवाददाता, उत्तरकाशी। उत्तरकाशी। स्वस्थ समाज के निर्माण और जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सोमवार को राजकीय पॉलीटेक्निक उत्तरकाशी में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 38 लोगों ने रक्तदान के लिए पंजीकरण कराया, जबकि 10 लोगों ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। रक्तदान के बाद जिला चिकित्सालय के प्रमुख अधीक्षक डॉ. बीएस रावत ने रक्तदाताओं को सम्मान-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान मानवता की सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने युवाओं और आमजन से नियमित रक्तदान करने तथा अन्य लोगों को भी रक्तदान के लिए प्रेरित करने की अपील की।

डीएम ने सड़क मरम्मत कार्यों में तेजी लाने के दिए निर्देश

भारतेन्दु संवाददाता, अल्मोड़ा। अंशुल सिंह ने जनपद की सड़कों को गड्ढामुक्त करने के कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को मरम्मत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट में हुई बैठक में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की 123, लोक निर्माण विभाग की 67 तथा राष्ट्रीय राजमार्ग की सड़कों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली गई।



123 पीएमजीएसवाई और 67 लोक निर्माण सड़कें होंगी दुरुस्त।

जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक सड़क के लिए अलग कार्ययोजना तैयार कर दिनवार लक्ष्य निर्धारित किए जाएं और उसी के अनुरूप काम पूरा कराया जाए। उन्होंने अधिकारियों को प्रतिदिन हुई प्रगति की जानकारी फोटो और वीडियो के साथ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, ताकि कार्यों की नियमित निगरानी की जा सके।

उन्होंने कहा कि केवल पैचवर्क तक सीमित न रहते हुए सील कोट का कार्य भी कराया जाए, जिससे मरम्मत अधिक टिकाऊ हो और सड़क की सतह बेहतर बनी रहे। जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए निर्धारित समयसीमा में सड़कों को गड्ढामुक्त करने के निर्देश दिए। बैठक में लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता सहित संबंधित विभागों के अधिशासी अभियंता मौजूद रहे।

बनाला में हीम ऊर्जा पावर प्रोजेक्ट का ओवरफ्लो, सड़क क्षतिग्रस्त

भारतेन्दु संवाददाता, चमोली। जनपद के कांडई पुल के पास बनाला क्षेत्र में हीम ऊर्जा पावर प्रोजेक्ट में ओवरफ्लो होने से कई टन पानी बाहर आने की घटना सामने आई है। पानी का बहाव तेज होने के कारण आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि पानी के तेज बहाव से आवाजाही के लिए इस्तेमाल होने वाली सड़क के कुछ हिस्सों को भारी नुकसान पहुंचा है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में चिंता बनी हुई है। ग्रामीणों ने पावर प्रोजेक्ट की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए मामले की जांच की मांग की है। स्थानीय लोगों के अनुसार, ओवरफ्लो की स्थिति पहले भी सामने आ चुकी है और इससे सड़क को नुकसान हुआ था। इसके बावजूद दोबारा ऐसी घटना होने से परियोजना की सुरक्षा व्यवस्था और जिम्मेदारी को लेकर सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग और प्रशासन से घटना की जांच कराने तथा सड़क को हुए नुकसान का आकलन करने की मांग की है। साथ ही पावर प्रोजेक्ट में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करने की अपील की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

ओएनजीसी ने गोपेश्वर नगर पालिका को दिए स्वच्छता उपकरण



भारतेन्दु संवाददाता, गोपेश्वर (चमोली)। सार्वजनिक क्षेत्र की अग्रणी ऊर्जा कंपनी ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन (ओएनजीसी) ने कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व के तहत गोपेश्वर नगर पालिका को स्वच्छता उपकरण प्रदान किए। शिवालिक एजुकेशनल सोशल वेलफेयर एंड ह्यूमन रिसोर्स सोसायटी के माध्यम से नगर पालिका को तीन हजार लीटर क्षमता वाले दो पानी के टैंक, पांच फॉगिंग मशीनें, कूड़ा उठाने के लिए 25 हाथ ठेलियां और सफाई उपकरण उपलब्ध कराए गए। नगर पालिका कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में सोसायटी के प्रतिनिधियों ने यह सामग्री नगर पालिका अध्यक्ष संदीप रावत को सौंपी। इस अवसर पर पूर्व ओएनजीसी अधिकारी एल. मोहन लखेड़ा ने कहा कि ओएनजीसी शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तीकरण और स्वच्छता जैसे सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में पर्वतीय क्षेत्रों को सहयोग दे रही है।

◆ सीएसआर के तहत ओएनजीसी ने गोपेश्वर पालिका को दी सामग्री

उन्होंने बताया कि विभिन्न प्रस्तावों के माध्यम से अब तक 2500 से अधिक सरकारी विद्यालयों को फर्नीचर, कंप्यूटर सहित अन्य सामग्री उपलब्ध कराई जा चुकी है। नगर पालिका अध्यक्ष संदीप रावत ने ओएनजीसी के सहयोग की सराहना करते हुए भविष्य में भी सहयोग जारी रहने की उम्मीद जताई। कार्यक्रम में ओएनजीसी के अधिकारी ऑनलाइन जुड़े। इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ताओं को भी सम्मानित किया गया।

खेलकूद हल्द्वानी में आयोजित राज्य स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया शानदार खेल

राज्य स्तरीय टेबल टेनिस में देहरादून का शानदार प्रदर्शन

भारतेन्दु संवाददाता, हल्द्वानी



नैनीताल डिस्ट्रिक्ट टेबल टेनिस एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित तृतीय राज्य स्तरीय टेबल टेनिस रैंकिंग प्रतियोगिता का सोमवार को समापन हुआ। हल्द्वानी मिनी स्टेडियम में आयोजित प्रतियोगिता के चौथे और अंतिम दिन विभिन्न आयु वर्गों के फाइनल मुकाबले खेले गए। फाइनल में पहुंचे खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए जीत के लिए पूरा दमखम लगाया। प्रतियोगिता में देहरादून के खिलाड़ियों का प्रदर्शन विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा और उन्होंने विभिन्न वर्गों में शीर्ष स्थान हासिल किए।

समापन दिवस पर मुख्य अतिथि सचिन तिवारी और जिला क्रीड़ा अधिकारी निर्मला पंत ने प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। विशिष्ट अतिथि दीपक अग्रवाल और आरसीएस राणा भी मौजूद रहे। नैनीताल टेबल टेनिस एसोसिएशन के सचिव समित टिक्कू ने बताया कि बालक और बालिका वर्ग के विभिन्न आयु वर्गों में रोमांचक मुकाबले हुए। अंडर-19 बालक वर्ग के फाइनल में देहरादून के आरव नेगी ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि देहरादून के स्वप्निल दूसरे स्थान पर रहे। नैनीताल के हिमांशु नायल और ऊधमसिंह नगर के नितेश के. शर्मा संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे।

कायरा और आकाश ने जीते खिताब

अंडर-19 बालिका वर्ग में देहरादून की कायरा भंडारी ने पहला स्थान प्राप्त किया। नैनीताल की दिव्या जोशी दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि चमोली की दिया सैनी और टिहरी की अनुष्का पटवाल ने संयुक्त रूप से तीसरा स्थान हासिल किया। ओपन पुरुष वर्ग में देहरादून के आकाश गुप्ता ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। देहरादून के आरव नेगी दूसरे स्थान पर रहे। नैनीताल के कल्पित चौसाली और देहरादून के स्वप्निल ध्यानी संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे।

बढ़ाया उत्साह

इस अवसर पर सचिन तिवारी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने के साथ ही स्वास्थ्य और फिटनेस को बढ़ावा देता है। कार्यक्रम में एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश गुप्ता, उपाध्यक्ष डीके कांडपाल, राजीव लोचन, योगेश पांडे, दिनेश चंद्र पांडे, दीपक पांडे, राजेंद्र बिष्ट, पीयूष कुमार, रजत अग्रवाल और संदीप गुप्ता सहित खेल पदाधिकारी, प्रशिक्षक, खिलाड़ी और खेलप्रेमी मौजूद रहे।

पोटाश खाद के दाम में हुई 800 रुपए प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी, किसान संगठनों ने जताई चिंता

भारतेन्दु संवाददाता, बठिंडा



खाद कंपनियों की ओर से किसानों को एक और आर्थिक झटका लगा है। पोटाश खाद की कीमत में 800 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है। इसके बाद 50 किलोग्राम पोटाश खाद के एक बैग की कीमत सितंबर 2025 में 1800 रुपये से बढ़कर अब 2200 रुपये हो गई है। इससे पहले करीब एक माह पूर्व एनपीके खाद के दाम में भी 1100 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई थी।

खाद की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी को लेकर किसान संगठनों ने चिंता जताई है। भारतीय किसान यूनियन लखोवाल टिकैत ने पोटाश के दाम में हुई वृद्धि की निंदा की है। यूनियन के प्रदेश महासचिव सरूप सिंह रामां ने कहा कि करीब एक माह पहले खाद कंपनियों ने एनपीके खाद के 12:32:16 ग्रेड की कीमत में 1100 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की थी। अब पोटाश खाद के दाम भी बढ़ा दिए गए हैं।

उन्होंने बताया कि सितंबर 2025 में पोटाश खाद का 50 किलोग्राम का बैग 1800 रुपये में उपलब्ध था, जबकि अब किसानों को इसके लिए 2200 रुपये चुकाने होंगे। यानी एक बैग पर 400 रुपये की अतिरिक्त लागत बढ़ गई है। किसान संगठनों के अनुसार, खाद की कीमतों में यह वृद्धि ऐसे समय हुई है, जब किसान पहले से ही बढ़ती कृषि लागत के कारण आर्थिक दबाव का सामना कर रहे हैं।

सरूप सिंह रामां ने कहा कि डीजल, कृषि मशीनरी, मजदूरी और अन्य कृषि सामग्री की कीमतों में लगातार वृद्धि से खेती की उत्पादन लागत पहले ही बढ़ चुकी है। ऐसे में खाद के दाम बढ़ने से किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। दूसरी ओर फसलों का उचित मूल्य हासिल करने में भी किसानों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि देश में किसान हर वर्ष करीब 40 लाख टन पोटाश खाद का इस्तेमाल करते हैं।

चन्नी ने एलपीयू विवाद में पुलिस कार्रवाई पर उठाए सवाल

पूर्व मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय घटनाक्रम को राजनीतिक साजिश बताते हुए जवाबदेही तय करने की मांग की

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता चरणजीत सिंह चन्नी ने लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) में हालिया विरोध-प्रदर्शन और हिंसा को लेकर पंजाब सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। चन्नी ने दावा किया कि विश्वविद्यालय के संस्थापक एवं राज्यसभा सदस्य अशोक मित्तल के भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के बाद एलपीयू को राजनीतिक रूप से निशाना बनाया गया। उनके इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

मीडियाकर्मियों से बातचीत में चन्नी ने विश्वविद्यालय परिसर में हुए घटनाक्रम और पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शन के दौरान बाहरी लोग परिसर में पहुंचे और स्थिति बिगड़ी। चन्नी ने पुलिस पर भी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा छात्रों के साथ कथित बल प्रयोग को लेकर सवाल खड़े किए।

चन्नी ने कहा कि विश्वविद्यालय में हुए घटनाक्रम से कथित तौर पर बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ है। उन्होंने मीडिया में सामने आए करीब 100 करोड़ रुपये के नुकसान के आंकड़े का उल्लेख करते हुए पूछा कि इसके लिए जिम्मेदारी किसकी तय होगी। हालांकि, इस नुकसान के आंकड़े की स्वतंत्र पुष्टि उपलब्ध रिपोर्टों में नहीं हुई है।

एलपीयू में विवाद की शुरुआत एक छात्रा के साथ कथित यौन उत्पीड़न की सोशल मीडिया पर फैली सूचना के बाद हुई थी। विरोध-प्रदर्शन के दौरान विश्वविद्यालय की संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया और जालंधर-फगवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी यातायात प्रभावित हुआ। बाद में छात्रों और पुलिस के बीच झड़प हुई। पुलिस ने मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल गठित किया है।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने कथित दुष्कर्म की घटना को निराधार बताया है। वहीं पुलिस की प्रारंभिक जांच में भी आरोप की पुष्टि नहीं हुई थी, हालांकि एक मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है और जांच जारी है।

बाहरी लोगों की मौजूदगी को लेकर भी अलग-अलग दावे सामने आए हैं। पंजाब पुलिस ने स्पष्ट किया कि परिसर में वॉकी-टॉकी के साथ देखे गए कुछ लोग भारतीय सेना के अधिकारी थे, जो एक सैन्य अधिकारी के बच्चे को लेने के लिए वहां पहुंचे थे। पुलिस ने यह भी बताया कि घटना की जांच के लिए विशेष जांच दल बनाया गया है।

चन्नी ने छात्रों पर कथित बल प्रयोग को लेकर संबंधित पुलिसकर्मियों की जवाबदेही तय करने की मांग की। उन्होंने सवाल उठाया कि स्थिति को पहले नियंत्रित क्यों नहीं किया गया और छात्रों के साथ कथित मारपीट के लिए जिम्मेदार लोगों पर क्या कार्रवाई की गई।

इस पूरे घटनाक्रम को लेकर पंजाब में राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप भी तेज हो गए हैं। अलग-अलग दलों के नेताओं ने पुलिस कार्रवाई, विश्वविद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था और प्रदर्शन के पीछे संभावित कारणों को लेकर अलग-अलग दावे किए हैं। पुलिस की जांच पूरी होने के बाद ही घटनाक्रम से जुड़े आरोपों और जिम्मेदारियों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। इस मामले में राजनीतिक आरोपों के साथ-साथ पुलिस जांच और विश्वविद्यालय प्रशासन के पक्ष को भी सामने रखा जा रहा है। चन्नी ने कहा कि पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, ताकि प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा, संपत्ति के नुकसान और छात्रों के साथ कथित दुर्व्यवहार की जिम्मेदारी तय की जा सके। उन्होंने सरकार से यह स्पष्ट करने की मांग की कि स्थिति बिगड़ने से पहले उसे नियंत्रित करने के लिए क्या कदम उठाए गए थे।

न्यूज ब्रीफ

नहर किनारे रोता मिला पांच वर्षीय बच्चा पुलिस ने मां से मिलाया

भारतेन्दु संवाददाता, बठिंडा। नहर में गिरे बच्चों की तलाश के दौरान सोमवार को पीसीआर ईको-7 टीम को नहर की पटरी के पास करीब पांच वर्षीय बच्चा रोता हुआ मिला। बच्चा अपना नाम गणेश बता रहा था, लेकिन सही पता नहीं बता पा रहा था। पुलिस टीम ने उसे अपने पास बैठाकर जानकारी जुटाई और परसराम नगर की वार्ड प्रधान किरण मिश्रा से संपर्क किया। इसके बाद बच्चे के घर का पता चला और उसे परसराम नगर की गली नंबर 35/3 में उसकी मां सुनीता रानी के सुपुर्द कर दिया गया। मां ने बताया कि गणेश सुबह से लापता था और परिवार उसकी तलाश कर रहा था। बच्चे के सुरक्षित मिलने पर उसने पुलिस टीम और एसएसपी बठिंडा का आभार जताया। बच्चे को मां तक पहुंचाने वाली टीम में एएसआई राजिंदर सिंह और सीनियर कांस्टेबल अमनदीप कौर शामिल रहे।

मिड-डे मील का फंड अटका, अध्यापकों ने दी भोजन बंद करने की चेतावनी

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना। पंजाब के सरकारी स्कूलों में पिछले तीन महीनों से मिड-डे मील का फंड जारी नहीं होने पर अध्यापकों में रोष है। ईटीटी अध्यापक यूनियन लुधियाना के जिला प्रधान परमजीत सिंह मान, महासचिव इंद्रजीत सिंह सिद्धू और प्रेस सचिव कुलजिंदर सिंह बद्दोवाल ने कहा कि स्कूल प्रमुख और अध्यापक अपनी जेब से खर्च कर विद्यार्थियों को भोजन उपलब्ध करा रहे हैं। अब दुकानदारों ने भी राशन उधार देना बंद कर दिया है। यूनियन नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि फंड तुरंत जारी नहीं किया गया तो एक अक्टूबर से स्कूलों में मिड-डे मील बंद करने के लिए अध्यापक मजबूर होंगे। उन्होंने कहा कि इसकी जिम्मेदारी शिक्षा विभाग और पंजाब सरकार की होगी। अध्यापकों ने मिड-डे मील, खेलों के फंड तथा रसोइयों और सफाई कर्मचारियों के तीन महीने से लंबित वेतन-भत्ते जारी करने की मांग की है। नेताओं के अनुसार, 15 दिन पहले जिला शिक्षा अधिकारी के माध्यम से शिक्षा विभाग और मुख्यमंत्री को मांगपत्र भेजा गया था, लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं हुआ है।

गोल्डी बराड़ एफबीआई की मोस्ट वांटेड सूची में शामिल

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ को अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई ने 28 सितंबर 2026 को अपनी दस मोस्ट वांटेड भगोड़ों की सूची में शामिल किया है। वह इस सूची में शामिल होने वाला 543वां भगोड़ा है। एफबीआई ने उसकी गिरफ्तारी में मदद करने वाली सूचना के लिए 10 लाख अमेरिकी डॉलर तक के इनाम की घोषणा की है। एफबीआई के अनुसार, बराड़ लॉरेंस बिश्नोई संगठित अपराध समूह से जुड़ा है और उत्तर अमेरिका में इस गिरोह का कथित नेता है। एजेंसी ने उस पर संगठित अपराध, हत्या की साजिश, जबरन वसूली तथा मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े आरोप लगाए हैं। एफबीआई ने उसे बेहद हिंसक, हथियारबंद और खतरनाक बताया है। जुलाई 2026 में अमेरिका ने 'ऑपरेशन हार्डबॉल' के तहत भारत से जुड़े तीन अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध समूहों के 37 आरोपितों के खिलाफ तीन अभियोग सार्वजनिक किए थे। इनमें बिश्नोई समूह से जुड़े मामले में बराड़ को संगठन का प्रमुख सदस्य बताया गया है।

अनुमति मिलने तक पटाखे न खरीदें व्यापारी व्यापार मंडल ने किया आगाह

भारतेन्दु संवाददाता, फिरोजपुर। त्योहारों के सीजन को देखते हुए छावनी व्यापार मंडल फिरोजपुर के अध्यक्ष धर्मवीर शर्मा उर्फ धर्मू ने शहर के व्यापारियों से पटाखों की खरीद-बिक्री को लेकर सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जब तक जिला मजिस्ट्रेट या उपायुक्त कार्यालय की ओर से पटाखे बेचने के लिए अधिकृत स्थान निर्धारित नहीं किया जाता और आवश्यक लाइसेंस व प्रशासनिक अनुमति जारी नहीं होती, तब तक व्यापारी पटाखों की खरीद में पैसा न लगाएं। धर्मवीर शर्मा ने कहा कि बिना लाइसेंस, अनुमति और निर्धारित स्थान के पटाखे बेचने वालों के खिलाफ पुलिस और जिला प्रशासन कानूनी कार्रवाई कर सकता है। इससे व्यापारियों को आर्थिक नुकसान के साथ परेशानी का सामना भी करना पड़ सकता है। उन्होंने व्यापारियों से प्रशासन की ओर से सभी आवश्यक मंजूरियां मिलने के बाद ही पटाखों की खरीद-बिक्री शुरू करने को कहा।

ई-स्टांप पर 319 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क वसूली को लेकर उठे कानूनी सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



चंडीगढ़ के संपर्क केंद्रों पर पांच रुपये के ई-स्टांप के लिए नागरिकों से 20.97 रुपये लिए जाने के मामले में एडवोकेट और यूटी प्रशासक की एडवाइजरी काउंसिल के सदस्य अजय जग्गा ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने यूटी प्रशासक गुलाब चंद कटारिया को पत्र भेजकर ई-स्टांप पर लिए जा रहे अतिरिक्त शुल्क की कानूनी वैधता की समीक्षा करने की मांग की है।

जग्गा के अनुसार, पांच रुपये के स्टांप मूल्य के अतिरिक्त 2.66 रुपये आवेदन फार्म शुल्क और 13.31 रुपये सुविधा शुल्क लिया जा रहा है। इस तरह नागरिक को कुल 20.97 रुपये का भुगतान करना पड़ता है। यानी पांच रुपये के मूल स्टांप मूल्य की तुलना में 15.97 रुपये अतिरिक्त वसूले जा रहे हैं, जो मूल कीमत का करीब 319.40 प्रतिशत है।

जग्गा ने सवाल उठाया है कि क्या किसी नागरिक से स्टांप के वास्तविक मूल्य से कई गुना अधिक राशि वसूलने की अनुमति कानून देता है। उन्होंने कहा कि मामला केवल छोटी राशि की अतिरिक्त वसूली तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे सार्वजनिक नीति, पारदर्शिता और वित्तीय जवाबदेही से जुड़े सवाल भी पैदा होते हैं।

प्रशासक को भेजे पत्र में जग्गा ने पंजाब स्टांप रूल्स, 1934 के नियम 28 का हवाला दिया है। उनका कहना है कि चंडीगढ़ में लागू इन नियमों के तहत लाइसेंस प्राप्त स्टांप विक्रेता स्टांप के निर्धारित मूल्य से अधिक राशि मांग या स्वीकार नहीं कर सकता। नियमों में सरकार की ओर से अधिकृत छूट के माध्यम से स्टांप विक्रेताओं को पारिश्रमिक देने का भी प्रावधान है।

उन्होंने नियम 28(7) और नियम 34(3) का उल्लेख करते हुए ई-स्टांप की बिक्री में अतिरिक्त राशि वसूले जाने की व्यवस्था की कानूनी स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। जग्गा ने कहा कि संपर्क केंद्रों का उद्देश्य नागरिकों को विभिन्न सरकारी सेवाएं सुविधाजनक तरीके से उपलब्ध कराना है। ऐसे में सेवा व्यवस्था का उद्देश्य प्रक्रिया और लेनदेन की लागत को कम करना होना चाहिए।

एलपीयू हंगामे को लेकर डीएसपी का फर्जी वीडियो वायरल, जांच में जुटी पुलिस

भारतेन्दु संवाददाता, जालंधर



लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) में हुए हंगामे के बाद इंटरनेट मीडिया पर फर्जी और भ्रामक वीडियो की बाढ़ सी आ गई है। अब पुलिस अधिकारी के नाम से एक और वीडियो वायरल हुआ है। इसमें नजर आ रहे व्यक्ति की पहचान डीएसपी मेजर सिंह के रूप में बताई जा रही है। वीडियो में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के भतीजे को एलपीयू में हुए हंगामे के लिए जिम्मेदार बताया जा रहा है। हालांकि, पुलिस के अनुसार यह वीडियो फर्जी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार किया गया बताया जा रहा है।

वायरल वीडियो सामने आने के बाद इंटरनेट मीडिया पर इसे लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। वीडियो में आवाज और चेहरे के साथ तकनीकी छेड़छाड़ किए जाने की आशंका जताई गई है। पुलिस की ओर से स्पष्ट किया गया है कि डीएसपी मेजर सिंह की ओर से ऐसा कोई वीडियो जारी नहीं किया गया है। एलपीयू मामले की जांच के लिए पहले ही विशेष जांच दल गठित किया जा चुका है।

सोशल मीडिया पर फैल रही भ्रामक सूचनाएं : एलपीयू में हुए हंगामे के बाद सोशल मीडिया पर कई तरह के दावे और वीडियो प्रसारित हुए हैं। पुलिस इनकी सत्यता की जांच कर रही है। हालिया जांच में भी पुलिस ने सोशल मीडिया पर प्रसारित अपुष्ट दावों और अफवाहों को घटना के फैलने से जोड़कर देखा है।

पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि वायरल वीडियो किसने तैयार किया और इसे सबसे पहले किस सोशल मीडिया खाते से प्रसारित किया गया। साथ ही वीडियो को वायरल करने के पीछे की मंशा की भी जांच की जा रही है।

एलपीयू मामले में एसआइटी कर रही जांच: एलपीयू में हुए हंगामे के मामले की जांच के लिए पुलिस ने विशेष जांच दल बनाया है। इसमें वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ महिला पुलिस अधिकारी और छात्र प्रतिनिधियों को भी शामिल किया गया है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सोशल मीडिया पर प्रसारित दावों की भी पड़ताल की जा रही है।

'युद्ध नशेआं विरुद्ध' अभियान में समुदाय की भागीदारी बढ़ाने पर सरकार का जोर

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बनीं नशा मुक्ति मित्र, गांव गांव पहुंचा रहीं जागरूकता और सहयोग का संदेश

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



पंजाब भर में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अब 'नशा मुक्ति मित्र' के रूप में 'युद्ध नशेआं विरुद्ध' अभियान से जुड़कर नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। परिवारों और बच्चों के साथ नियमित संपर्क में रहने वाली आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से सरकार समुदाय स्तर पर नशे की रोकथाम के लिए स्थानीय नेटवर्क तैयार कर रही है। इस अभियान में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करने के साथ युवाओं को खेल और स्वस्थ गतिविधियों से जोड़ने पर भी जोर दिया जा रहा है।

श्री मुक्तसर साहिब के मलोट में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में अभियान के सामुदायिक पहलू को सामने रखा गया। कार्यक्रम के दौरान 'नशा मुक्ति मित्र' के रूप में सेवाएं दे रहीं 20 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने में उनके योगदान के लिए सामाजिक सुरक्षा एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने सम्मानित किया।

परिवारों और बच्चों से संपर्क का मिलेगा लाभ : आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को समुदाय स्तर पर जागरूकता दूत के रूप में जिम्मेदारी दी जा रही है। वे परिवारों को नशे के खतरों के बारे में जानकारी देने के साथ समय रहते हस्तक्षेप के लिए प्रेरित करेंगी। इसके अलावा नशे की समस्या से जूझ रहे लोगों को सरकार की नशा मुक्ति और पुनर्वास सेवाओं से जोड़ने में भी मदद करेंगी। नियमित संपर्क के कारण कार्यकर्ताओं के पास परिवारों और बच्चों तक सीधे पहुंचने का अवसर रहता है।

खेलों के माध्यम से युवाओं को स्वस्थ विकल्प : मलोट में आयोजित कार्यक्रम में नशे की रोकथाम के साधन के रूप में खेलों की भूमिका को भी रेखांकित किया गया। जिले के युवाओं को हॉकी, फुटबाल, वालीबाल और क्रिकेट के उपकरणों से युक्त 100 से अधिक खेल किट वितरित किए गए। डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि सरकार खेल ढांचे का विस्तार कर रही है, ताकि युवाओं को स्वस्थ विकल्प उपलब्ध कराए जा सकें और उन्हें नशे से दूर रखने के लिए सकारात्मक माहौल तैयार किया जा सके।

उन्होंने बताया कि पंजाब में करीब तीन हजार खेल मैदान विकसित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इस वर्ष जनवरी में 500 पिंड जिम का उद्घाटन किया था। इसके अलावा 'खेड़ां वतन पंजाब दियां' के चौथे सत्र के माध्यम से भी युवाओं को खेल गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

मंत्री ने कहा कि नशे के खिलाफ अभियान में आपूर्ति रोकने के लिए प्रवर्तन कार्रवाई के साथ नशा मुक्ति और पुनर्वास सेवाओं पर भी ध्यान दिया जा रहा है। अब रोकथाम को भी अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया है।

आइएसआइ हैंडलर ने रंजन को अमेरिका बसाने का झांसा देकर कराई तस्करी



पुलिस रिमांड में पूछताछ के दौरान हथियार और नशा तस्करी के नेटवर्क से जुड़े कई राज खुले

भारतेन्दु संवाददाता, अमृतसर। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आइएसआइ के इशारे पर हथियार और नशे की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार रंजन चौहान को उसके विदेशी हैंडलर ने अमेरिका में बसाने का प्रलोभन दिया था। पुलिस के अनुसार, रंजन हथियार और हेरोइन की खेप ठिकाने लगाने में गिरोह के अन्य सदस्यों की तुलना में तेजी से काम करता था। अदालत ने आरोपित को दो दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है।

पुलिस पूछताछ में रंजन ने गिरोह से जुड़े कई महत्वपूर्ण राज बताए हैं। सोमवार को भी उससे संयुक्त पूछताछ केंद्र में पूछताछ की गई। उसके कब्जे से बरामद मोबाइल फोन की फोरेंसिक जांच कराई जा रही है, जिससे विदेशी संपर्कों और गिरोह की गतिविधियों से जुड़ी जानकारी जुटाने का प्रयास किया जा रहा है।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, रंजन के गिरोह में 20 से अधिक सदस्य सक्रिय थे। गिरफ्तारी का मामला सामने आने के बाद इनमें से कई सदस्य भूमिगत हो गए हैं। जांच में सामने आया है कि विदेशी हैंडलर ने रंजन को भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एक बड़ा दल सक्रिय करने का लक्ष्य दिया था। इस दल का काम सीमा पार से आने वाली हथियार और हेरोइन की खेप को उठाकर सुरक्षित स्थान तक पहुंचाना था। जांच में यह भी सामने आया है कि गिरोह में नाबालिगों को शामिल करने की योजना बनाई जा रही थी। उन्हें सीमा क्षेत्र में खेप उठाने के काम में लगाने के बदले मोटी रकम देने की बात सामने आई है। पुलिस के अनुसार, सात सितंबर को गिरफ्तार किए गए दीपक सिंह और शुभम सिंह रंजन के गिरोह के सक्रिय सदस्य थे। पूछताछ में दीपक ने बताया कि वह सप्ताह में दो से तीन बार सीमा क्षेत्र में जाकर हथियार और हेरोइन की खेप उठाता था।

पंजाब को 20 हजार करोड़ के एआई फंड में हिस्सेदारी की उठी मांग

कृषि, जल प्रबंधन और पंजाबी भाषा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस्तेमाल पर दिया जोर

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



पंजाब को केंद्र सरकार के प्रस्तावित 20 हजार करोड़ रुपये के नेशनल फ्रंटियर एआई एंड कंप्यूट फंड में अभी से अपनी दावेदारी पेश करनी चाहिए। राज्य में कृषि, जल प्रबंधन, फसल सलाह और पंजाबी भाषा के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित मॉडल विकसित करने की पर्याप्त संभावनाएं हैं। पूर्व विशेष मुख्य सचिव केबीएस सिद्धू ने सोमवार को केंद्रीय इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र भेजकर फंड के उपयोग को लेकर छह जवाबदेही मानक तय करने की मांग की है।

सिद्धू ने कहा कि पंजाब के पास कृषि और उससे जुड़े आंकड़ों का बड़ा आधार मौजूद है। राज्य के भूमि रिकार्ड, फसल उत्पादन, सिंचाई और जल संसाधनों से संबंधित आंकड़ों के साथ यहां के इंजीनियरिंग एवं तकनीकी संस्थान कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में काम करने के लिए मजबूत आधार उपलब्ध कराते हैं। ऐसे में राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तावित फंड से पंजाब को कृषि और जल प्रबंधन से जुड़ी परियोजनाओं के लिए संसाधन मिल सकते हैं।

उन्होंने कहा कि रोपड़ स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में कृषि के लिए राष्ट्रीय कृत्रिम बुद्धिमत्ता उत्कृष्टता केंद्र भी पंजाब की दावेदारी को मजबूत करता है। इस आधार का उपयोग किसानों के लिए मौसम, मिट्टी, फसल और सिंचाई संबंधी सलाह देने वाले एआई मॉडल तैयार करने में किया जा सकता है। इससे कृषि क्षेत्र में उपलब्ध आंकड़ों का बेहतर इस्तेमाल करने और किसानों तक समय पर उपयोगी जानकारी पहुंचाने की संभावनाएं बढ़ेंगी।

पंजाबी भाषा के लिए विकसित हों एआई मॉडल : सिद्धू ने पंजाबी भाषा के लिए विशेष कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल विकसित करने पर भी जोर दिया। उनका कहना है कि देश में एआई तकनीक के विस्तार के साथ भारतीय भाषाओं में इसकी उपलब्धता सुनिश्चित करना भी जरूरी है। पंजाबी के लिए विकसित मॉडल का इस्तेमाल सरकारी सेवाओं, शिक्षा, प्रशासन और नागरिक सुविधाओं से जुड़े क्षेत्रों में किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि स्थानीय भाषा में एआई आधारित सेवाएं उपलब्ध होने से अधिक लोगों तक नई तकनीक की पहुंच बनाई जा सकती है। इसके लिए पंजाब को केंद्र के समक्ष अपनी भाषा और स्थानीय जरूरतों से जुड़ी परियोजनाओं का प्रस्ताव पहले से रखना चाहिए।

मोहाली में विकसित हो सकती है एआई क्षमता : सिद्धू के अनुसार मोहाली का सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र एआई और आंकड़ा केंद्रों से जुड़ी क्षमता विकसित करने के लिए उपयोगी आधार बन सकता है। इसके लिए राज्य सरकार को बिजली, जमीन, तकनीकी मानव संसाधन और अन्य आवश्यक बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए पहले से योजना तैयार करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार को केंद्र की ओर से फंड के विस्तृत नियम तय होने का इंतजार नहीं करना चाहिए। राज्य को तत्काल अपना एआई मिशन प्रकोष्ठ स्थापित कर पंजाब से जुड़ी परियोजनाओं की प्राथमिकता सूची तैयार करनी चाहिए और उन्हें इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के समक्ष रखना चाहिए। इससे फंड की रूपरेखा तैयार होने के दौरान ही पंजाब की जरूरतों और संभावित परियोजनाओं को सामने रखा जा सकेगा।

हर वर्ष संसद में पेश हो रिपोर्ट : केंद्रीय मंत्री को भेजे पत्र में सिद्धू ने देश में उपलब्ध मौजूदा एआई कंप्यूट क्षमता के इस्तेमाल की जानकारी हर तिमाही सार्वजनिक करने का सुझाव दिया है। उन्होंने फंड से जुड़ी परियोजनाओं के उत्पादन, परिणाम और प्रभाव की रिपोर्ट हर वर्ष संसद के समक्ष रखने की मांग की है। इसके अलावा उन्होंने फंड से तैयार किए जाने वाले एआई मॉडल का स्वतंत्र मूल्यांकन कराने का सुझाव दिया।

राजोआणा से मिले जत्थेदार, दया की भीख न मांगने के संकल्प पर रहे कायम

भारतेन्दु संवाददाता, अमृतसर



श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज्ज, तख्त श्री दमदमा साहिब के जत्थेदार ज्ञानी टेक सिंह और शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने केंद्रीय जेल पटियाला पहुंचकर सजा-ए-मौत का सामना कर रहे भाई बलवंत सिंह राजोआणा से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने राजोआणा के स्वास्थ्य और जेल में उनकी मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी ली।

मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत में जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज्ज ने कहा कि सिख इतिहास में सिखों ने कभी शासकों के सामने जीवनदान के लिए घुटने नहीं टेके, बल्कि शहादत के मार्ग को चुना है। उन्होंने कहा कि भाई बलवंत सिंह राजोआणा भी इसी परंपरा पर कायम हैं और उन्होंने स्पष्ट किया है कि वह किसी से दया की भीख नहीं मांगेंगे।

32 वर्षों से जेल में हैं राजोआणा : जत्थेदार ने केंद्र सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि श्री गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाश गुरुपर्व के अवसर पर वर्ष 2019 में केंद्र सरकार की ओर से राजोआणा की सजा के संबंध में निर्णय लिया गया था, लेकिन अब तक उसे लागू नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि छह वर्ष बीत चुके हैं और सर्वोच्च न्यायालय में मामले की 41 तारीखें पड़ चुकी हैं, इसके बावजूद अंतिम निर्णय नहीं हो सका है।

उन्होंने कहा कि भाई राजोआणा करीब 32 वर्षों से जेल में हैं। ऐसे में उनके मामले में बिना और देरी किए न्यायसंगत निर्णय लिया जाना चाहिए। उन्होंने संबंधित पक्षों से मामले को गंभीरता से लेने की अपील की।

चेतना मार्च को समर्थन : एसजीपीसी अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने कहा कि भाई राजोआणा 32 वर्षों से जेल में बंद हैं और पिछले 19 वर्षों से फांसी की चक्की में सजा काट रहे हैं। उन्होंने बताया कि राजोआणा ने अपनी कौमी सेवा के लिए माफी न मांगने का संकल्प दोहराया है।

धामी ने कहा कि यदि सरकार की ओर से समय रहते उचित कदम नहीं उठाया गया तो पांच सिंह साहिबान की बैठक बुलाकर आगे की रणनीति तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि शिरोमणि कमेटी और श्री अकाल तख्त साहिब की ओर से दो अक्टूबर को बंदी सिखों की रिहाई की मांग को लेकर निकाले जाने वाले चेतना मार्च को पूर्ण समर्थन दिया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर की 68 ग्लेशियल झीलों पर मंडरा रहा जीएलओएफ का गंभीर खतरा

तापमान बढ़ने से ग्लेशियरों के पिघलाव के बीच सरकार ने निगरानी और पूर्व चेतावनी तंत्र मजबूत करने की तैयारी शुरू की



भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले पहाड़ी और बर्फीले क्षेत्रों में मौजूद ग्लेशियल झीलों से हिमनद झील फटने से आने वाली बाढ़ (जीएलओएफ) का खतरा बढ़ रहा है। तापमान में वृद्धि, ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने और झीलों के विस्तार को देखते हुए सरकार ने कई क्षेत्रों को संभावित जोखिम वाले इलाकों के रूप में चिन्हित किया है। इनमें किश्तवाड़, गांदरबल, कुलगाम और अनंतनाग समेत कई जिले शामिल हैं।

जादिबल के विधायक तनवीर सादिक के विधानसभा में पूछे गए सवाल के जवाब में सरकार ने बताया कि कश्मीर विश्वविद्यालय ने जम्मू-कश्मीर के 12 जिलों में कुल 616 ग्लेशियल झीलों की पहचान की है। इनका कुल क्षेत्रफल 28.62 वर्ग किलोमीटर है। इनमें से 68 झीलों को संभावित रूप से खतरनाक हिमनद झीलों के रूप में चिन्हित किया गया है। इनकी पहचान राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के निर्धारित मानकों के आधार पर की गई है।

24 झीलें उच्च प्राथमिकता में : सरकार के अनुसार 17 अलग-अलग जोखिम मानकों के आधार पर उच्च जोखिम वाली ग्लेशियल झीलों का अध्ययन किया गया है। इसके लिए सितंबर 2024 में विशेष कोर कमेटी गठित की गई थी। कमेटी ने 24 झीलों को उच्च प्राथमिकता वाली श्रेणी में रखा है। इनमें गंगाबल, कोसरनाग, हरनाग, मुंडिकसर, हंगू झील, बाउंड सर और शेषनाग जैसी झीलें शामिल हैं। इन क्षेत्रों में संभावित खतरे को देखते हुए लगातार निगरानी की आवश्यकता बताई गई है।

इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र ने भी जम्मू-कश्मीर में 546 ग्लेशियल झीलों की मैपिंग की है। विभिन्न संस्थाओं की ओर से की जा रही मैपिंग और अध्ययन का उद्देश्य संवेदनशील झीलों तथा उनसे प्रभावित हो सकने वाले क्षेत्रों की पहचान करना है।

विकसित होगी पूर्व चेतावनी प्रणाली : सरकार ने संभावित जीएलओएफ की स्थिति में समय रहते लोगों को सचेत करने के लिए पूर्व चेतावनी प्रणाली विकसित करने की प्रक्रिया शुरू की है। सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक) को जीआइएस आधारित स्वदेशी जीएलओएफ पूर्व चेतावनी प्रणाली तैयार करने की जिम्मेदारी देने की प्रक्रिया चल रही है।

प्रस्तावित व्यवस्था में झीलों के जलस्तर की निगरानी करने वाले सेंसर, उपग्रह संचार, स्वचालित मौसम केंद्र, कैमरा आधारित निगरानी इकाइयां और वास्तविक समय में चेतावनी जारी करने वाला वेब पोर्टल शामिल होगा। इससे झीलों में होने वाले बदलावों की निगरानी कर संभावित खतरे की स्थिति में समय रहते संबंधित विभागों और लोगों तक सूचना पहुंचाने में मदद मिलेगी।

गांवों और संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष ध्यान : सरकार ने जिला स्तर पर खतरे, संवेदनशीलता और जोखिम का आकलन कराने के निर्देश भी दिए हैं। जीएलओएफ का खतरा कम करने के लिए कार्ययोजना तैयार करने, संवेदनशील गांवों और बस्तियों की पहचान करने तथा सुरक्षित निकासी स्थलों की मैपिंग का काम किया जा रहा है।

हाई रिस्क वाली झीलों के आसपास तैनात आइटीबीपी और सशस्त्र बलों की चौकियों के साथ भी समन्वय किया जा रहा है। आपात स्थिति में मैनुअल पूर्व चेतावनी तंत्र के माध्यम से नीचे बसे क्षेत्रों तक सूचना पहुंचाने की व्यवस्था की जा रही है। इसके अलावा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ को नियमित मॉक ड्रिल कराने के निर्देश दिए गए हैं। आपदा मित्र स्वयंसेवकों और स्थानीय समुदायों को भी तैयारियों में शामिल किया जा रहा है। लोगों को सुरक्षित निकासी और आपदा के दौरान अपनाए जाने वाले उपायों की जानकारी देने पर जोर दिया जा रहा है।

विधानसभा की कार्यवाही देखने स्पीकर गैलरी पहुंचे फारूक अब्दुल्ला



भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. फारूक अब्दुल्ला मंगलवार को जम्मू-कश्मीर विधानसभा की स्पीकर गैलरी में नजर आए। विधानसभा के मौजूदा सत्र के छठे दिन उन्होंने सदन की कार्यवाही देखी। इस दौरान विधायक विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कर रहे थे।

डॉ. फारूक अब्दुल्ला को स्पीकर गैलरी में बैठकर सदन की कार्यवाही पर नजर रखते हुए देखा गया। मंगलवार को विधानसभा में जनहित, प्रशासन और विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर सदस्यों ने अपनी बात रखी। विधानसभा का मौजूदा सत्र 21 सितंबर से 30 सितंबर तक निर्धारित है और यह जम्मू-कश्मीर विधानसभा का छठा सत्र है।

फारूक अब्दुल्ला की विधानसभा में मौजूदगी ऐसे समय हुई है जब सदन में राज्य का दर्जा बहाल करने का मुद्दा प्रमुखता से चर्चा में है। सोमवार को विधानसभा ने जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा तत्काल बहाल करने की मांग वाला प्रस्ताव पारित किया था। प्रस्ताव मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पेश किया था। इस पर भारतीय जनता पार्टी के विधायकों ने विरोध जताते हुए सदन से बहिर्गमन किया था।

मंगलवार को भी विधानसभा की कार्यवाही के दौरान विभिन्न मुद्दों पर सदस्यों के बीच चर्चा जारी रही। डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने गैलरी से सदन की गतिविधियों को देखा। मौजूदा सत्र में राज्य के दर्जे के अलावा प्रशासन, विकास और जनहित से जुड़े विषयों पर भी चर्चा हो रही है।

विधानसभा के आधिकारिक अभिलेख के अनुसार सत्र में बड़ी संख्या में सवाल सूचीबद्ध किए गए हैं और विभिन्न सरकारी दस्तावेज सदन के पटल पर रखे जा रहे हैं। सत्र की निर्धारित अवधि 30 सितंबर तक है।

इस बीच विधानसभा की कार्यवाही आने वाले दिनों में भी विभिन्न विधायी और जनहित के मुद्दों पर जारी रहने वाली है। डॉ. फारूक अब्दुल्ला की स्पीकर गैलरी में मौजूदगी ने मंगलवार की कार्यवाही के दौरान सदन में उनकी उपस्थिति को भी चर्चा का विषय बनाया। विधानसभा में मंगलवार को प्रश्नकाल के दौरान सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्रों से जुड़े मुद्दे उठाए और सरकार से संबंधित विभागों के माध्यम से जवाब मांगे। सदन की कार्यवाही के दौरान विभिन्न विषयों पर चर्चा के साथ विधायी प्रक्रिया भी आगे बढ़ी। स्पीकर गैलरी में बैठे डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने कार्यवाही के दौरान सदस्यों की ओर से उठाए जा रहे मुद्दों को देखा। सत्र के शेष समय में भी कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा प्रस्तावित है।

ट्रैक्टर से गिरकर बीएसएफ सब इंस्पेक्टर की मौत

भारतेंदु संवाददाता, सांबा। सांबा जिले के बारी ब्राह्मणा इलाके में ट्रैक्टर से गिरने के बाद सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक सब-इंस्पेक्टर की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ, जब वह छुट्टी पर थे और बारी ब्राह्मणा के पास ट्रैक्टर से गिर गए। हादसे में उन्हें गंभीर चोटें आईं। बाद में उनकी मौत हो गई। अधिकारी के अनुसार, मृतक की पहचान जम्मू जिले के रत्नल खेड़ी, बिश्नाह क्षेत्र निवासी वेद पाल सिंह के रूप में हुई है। वह बीएसएफ में सब-इंस्पेक्टर के पद पर तैनात थे। छुट्टी के दौरान वह अपने निजी कार्य से क्षेत्र में गए थे। इसी दौरान ट्रैक्टर से गिरने के कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलने के बाद स्थानीय लोगों और संबंधित अधिकारियों ने आवश्यक कार्रवाई शुरू की। घायल बीएसएफ अधिकारी को उपचार के लिए ले जाया गया, लेकिन उनकी हालत गंभीर होने के कारण उन्हें बचाया नहीं जा सका। पुलिस ने घटना का संज्ञान लेते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। हादसा किन परिस्थितियों में हुआ और ट्रैक्टर से गिरने के पीछे क्या कारण रहा, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है।

गुलमर्ग क्लब हाउस में सदी पुराना पियानो, कबायली हमले और आग से बचा, विरासत संरक्षित करने की मांग

ब्रिटिश दौर की यादें समेटे यह दुर्लभ वाद्ययंत्र आज भी बढ़ा रहा है क्लब की शोभा



भारतेंदु संवाददाता, गुलमर्ग। कश्मीर की खूबसूरत वादियों में बसे गुलमर्ग की पहचान केवल बर्फ और गोल्फ तक सीमित नहीं है। यहां के गोल्फ क्लब हाउस में एक सदी से अधिक पुराना स्टेनवे एंड सन्स का पियानो आज भी मौजूद है। यह पियानो गुलमर्ग के इतिहास और संगीत विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है।

जानकारों के अनुसार यह पियानो वर्ष 1910 से 1920 के बीच इंग्लैंड से गुलमर्ग लाया गया था। उस दौर में अंग्रेज अधिकारी गर्मियों के दौरान गुलमर्ग में समय बिताते थे। क्लब हाउस और होटलों में संगीत, मनोरंजन तथा सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन आम बात थी। स्टेनवे एंड सन्स दुनिया की प्रसिद्ध पियानो निर्माता कंपनियों में शामिल है। कंपनी की स्थापना 1853 में न्यूयॉर्क में हुई थी।

1902 से 1947 के बीच गुलमर्ग गोल्फ क्लब ब्रिटिश अधिकारियों के प्रमुख मनोरंजन स्थलों में शामिल था। क्लब हाउस में गोल्फ प्रतियोगिताओं के अलावा संगीत और अन्य कार्यक्रम भी आयोजित होते थे। वर्ष 1947 में कबायली हमले के दौरान गुलमर्ग में व्यापक लूटपाट और नुकसान हुआ। इस दौरान क्लब की कई वस्तुएं भी नष्ट हो गईं, लेकिन भारी वजन के कारण यह पियानो वहीं रह गया।

इसके बाद वर्ष 1948 में क्लब हाउस में आग लग गई और इमारत का बड़ा हिस्सा जल गया। इसके बावजूद पियानो सुरक्षित बच गया। बाद में जम्मू-कश्मीर सरकार ने क्लब और क्लब हाउस का पुनर्निर्माण कराया। वर्ष 1953 में क्लब के दोबारा शुरू होने के साथ इस ऐतिहासिक पियानो को भी वहीं रखा गया।

1950 और 1960 के दशक में गुलमर्ग गोल्फ क्लब फिर से गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बन गया। क्लब में प्रतियोगिताओं के साथ रात्रिभोज, नृत्य और संगीत कार्यक्रम भी आयोजित होते थे। वर्ष 1976 में गुलमर्ग में पहली नॉर्दर्न इंडिया ओपन चैंपियनशिप आयोजित हुई। इसके बाद गोल्फ कोर्स को अंतरराष्ट्रीय स्तर की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित किया गया।

युवाओं को हनीट्रैप में फंसाने का नया नेटवर्क सक्रिय

सीमा क्षेत्रों में संदिग्ध गतिविधियों पर सुरक्षा एजेंसियों की पैनी नजर



भारतेंदु संवाददाता, कठुआ। जम्मू-कश्मीर के सीमांत क्षेत्रों में युवाओं को इंटरनेट मीडिया के जरिए हनीट्रैप में फंसाकर संवेदनशील जानकारी हासिल करने की कोशिश का मामला सामने आया है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, पाकिस्तान से जुड़े संदिग्ध एजेंट महिलाओं की पहचान का इस्तेमाल कर युवाओं से संपर्क साध रहे हैं। कठुआ में हाल में सामने आए एक मामले के बाद सुरक्षा और खुफिया एजेंसियां इस तरह की गतिविधियों पर नजर रख रही हैं।

जानकारी के अनुसार, कठुआ, सांबा, राजौरी और पुंछ जैसे सीमांत जिलों के युवाओं को इंटरनेट मीडिया के विभिन्न मंचों के माध्यम से निशाना बनाया जा रहा है। संदिग्ध महिला प्रोफाइल से पहले दोस्ती और सामान्य बातचीत शुरू की जाती है। इसके बाद बातचीत बढ़ने पर युवाओं से सेना, सुरक्षा बलों की आवाजाही, स्थानीय ठिकानों और अन्य संवेदनशील गतिविधियों से जुड़ी जानकारी हासिल करने का प्रयास किया जाता है।

सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, संदिग्ध नेटवर्क से जुड़ी महिलाएं दुबई और मलेशिया जैसे देशों से गतिविधियां संचालित कर रही हैं। उन्हें सीमांत क्षेत्रों की स्थानीय भाषा और भौगोलिक जानकारी की जानकारी होने का दावा भी किया गया है। जांच एजेंसियां इन दावों की पड़ताल कर रही हैं।

सोशल मीडिया से बनाया जाता है संपर्क : जांच में सामने आया है कि संदिग्ध प्रोफाइल वाट्सएप, इंस्टाग्राम, फेसबुक और एक्स जैसे मंचों पर सक्रिय युवाओं को निशाना बनाते हैं। शुरुआत में दोस्ताना बातचीत और व्यक्तिगत रुचियों के बारे में जानकारी हासिल की जाती है। विश्वास बढ़ने के बाद सुरक्षा प्रतिष्ठानों, सैन्य गतिविधियों और स्थानीय परिस्थितियों से जुड़े सवाल पूछे जाने की आशंका जताई गई है।

कुछ मामलों में वीडियो काल के जरिए आपत्तिजनक सामग्री रिकॉर्ड कर बाद में उसके आधार पर दबाव बनाने और धन की मांग करने की कोशिश भी की जाती है। एजेंसियां ऐसे मामलों में डिजिटल साक्ष्यों की जांच कर रही हैं।

कठुआ मामले के बाद जांच तेज: पुलिस ने हाल में कठुआ जिले में 24 वर्षीय ट्रक चालक अमन को पाकिस्तान के लिए कथित जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया था। जांच के दौरान इंटरनेट मीडिया के जरिए संपर्क और संवेदनशील जानकारी साझा किए जाने से जुड़े पहलुओं की भी पड़ताल की गई। मामले में अन्य लोगों की संभावित भूमिका की जांच जारी है।

साइबर अपराध से जुड़े अधिकारियों ने युवाओं से अनजान इंटरनेट मीडिया प्रोफाइल से सावधान रहने की अपील की है। सुरक्षा एजेंसियों ने कहा है कि किसी अनजान व्यक्ति के साथ व्यक्तिगत जानकारी, स्थान, कामकाज या सुरक्षा प्रतिष्ठानों से संबंधित फोटो और विवरण साझा नहीं करना चाहिए।

मौसम साफ होने से सुचारु हुई वैष्णो देवी यात्रा , नवरात्र में बढ़ेंगे श्रद्धालु



भारतेंदु संवाददाता, कटड़ा। बरसात का मौसम समाप्त होने के बाद मौसम में लगातार सुधार होने से श्री माता वैष्णो देवी की यात्रा सुचारु रूप से जारी है। मंगलवार को दिनभर मौसम साफ रहा और अच्छी धूप खिली। हालांकि दिन के समय भवन की ओर जाने वाले श्रद्धालुओं को धूप और उमस का सामना करना पड़ा, जबकि सुबह और शाम हल्की ठंडक महसूस की गई। मौसम में बदलाव को देखते हुए कई श्रद्धालु गर्म कपड़े भी साथ लेकर यात्रा कर रहे हैं।

देश के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालुओं के कटड़ा पहुंचने का सिलसिला जारी है। आधार शिविर में पंजीकरण करवाने के बाद श्रद्धालु परिवार और मित्रों के साथ भवन की ओर रवाना हो रहे हैं। श्राइन बोर्ड प्रशासन की ओर से यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं।

यात्रा मार्ग पर हेलीकॉप्टर सेवा के साथ बैटरी कार, घोड़ा-पिट्ठू और पालकी सेवाएं भी सामान्य रूप से उपलब्ध हैं। भवन पहुंचने के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालु रोपवे से भैरव घाटी जाकर बाबा भैरवनाथ के दर्शन कर रहे हैं।

आगामी शारदीय नवरात्र को देखते हुए यात्रा में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने की संभावना है। पुलिस, सीआरपीएफ, आपदा प्रबंधन दल और श्राइन बोर्ड के अधिकारी यात्रा मार्ग की लगातार निगरानी कर रहे हैं। श्रद्धालुओं को आरएफआईडी यात्रा कार्ड भी उपलब्ध करवाए जा रहे हैं।

श्रीनगर राष्ट्रीय गतका चैंपियनशिप में हिमाचल के आठ खिलाड़ी दिखाएंगे दमखम



भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। गतका फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से आयोजित 10वीं राष्ट्रीय गतका चैंपियनशिप में हिमाचल प्रदेश के आठ खिलाड़ी प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। गतका एसोसिएशन ऑफ हिमाचल प्रदेश की ओर से चयनित खिलाड़ियों का दल प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए श्रीनगर रवाना हुआ। राष्ट्रीय स्तर की यह प्रतियोगिता 29 सितंबर से एक अक्टूबर तक श्रीनगर के शेरे-कश्मीर इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित की जा रही है।

हिमाचल के खिलाड़ी प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन कर प्रदेश के लिए पदक जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेंगे। प्रतियोगिता में देशभर से आए प्रतिभावान खिलाड़ी गतका की पारंपरिक युद्धकला का प्रदर्शन करेंगे। तीन दिवसीय इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के बीच विभिन्न स्पर्धाओं में मुकाबले होंगे।

हिमाचल प्रदेश की टीम में गुरप्रीत सिंह, अगमजीत सिंह, अजयवीर सिंह, हरेंद्र सिंह, गुरपाल सिंह, अच्छर सिंह, कुलविंदर सिंह और गुरदीप सिंह शामिल हैं। खिलाड़ियों के रवाना होने से पहले एसोसिएशन के पदाधिकारियों और खेल प्रेमियों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। सभी ने खिलाड़ियों से अनुशासन और खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने का आह्वान किया।

टीम के खिलाड़ी श्री गुरुद्वारा पांवटा साहिब में माथा टेकने के बाद श्रीनगर के लिए रवाना हुए। इस दौरान खिलाड़ियों ने सफलता और अच्छे प्रदर्शन के लिए आशीर्वाद लिया। टीम के कोच भूपिंदर सिंह और सरदार अमर सिंह ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए उन्हें राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं।

जम्मू में 21 ग्राम मादक पदार्थ के साथ तस्कर गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। नशा मुक्त अभियान के तहत मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जम्मू पुलिस ने एक अंतरराज्यीय तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से हेरोइन जैसा 21.04 ग्राम पदार्थ बरामद किया है। कार्रवाई डोमाना थाना क्षेत्र के मशीन डोमाना इलाके में की गई। पुलिस के अनुसार, विशेष सूचना के आधार पर डोमाना थाने की टीम ने इलाके में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखते हुए आरोपी को पकड़ा। उसकी पहचान रोहित कुमार पुत्र तरसेम लाल निवासी लेबर कॉलोनी, जवाहर नगर कैंप, लुधियाना के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उसके पास से 21.04 ग्राम हेरोइन जैसा पदार्थ बरामद हुआ, जिसे पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया के तहत जब्त कर लिया। इस संबंध में डोमाना थाने में प्राथमिकी संख्या 207/2026 दर्ज की गई है। पुलिस ने एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/21/22 के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

ऊधमपुर में स्टार्टअप आइडिया चैलेंज पांच प्रतिभागी अगले चरण में पहुंचे



भारतेंदु संवाददाता, ऊधमपुर। जम्मू-कश्मीर उद्यमिता विकास संस्थान (जेकेईडीआई) के जिला केंद्र ऊधमपुर ने गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक के सहयोग से कॉलेज परिसर में स्टार्टअप आइडिया चैलेंज 2.0 के तहत बूट कैंप आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों और इच्छुक उद्यमियों को नवाचार आधारित विचार प्रस्तुत करने के लिए मंच उपलब्ध कराने के साथ स्टार्टअप से जुड़े अवसरों और प्रक्रियाओं की जानकारी देना था।

बूट कैंप में कुल 110 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इनमें से 13 प्रतिभागियों ने जूरी पैनल के समक्ष अपने स्टार्टअप विचार प्रस्तुत किए। प्रस्तुति और विचारों के मूल्यांकन के बाद पांच प्रतिभागियों को चैलेंज के अगले चरण के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक के प्रिंसिपल इंजीनियर विवेक महाजन ने किया।

कार्यक्रम में जिला उद्योग केंद्र ऊधमपुर के फंक्शनल मैनेजर जगदीप सिंह, जेकेईडीआई जम्मू कैंपस के एसोसिएट प्रोजेक्ट मैनेजर अभिलाष बरू, उद्यमी एवं अतिथि वक्ता शुभम शर्मा तथा विभिन्न संकाय सदस्य मौजूद रहे।

जेकेईडीआई ऊधमपुर के जिला नोडल अधिकारी यश पाल शर्मा ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और चैलेंज के उद्देश्यों की जानकारी दी। उन्होंने युवाओं से वास्तविक जीवन की समस्याओं की पहचान कर उनके व्यावहारिक और टिकाऊ समाधान विकसित करने का आह्वान किया।

पुर्जों की कमी से आरएसपुरा अस्पताल में लैप्रोस्कोपिक ऑपरेशन सुविधा ठप



भारतेंदु संवाददाता, आरएसपुरा। आरएसपुरा के उपजिला अस्पताल में लैप्रोस्कोपिक ऑपरेशन की सुविधा मशीन उपलब्ध होने के बावजूद शुरू नहीं हो पा रही है। मशीन के कुछ जरूरी पुर्जे उपलब्ध नहीं होने के कारण उसे पूरी तरह स्थापित नहीं किया जा सका है। इससे अस्पताल में उपचार की उम्मीद लेकर पहुंचने वाले मरीजों को निजी क्लीनिकों का रुख करना पड़ रहा है।

जानकारी के अनुसार, लैप्रोस्कोपिक ऑपरेशन के लिए आवश्यक सामान उपलब्ध करवाने में करीब 70 से 80 हजार रुपये का खर्च आने की बात कही जा रही है। सामान के अभाव में अस्पताल में छोटे स्तर के लैप्रोस्कोपिक ऑपरेशन भी नहीं हो पा रहे हैं। ऐसे में मरीजों को निजी संस्थानों में उपचार करवाना पड़ रहा है, जहां उन्हें करीब 40 से 50 हजार रुपये तक खर्च करने पड़ रहे हैं।

लैप्रोस्कोपिक सर्जरी में छोटे चीरे के माध्यम से विशेष उपकरणों और कैमरे की सहायता से ऑपरेशन किया जाता है। कई मामलों में इससे मरीज को बड़े चीरे वाली शल्य चिकित्सा की तुलना में कम दर्द और अपेक्षाकृत कम समय में स्वास्थ्य लाभ मिल सकता है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि अस्पताल में विशेषज्ञ सर्जन और लैप्रोस्कोपी मशीन उपलब्ध होने के बावजूद केवल कुछ पुर्जों की कमी के कारण सुविधा बंद रहना चिंता का विषय है। इसका सबसे अधिक असर आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों पर पड़ रहा है, जिन्हें सरकारी अस्पताल में उपचार की उम्मीद होती है।

लोगों ने स्वास्थ्य विभाग से मांग की है कि मशीन के आवश्यक पुर्जे जल्द उपलब्ध करवाकर सुविधा शुरू की जाए। साथ ही यह भी स्पष्ट किया जाए कि सामान की खरीद प्रक्रिया किस स्तर पर है और ऑपरेशन कब से शुरू होंगे।

ब्लॉक मेडिकल अधिकारी डॉ. बलविंद्र सिंह ने बताया कि लैप्रोस्कोपिक ऑपरेशन के लिए जरूरी सामान उपलब्ध करवाने के संबंध में विभाग के अधिकारियों को लिखा गया है। आवश्यक पुर्जे और अन्य सामान उपलब्ध होने के बाद मशीन को पूरी तरह स्थापित कर लैप्रोस्कोपिक ऑपरेशन शुरू किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण मुख्यमंत्री ने विधानसभा में चुनाव की तारीख तय करने पर नहीं बताई स्पष्ट समयसीमा

पंचायत चुनाव भी राज्य के दर्जे की तरह उचित समय पर होंगे : उमर

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में मंगलवार को पंचायत चुनाव कराने के समय को लेकर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और भाजपा विधायक आरएस पठानिया के बीच सवाल-जवाब हुआ। भाजपा विधायक ने सरकार से पंचायत चुनाव कराने की मंशा और संभावित समय-सीमा को लेकर जानकारी मांगी। जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार पंचायत चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध है और चुनाव उचित समय पर कराए जाएंगे।

आरएस पठानिया ने मुख्यमंत्री से यह स्पष्ट करने को कहा कि पंचायत चुनाव कब तक कराए जाएंगे। इस पर उमर अब्दुल्ला ने कहा कि सरकार की मंशा चुनाव कराने की है, लेकिन इनके लिए उचित समय तय किया जाएगा। जब उनसे पूछा गया कि उचित समय कब आएगा, तो मुख्यमंत्री ने जवाब दिया कि जब उचित समय आएगा, तब चुनाव कराए जाएंगे।

विधानसभा में हुई यह चर्चा ऐसे समय हुई है, जब जम्मू-कश्मीर में स्थानीय निकाय और पंचायत स्तर पर निर्वाचित संस्थाओं के चुनाव को लेकर राजनीतिक चर्चा जारी है। पंचायत चुनावों की तारीख को लेकर सरकार की ओर से इस बातचीत में कोई निश्चित समय-सीमा घोषित नहीं की गई।

राज्य का दर्जा बहाल करने के मुद्दे का भी जिक्र : पंचायत चुनावों के सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने जम्मू-कश्मीर के राज्य का दर्जा बहाल करने के मुद्दे का भी उल्लेख किया। उन्होंने भाजपा के उस रुख की ओर इशारा किया, जिसमें राज्य का दर्जा बहाल करने की बात उचित समय पर किए जाने की बात कही जाती रही है। उमर ने कहा कि जिस तरह राज्य के दर्जे को लेकर उचित समय की बात कही जा रही है, उसी तरह पंचायत चुनावों के लिए भी यही कहा जा सकता है।



इससे पहले जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने 28 सितंबर को केंद्र से पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग वाला प्रस्ताव पारित किया था। इस प्रस्ताव को लेकर सदन में सत्ता पक्ष और भाजपा विधायकों के बीच तीखी बहस भी हुई थी। भाजपा ने प्रस्ताव के कुछ संदर्भों का विरोध किया, जबकि सरकार ने राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को विधानसभा का रुख बताया।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए केंद्र से स्पष्ट समय-सीमा और प्रक्रिया बताने की मांग पहले भी कर चुके हैं। उन्होंने विधानसभा में भी सवाल उठाया कि 'उचित समय' से आखिर क्या आशय है और यह समय कब आएगा।

पंचायत चुनाव पर अभी तारीख स्पष्ट नहीं : विधानसभा में मंगलवार की चर्चा के बाद भी पंचायत चुनावों की निश्चित तारीख सामने नहीं आई। सरकार की ओर से चुनाव कराने की मंशा दोहराई गई, लेकिन चुनाव कब होंगे, इस बारे में कोई निश्चित समय-सीमा नहीं बताई गई। इस मुद्दे पर आगे सरकार की ओर से चुनाव कार्यक्रम की घोषणा का इंतजार रहेगा।ड पंचायत चुनाव जम्मू-कश्मीर में स्थानीय स्तर पर निर्वाचित संस्थाओं के गठन से जुड़े हैं। ऐसे में विधानसभा में उठा यह सवाल स्थानीय लोकतांत्रिक व्यवस्था और चुनावी प्रक्रिया के अगले चरण को लेकर महत्वपूर्ण रहा।

विकसित भारत के लक्ष्य के लिए भ्रष्टाचार पर नियंत्रण और जवाबदेह व्यवस्था जरूरी





केशव शर्मा 'रसिक'
कोटला, घुमारवीं, बिलासपुर

भारत आज विश्व की तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। देश तकनीक, आधारभूत ढांचे, शिक्षा, डिजिटल सेवाओं, रक्षा और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में लगातार प्रगति कर रहा है। सरकार का लक्ष्य विकसित भारत का निर्माण है, अर्थात ऐसा भारत जो आर्थिक रूप से मजबूत, सामाजिक रूप से न्यायपूर्ण और वैश्विक स्तर पर प्रभावशाली हो लेकिन इस सपने को साकार करने की राह में यदि कोई सबसे बड़ी बाधा है, तो वह भ्रष्टाचार है। भ्रष्टाचार केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि यह समाज, व्यवस्था और लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर करने वाली गंभीर समस्या है।

भ्रष्टाचार का अर्थ है अपने पद, अधिकार या शक्ति का अनुचित लाभ लेकर निजी स्वार्थ की पूर्ति करना। रिश्वतखोरी, भाई-भतीजावाद, घोटाले, सरकारी योजनाओं में गड़बड़ी, फर्जी बिल, अवैध कमीशन, पद का दुरुपयोग आदि इसके प्रमुख रूप हैं। यह समस्या केवल सरकारी दफ्तरों तक सीमित नहीं, बल्कि समाज के विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग रूपों में दिखाई देती है।

यदि किसी राष्ट्र को विकसित बनना है तो उसकी आर्थिक व्यवस्था मजबूत होनी चाहिए लेकिन भ्रष्टाचार विकास की गति को बाधित करता है। सरकार द्वारा सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, सिंचाई, बिजली, रोजगार या कल्याणकारी योजनाओं के लिए जो धन आवंटित किया जाता है, उसका एक बड़ा हिस्सा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है। परिणामस्वरूप योजनाएं कागजों में सफल दिखाई देती हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर उनका लाभ लोगों तक नहीं पहुंच पाता। इससे सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग होता है और विकास की प्रगति कमजोर पड़ जाती है।

शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में भ्रष्टाचार का असर और भी गंभीर होता है। यदि स्कूलों, अस्पतालों या सार्वजनिक सेवाओं में गुणवत्ता के बजाय पैसे और सिफारिश का महत्व बढ़ जाए, तो समाज की बुनियाद कमजोर हो जाती है। एक विकसित राष्ट्र के निर्माण के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं अनिवार्य हैं, लेकिन भ्रष्टाचार इन दोनों क्षेत्रों को प्रभावित करता है।

भ्रष्टाचार निवेश और व्यापारिक माहौल को भी नुकसान पहुंचाता है। जब किसी देश में पारदर्शिता की कमी होती है और काम करवाने के लिए रिश्वत या अनुचित प्रभाव की जरूरत पड़ती है, तो निवेशकों का विश्वास कम होता है। उद्योगों की वृद्धि प्रभावित होती है और रोजगार के अवसर घटते हैं। इससे आर्थिक विकास की गति धीमी पड़ सकती है। इसके अतिरिक्त भ्रष्टाचार सामाजिक असमानता को भी बढ़ाता है। जो व्यक्ति आर्थिक रूप से सक्षम है या प्रभावशाली है, वह कई बार व्यवस्था का अनुचित लाभ उठा लेता है, जबकि गरीब और सामान्य नागरिक अपने अधिकारों से वंचित रह जाता है। इससे समाज में अन्याय, असंतोष और व्यवस्था के प्रति अविश्वास बढ़ता है। लोकतंत्र की असली ताकत समान अवसर और न्याय में निहित होती है, लेकिन भ्रष्टाचार इस भावना को कमजोर कर देता है।

हालांकि भारत में भ्रष्टाचार को रोकने के लिए अनेक कदम उठाए गए हैं। डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन सेवाएं, ई-गवर्नेंस, पारदर्शी निविदा प्रणाली, आधार आधारित सेवाएं, जनधन खाते और शिकायत निवारण तंत्र जैसे प्रयासों से कई क्षेत्रों में सुधार देखने को मिला है। तकनीक ने मानवीय हस्तक्षेप को कम कर पारदर्शिता बढ़ाने में मदद की है। फिर भी केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हैं; समाज की भागीदारी भी आवश्यक है।

विकसित भारत का लक्ष्य तभी साकार होगा जब भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगाया जाए। इसके लिए पारदर्शी प्रशासन, मजबूत जवाबदेही, नैतिक शिक्षा और जागरूक नागरिकों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। भ्रष्टाचार के विरुद्ध सामूहिक प्रयास ही सुशासन को मजबूत करेंगे और देश को तेज, समावेशी तथा सतत विकास की दिशा में आगे बढ़ाएंगे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

खाद के संतुलित उपयोग से खेती की लागत घटाने और मिट्टी बचाने पर जोर





दिनेश दमाथीआ
स्वतंत्र लेखक

'खेत बचाओ अभियान' केवल एक जागरूकता कार्यक्रम नहीं, बल्कि खेत, किसान और गांव को जोड़ने वाला व्यापक राष्ट्रीय अभियान बनाने का संदेश है। अभियान का फोकस संतुलित एवं विवेकपूर्ण उर्वरक उपयोग, मौसम की चुनौती के मद्देनजर समय पर किसान सलाह, पंचायत स्तर पर सक्रिय भागीदारी और योजनाओं के लाभ को सीधे गांव तक पहुंचाना है।

एक जून से शुरू हुए महीनेभर चलने वाले 'खेत बचाओ अभियान' को प्रभावी और परिणामकारी बनाने के लिए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान का फोकस खेत को बचाने, लागत को संतुलित करने और किसान को सही समय पर सही मार्गदर्शन देने पर होना चाहिए। यह अभियान ऊपर से नीचे तक नहीं, बल्कि पंचायत से लेकर राज्य और केंद्र तक साझी भागीदारी के मॉडल पर चलेगा। रासायनिक उर्वरकों, विशेषकर असंतुलित उपयोग को कम करना अभियान का प्रमुख उद्देश्य होगा। किसानों को मृदा परीक्षण आधारित, संतुलित और सही मात्रा में खाद तथा अन्य कृषि इनपुट के उपयोग के बारे में जागरूक करने, हरी खाद, जैविक और जैव-उत्पादों के उपयोग को बढ़ाने तथा एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन के प्रदर्शन आयोजित करने का लक्ष्य रखा गया है।

आने वाले समय को लेकर जो मौसम संबंधी चिंता जताई जा रही है, उसके मद्देनजर किसानों को व्यावहारिक सलाह दी जाएगी कि वे क्या करें, क्या न करें, कौन-सी फसल लें, कहां फसल विविधीकरण अपनाएं और कम पानी या जोखिम की स्थिति में कौन-से विकल्प बेहतर रहेंगे। अभियान का उद्देश्य केवल संदेश देना नहीं, बल्कि खेत-स्तर पर किसान को स्थिति-विशेष के अनुरूप सलाह देना होगा। पंचायत स्तर पर इस अभियान को मजबूत आधार दिया जाएगा। पंचायत स्तर पर मैकेनाइजेशन की मशीनों का वितरण, योजनाओं का लाभ और जहां संभव हो वहां सरकारी कार्यक्रमों का प्रत्यक्ष लाभ भी इसी अभियान के अंतर्गत जोड़ने के लिए शिवराज सिंह ने निर्देशित किया।

अभियान को केवल विभागीय दायरे में सीमित नहीं रखा जाएगा। राज्यों के मुख्यमंत्रियों से आग्रह किया जाएगा और मंत्रियों, सांसदों, विधायकों तथा अन्य जनप्रतिनिधियों से भी भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास होगा, ताकि यह अभियान एक प्रशासनिक कार्यक्रम से आगे बढ़कर जनसहभागिता का मजबूत मॉडल बन सके। यह दृष्टिकोण अभियान को प्रारंभिक दिनों से ही राजनीतिक, सामाजिक और स्थानीय ऊर्जा देगा। अभियान के लिए को सभी सहभागी संस्थानों के लिए प्रमुख समन्वयक की भूमिका दी गई है, साढ़े 1600 से अधिक टीमें बनाई गई हैं। अधिक उर्वरक उपयोग वाले 100 जिलों के लिए 500 टीमें गठित की गई हैं, जिनमें चक्रूच्य, ढ्ढष्ट, संस्थान,ढ्ढष्ट,क्क केंद्रों के वैज्ञानिक और कृषि विभाग के अधिकारी शामिल होंगे, जबकि ढ्ढष्ट, संस्थानों और चक्रूच्यह्य की 1150 से अधिक बहुविषयक टीमें भी समानांतर रूप से काम करेंगी। अभियान को केवल खाद प्रबंधन तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि योजनाओं का लाभ भी खेत तक पहुंचाया जाएगा। किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम-किसान से छूटे लाभार्थियों को जोड़ना, दलहन-तिलहन मिशन, ऑयल पाम, कॉटन मिशन, संतुलित पोषण, मिट्टी स्वास्थ्य, जल-संरक्षण और क्षेत्र-विशेष कृषि सलाह जैसी गतिविधियों को समन्वित रूप में जोड़ने का दृष्टिकोण अभियान को बहुउद्देशीय और प्रभावी बनाएगा।

अभियान की सफलता तभी मानी जाएगी जब इसका प्रभाव खेतों और किसानों के व्यवहार में दिखाई दे। संतुलित उर्वरक उपयोग, वैज्ञानिक खेती, पंचायतों की सक्रिय भागीदारी और जनजागरूकता के माध्यम से ही कृषि को टिकाऊ, लाभकारी और भविष्य के लिए सुरक्षित बनाया जा सकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संपादकीय

जलवायु बदलाव की मार

बंगाल की खाड़ी से उठे चक्रवात अर्नब और उसके प्रभाव के कारण उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश सहित देश के एक दर्जन से अधिक राज्यों में हुई भारी वर्षा ने जनजीवन को व्यापक रूप से प्रभावित किया। कई स्थानों पर लगातार बारिश के कारण सड़कें जलमग्न हो गईं, यातायात व्यवस्था प्रभावित हुई और सामान्य गतिविधियां बाधित रहीं। अत्यधिक वर्षा का असर केवल आम लोगों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि कृषि क्षेत्र को भी बड़ा नुकसान पहुंचा। खेतों में खड़ी फसलें पानी में डूब गईं और कई इलाकों में फसल खराब होने की स्थिति पैदा हो गई। कुछ राज्यों में वर्षा और बाढ़ से लोगों की जान जाने की भी सूचनाएं सामने आईं। नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ने के कारण कई क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा उत्पन्न हो गया। इससे प्रभावित इलाकों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और राहत एवं बचाव अभियान चलाने की आवश्यकता पड़ी।

मौसम में अचानक आया यह बदलाव इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि पश्चिमी विक्षोभ के चक्रवातीय प्रणाली के साथ मिलने से वर्षा की तीव्रता और प्रभाव कई क्षेत्रों में बढ़ गया। हालांकि मौसम प्रणालियों का इस तरह आपस में मिलना कोई बिल्कुल नई घटना नहीं है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में कम समय के भीतर अत्यधिक वर्षा होने की घटनाओं में वृद्धि ने चिंता बढ़ाई है। कई बार कुछ घंटों या दिनों में इतनी बारिश हो जाती है, जितनी सामान्य परिस्थितियों में लंबे समय में होती है। इसके कारण शहरी क्षेत्रों में जलभराव, पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन और मैदानी इलाकों में बाढ़ जैसी स्थितियां उत्पन्न हो जाती हैं। मौसम के इस बदलते स्वरूप का एक प्रमुख कारण जलवायु परिवर्तन को माना जाता है।

जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को लेकर वैज्ञानिक और पर्यावरण विशेषज्ञ लंबे समय से चेतावनी देते रहे हैं। पृथ्वी के बढ़ते तापमान का असर वर्षा के स्वरूप, समुद्री गतिविधियों और मौसम प्रणालियों पर पड़ रहा है। कहीं अत्यधिक वर्षा हो रही है तो कहीं लंबे समय तक बारिश नहीं हो रही। मौसम की ऐसी अनिश्चितता कृषि, जल संसाधन, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बनती जा रही है। समस्या यह है कि जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौती का सामना करने के लिए दुनिया के सभी देशों के बीच जिस स्तर की एकजुटता और समन्वय की आवश्यकता है, वह अभी पर्याप्त दिखाई नहीं देता। तापमान वृद्धि को सीमित करने के लिए वैश्विक स्तर पर अनेक प्रयास हुए हैं, लेकिन उत्सर्जन में कमी और पर्यावरण संरक्षण के लक्ष्यों को हासिल करना अब भी चुनौती बना हुआ है।

जलवायु परिवर्तन के दीर्घकालिक समाधान के लिए वैश्विक स्तर पर प्रयास आवश्यक हैं, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि देश और राज्य अपनी स्थानीय तैयारियों को टालते रहें। अत्यधिक वर्षा, बाढ़, भूस्खलन और अन्य मौसम संबंधी आपदाओं से निपटने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों को अपनी आपदा प्रबंधन व्यवस्था को लगातार मजबूत करना होगा। विशेष रूप से राज्य सरकारों की जिम्मेदारी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है, क्योंकि प्राकृतिक आपदा सबसे पहले स्थानीय स्तर पर लोगों और प्रशासन को प्रभावित करती है। समय रहते चेतावनी जारी करना, संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान करना, राहत शिविर तैयार रखना, बचाव दलों की तैनाती, आवश्यक दवाओं और खाद्य सामग्री का भंडारण तथा संचार व्यवस्था को मजबूत रखना जरूरी है।

बार-बार सामने आ रही आपदाएं यह भी संकेत देती हैं कि केवल राहत और मुआवजे के भरोसे आपदा प्रबंधन नहीं चलाया जा सकता। कई बार अत्यधिक बारिश के कारण होने वाला नुकसान कमजोर बुनियादी ढांचे के कारण कई गुना बढ़ जाता है। खराब जल निकासी व्यवस्था, नदियों और नालों के प्राकृतिक प्रवाह क्षेत्र में निर्माण, कमजोर सड़कें, पुराने पुल और अनियोजित शहरी विस्तार भारी वर्षा के दौरान खतरा बढ़ाते हैं। पहाड़ी राज्यों में सड़क निर्माण और भवन निर्माण के दौरान भौगोलिक परिस्थितियों की अनदेखी भी नुकसान का कारण बन सकती है। इसलिए विकास योजनाओं में आपदा जोखिम को शामिल करना आवश्यक है। केवल आपदा आने के बाद राहत पहुंचाने के बजाय पहले से ऐसी व्यवस्था बनानी होगी, जिससे नुकसान को न्यूनतम किया जा सके।

इसके साथ ही अल्पवृष्टि और सूखे की चुनौती से निपटने की तैयारी भी उतनी ही जरूरी है। एक ओर देश के कई हिस्सों में अत्यधिक बारिश और बाढ़ का सामना करना पड़ रहा है, वहीं दूसरी ओर कुछ क्षेत्रों में पर्याप्त वर्षा न होने से सूखे जैसी परिस्थितियां बन रही हैं। महाराष्ट्र जैसे राज्यों में कम वर्षा की स्थिति कृषि और जल उपलब्धता पर असर डाल सकती है। यह विरोधाभास बताता है कि भविष्य में जल प्रबंधन की रणनीति केवल अधिक बारिश से निपटने तक सीमित नहीं रह सकती। वर्षा जल संचयन, जलाशयों का बेहतर प्रबंधन, भूजल संरक्षण और सूक्ष्म सिंचाई जैसी व्यवस्थाओं को व्यापक स्तर पर बढ़ावा देना होगा।

अतिवृष्टि और अल्पवृष्टि दोनों ही खाद्य सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती हैं। अत्यधिक बारिश से फसलें नष्ट होती हैं, जबकि कम बारिश से बुआई और सिंचाई प्रभावित होती है। इसका सीधा असर किसानों की आय, खाद्य उत्पादन और बाजार में कीमतों पर पड़ सकता है।

-शिवांश धाकड़

कविता

आत्मा का मंदिर

डॉ. अंकिता चौधरी (सह-प्राध्यापक)
अभिलाषी विश्वविद्यालय, मंडी (हि.प्र.)

आत्मा का गेह देह, देह को संवारो,
मंदिर के लिए नहीं, देव को निहारो।
पूजा का दीप हृदय में प्रेम से जलाओ,
मन के अंधकार को दूर भगाओ।
देव के पूजापे को तुम स्वयं न खा लो,
सेवा के पथ पर अपने कदम बढ़ा लो।
पुष्प, दीप, अक्षत लेकर आरती उतारो,
लेकिन पहले अपने मन को उजियारो।
देह गेह ईश्वर का, इसे पावन रखो,
हर सांस में सत्य और करुणा को रखो।
नागरिक पुजारी हैं, नगर-ग्राम आसन,
सेवा से ही बनता जीवन का शासन।
आसन पर कौन? अरे, करोड़ों नयन हैं,
हर प्राणी में छिपे ईश्वर के दर्शन हैं।
मत्सर, मदमोह, द्वेष और प्रतिक्रिया त्यागो,
आत्मा के मंदिर में प्रेम के दीप जगाओ।
किसी भूखे को भोजन, किसी दुखी को सहारा,
किसी निराश मन को दे दो प्रेम का किनारा।
किसी गिरते हुए हाथ को थाम लेना,
किसी रोते हुए मन को हंसाना सीख लेना।
सूर्य उगे क्षितिज पर, जीवन फिर मुस्काए,
हर मन में विश्वास का दीप जल जाए।
जीत का अर्थ केवल स्वयं आगे बढ़ना नहीं,
दूसरों को उठाना भी कम साधना नहीं।
आत्मा का गेह देह, देह को संवारो,
मंदिर के लिए नहीं, देव को निहारो।
पूजा तभी पूर्ण, जब जीवन सेवा बन जाए,
मनुष्य के भीतर का देवत्व जगमगाए।

चुनाव खत्म होते ही उतरने लगते हैं राजनीतिक मुखौटे, सामने आती है रिश्तों और निष्ठा की सच्चाई





सुभाष चंद काशव
गांव, जौवा, जिला चंबा

लोकतंत्र केवल वोट डालने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि मनुष्य के चरित्र, संबंधों और स्वार्थों की भी परीक्षा है। चुनाव आते ही समाज में अचानक सक्रियता बढ़ जाती है। वर्षों से बंद पड़े दरवाजे खटखटाए जाते हैं, हाथ जोड़कर अभिवादन किया जाता है, रिश्तों की मिठास दिखाई जाती है और समाजसेवा के बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, लेकिन जैसे ही चुनाव समाप्त होते हैं और परिणाम सामने आते हैं, लोगों के वास्तविक चेहरे उजागर होने लगते हैं। मानो कोई अदृश्य एक्सरे मशीन मन के भीतर झांककर असली चरित्र को सामने ले आती है।

चुनाव के समय जो लोग हर व्यक्ति को अपना आत्मीय बताते हैं, वही परिणाम आने के बाद दूरी बनाने लगते हैं। जो नेता चुनाव से पहले गरीबों के घर चाय पीते हैं, किसानों के साथ फोटो खिंचवाते हैं और युवाओं को सपने दिखाते हैं, वे जीत के बाद अक्सर जनता से दूर दिखाई देने लगते हैं। यह परिवर्तन केवल नेताओं तक सीमित नहीं रहता, बल्कि मतदाताओं, समर्थकों और विरोधियों में भी दिखाई देता है। चुनाव के बाद सबसे पहले रिश्तों की असलियत सामने आती है। कई लोग केवल लाभ की उम्मीद में किसी उम्मीदवार का समर्थन करते हैं। वे उसकी प्रशंसा करते हैं और स्वयं को उसका सबसे बड़ा शुभचिंतक बताते हैं, लेकिन जब परिणाम उनकी अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं आते, तो वही लोग आलोचना करने लगते हैं। चुनाव यह स्पष्ट कर देता है कि कौन व्यक्ति निष्ठा से साथ था और कौन केवल अवसर की तलाश में।

समाज में ऐसे लोगों की भी कमी नहीं होती जो दोहरी भूमिका निभाते हैं। सामने से वे एक उम्मीदवार का समर्थन करते हैं, जबकि भीतर ही भीतर दूसरे पक्ष के लिए काम करते रहते हैं। उनका उद्देश्य केवल अपना लाभ सुरक्षित रखना होता है। चुनाव परिणाम आने के बाद ऐसे लोगों के असली चेहरे समाज के सामने आ जाते हैं। मित्रताओं की परीक्षा भी चुनाव के दौरान होती है। वर्षों पुराने संबंध राजनीतिक मतभेदों की भेंट चढ़ जाते हैं। कई बार लोग अलग-अलग खेमों में बंटकर एक-दूसरे से बातचीत तक बंद कर देते हैं। सोशल मीडिया भी चुनाव के बाद लोगों की मानसिकता उजागर करता है। चुनाव से पहले बड़े-बड़े दावे करने वाले और स्वयं को राजनीतिक विशेषज्ञ बताने वाले अनेक लोग परिणाम आने के बाद चुप्पी साध लेते हैं या अपना पक्ष बदल लेते हैं। इससे स्पष्ट होता है कि उनका कोई स्थायी विचार नहीं था, बल्कि वे केवल भीड़ का हिस्सा बने हुए थे। हारने वाले उम्मीदवारों के आसपास का माहौल भी बहुत कुछ सिखाता है। चुनाव से पहले जो लोग उनके साथ दिखाई देते हैं, वे धीरे-धीरे दूर होने लगते हैं। तब व्यक्ति समझ पाता है कि उसके आसपास कितने लोग सच्चे थे।

दूसरी ओर, विजेता उम्मीदवार के आसपास अचानक नए लोगों की भीड़ जुटने लगती है। हर कोई अपने हित साधने के लिए निकटता बढ़ाने का प्रयास करता है। चुनाव के दौरान अनेक मुखौटे बनते हैं। कोई स्वयं को समाजसेवी बताता है, कोई युवाओं का मसीहा और कोई गरीबों का हितैषी, लेकिन चुनाव समाप्त होने के बाद धीरे-धीरे स्पष्ट हो जाता है कि इन दावों के पीछे वास्तविकता क्या थी। कुछ लोग सचमुच समाज के लिए समर्पित होते हैं, जबकि अनेक लोग केवल सत्ता और प्रतिष्ठा की तलाश में सक्रिय रहते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

दीप्ति का फिल्मी सफर

दीप्ति भटनागर का जन्म 30 सितंबर 1967 को उत्तर प्रदेश के मेरठ में हुआ था। वह भारतीय अभिनेत्री, मॉडल और टेलीविजन से जुड़ी चर्चित हस्तियों में शामिल रही हैं। उन्होंने मुख्य रूप से हिंदी और तेलुगु फिल्मों में काम किया। अभिनय के अलावा मॉडलिंग के क्षेत्र में भी उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई। उनका बचपन और शुरुआती शिक्षा दिल्ली में हुई। इसके बाद उन्होंने मेरठ विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त की। शुरुआती जीवन में उनका रुझान पारिवारिक हस्तशिल्प व्यवसाय की ओर था। उनके परिवार का मेरठ में हस्तशिल्प से जुड़ा कारखाना था और इसी कारोबार के प्रचार के सिलसिले में वह 1992 में मुंबई गई थीं।



दीप्ति भटनागर
जन्म : 30 सितंबर 1967

मुंबई पहुंचने के बाद दीप्ति को विज्ञापन जगत में मॉडलिंग का अवसर मिला। उन्होंने रूपमिलन साड़ियों के विज्ञापन से अपने मॉडलिंग करियर की शुरुआत की। इस विज्ञापन के बाद उन्हें कई अन्य कंपनियों के प्रचार अभियानों में काम करने के अवसर मिले। धीरे-धीरे उन्होंने मॉडलिंग को ही अपना पेशा बना लिया। इससे पहले वह 1990 में ईव्स वीकली मिस इंडिया प्रतियोगिता भी जीत चुकी थीं। इसके बाद उन्होंने सिंगापुर में आयोजित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय फैशन कार्यक्रमों में मॉडल के रूप में हिस्सा लिया।

मॉडलिंग में पहचान बनाने के बाद दीप्ति भटनागर ने फिल्मों की दुनिया में कदम रखा। वर्ष 1995 में संजय गुप्ता के निर्देशन में बनी फिल्म राम शास्त्र से उन्होंने हिंदी सिनेमा में पदार्पण किया। इसके बाद 1996 में आई तेलुगु फिल्म पेल्ली संदड़ी ने उन्हें व्यापक पहचान दिलाई। यह फिल्म उस वर्ष की सबसे अधिक कमाई करने वाली तेलुगु फिल्मों में दूसरे स्थान पर रही थी। इसके बाद उन्होंने अलग-अलग भाषाओं की फिल्मों में काम किया।

दीप्ति ने 1997 में अमेरिकी फिल्म इन्फर्नो में भी अभिनय किया। इसके अलावा 1999 में आमिर खान और मनीषा कोइराला अभिनीत हिंदी फिल्म मन में भी वह नजर आईं। फिल्मों के साथ उन्होंने टेलीविजन की दुनिया में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और यात्रा तथा धार्मिक स्थलों से जुड़े कार्यक्रमों के माध्यम से दर्शकों के बीच लोकप्रियता हासिल की।

बढ़ती उम्रदराज आबादी के बीच बुजुर्गों को सम्मान और सुरक्षा देना बड़ी चुनौती

विश्व वर्तमान में एक महत्वपूर्ण जनसांख्यिकीय परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, जिसमें वृद्धजन आबादी तेजी से बढ़ रही है। चिकित्सा विज्ञान की प्रगति, बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं तथा जीवन प्रत्याशा में वृद्धि के कारण लोगों की औसत आयु लगातार बढ़ रही है। भारत भी इस परिवर्तन से प्रभावित है और आने वाले वर्षों में वृद्धजनों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होने की संभावना है। वर्ष 2011 में भारत में 60 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के लोगों की संख्या लगभग 10.4 करोड़ थी, जो भविष्य में और बढ़ेगी। इसके साथ ही देश की औसत आयु भी निरंतर बढ़ रही है।

वृद्धजन आबादी में वृद्धि से स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, आय संरक्षण, मानसिक स्वास्थ्य तथा देखभाल संबंधी सेवाओं की मांग बढ़ेगी। वृद्धावस्था निर्भरता अनुपात में वृद्धि कार्यशील आयु वर्ग पर अतिरिक्त आर्थिक और सामाजिक दायित्व डालेगी। इसलिए वृद्धावस्था को केवल सामाजिक कल्याण का विषय न मानकर विकास, नीति-निर्माण और सामाजिक नियोजन के महत्वपूर्ण मुद्दे के रूप में देखा जाना चाहिए। वृद्धजनों के सम्मानपूर्ण, सुरक्षित और सक्रिय जीवन हेतु प्रभावी नीतियों का निर्माण समय की आवश्यकता है।

भारत की तुलनात्मक स्थिति : जापान विश्व के सबसे वृद्ध देशों में से एक है, जहां 65 वर्ष से अधिक आयु की जनसंख्या लगभग एक-तिहाई है। वहां सरकार ने दीर्घकालिक देखभाल, सार्वभौमिक स्वास्थ्य सुरक्षा तथा वृद्ध-अनुकूल अवसंरचना का प्रभावी विकास किया है। इसके विपरीत भारत अभी अपेक्षाकृत युवा देश है, किंतु तीव्र गति से वृद्ध समाज की ओर बढ़ रहा है। नगरीकरण, प्रवासन और एकल परिवारों की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण पारंपरिक पारिवारिक सहारा कमजोर पड़ रहा है। विशेष रूप से वृद्ध महिलाएं स्वास्थ्य, संपत्ति अधिकार और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में अनेक चुनौतियों का सामना करती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, फ्रांस में वृद्धजन आबादी के अनुपात में वृद्धि होने में लगभग 150 वर्ष लगे, जबकि भारत में यही परिवर्तन 20-25 वर्षों में होने की संभावना है। इससे भारत के सामने स्वास्थ्य सेवाओं, पेंशन, सामाजिक सुरक्षा और देखभाल तंत्र के विकास की चुनौती अधिक गंभीर हो जाती है। इन चुनौतियों से निपटने हेतु भारत सरकार ने राष्ट्रीय वृद्धजन नीति, वरिष्ठ नागरिक कल्याण अधिनियम, अटल वयो अभ्युदय योजना तथा आयुष्मान भारत जैसी पहलें शुरू की हैं। फिर भी पेंशन की अपर्याप्तता, सीमित स्वास्थ्य सुविधाएं, मानसिक स्वास्थ्य, अकेलापन, डिजिटल बहिष्करण और वृद्धजन उत्पीड़न जैसी समस्याएं अभी भी प्रभावी समाधान की प्रतीक्षा कर रही हैं।





डॉ. बलदेव सिंह नेगी

वृद्धजन उत्पीड़न : वृद्धजन उत्पीड़न आज एक गंभीर सामाजिक चुनौती बनकर उभर रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, यह किसी विश्वासपूर्ण संबंध में किया गया ऐसा कार्य या उपेक्षा है, जिससे वृद्ध व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक, आर्थिक या सामाजिक हानि पहुंचती है। यह समस्या परिवार, समुदाय तथा देखभाल संस्थानों में देखी जा सकती है। वैश्विक स्तर पर प्रत्येक छह में से एक वृद्ध व्यक्ति किसी न किसी प्रकार के उत्पीड़न का शिकार होता है। भारत में संपत्ति विवाद, आर्थिक निर्भरता, अकेलापन, पारिवारिक तनाव और सामाजिक अलगाव इसके प्रमुख कारण हैं। इस समस्या के समाधान हेतु केवल कानूनी उपाय पर्याप्त नहीं हैं। समाज में वृद्धजनों के प्रति सम्मान, संवेदनशीलता और सहानुभूति का विकास आवश्यक है। आयु-आधारित भेदभाव को समाप्त करने, जागरूकता बढ़ाने, प्रभावी सहायता तंत्र विकसित करने तथा परिवार एवं समुदाय आधारित देखभाल को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। हेल्पलाइन, परामर्श सेवाएं और स्थानीय संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी भी वृद्धजनों की सुरक्षा और गरिमा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

हिमाचल प्रदेश में वृद्धजन : अवसर और चुनौतियां : हिमाचल प्रदेश में लगभग 10 प्रतिशत जनसंख्या, यानी करीब 7 लाख लोग, 60 वर्ष या उससे अधिक आयु वर्ग में आते हैं। राज्य की दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियां, युवाओं का पलायन तथा दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य एवं सामाजिक सेवाओं की सीमित उपलब्धता वृद्धजनों की चुनौतियों को बढ़ाती हैं। यद्यपि सामाजिक सुरक्षा पेंशन, वृद्धाश्रम, डे-केयर केंद्र, राष्ट्रीय वृद्धजन स्वास्थ्य कार्यक्रम (ह्क्राष्टश्च) और जेरियाट्रिक स्वास्थ्य सेवाएं संचालित हैं, फिर भी बढ़ती आवश्यकताओं के अनुरूप इनका और विस्तार आवश्यक है। जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न भूस्खलन, बादल फटना और वनाग्नि जैसी आपदाएं भी वृद्धजनों की संवेदनशीलता बढ़ाती हैं।

वृद्धजनों के सम्मानपूर्ण जीवन हेतु सामाजिक सुरक्षा पेंशन का सार्वभौमिक कवरेज, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं, सामुदायिक सहायता तंत्र तथा परामर्श सेवाओं को मजबूत करना जरूरी है। साथ ही उन्हें केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि विकास के सक्रिय भागीदार के रूप में देखना चाहिए। ग्राम सभाओं, स्वयं सहायता समूहों और सामुदायिक गतिविधियों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित कर उनके अनुभव और ज्ञान का उपयोग किया जा सकता है। वास्तव में वृद्धजन समाज की अमूल्य धरोहर हैं, जिनका सम्मान और संरक्षण समावेशी विकास की आधारशिला है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

'भारतेन्दु शिखर

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

न्यूज ब्रीफ

पाइपलाइन के लिए खोदी सड़कें 40 दिन में नहीं सुधरीं तो एजेंसी पर होगी कार्रवाई

एजेंसी, लखनऊ। पेयजल पाइपलाइन बिछाने के लिए खोदी गई ग्रामीण सड़कों की मरम्मत के लिए उत्तर प्रदेश में 1 अक्टूबर से 10 नवंबर तक 40 दिन का विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान पाइपलाइन डालने के बाद क्षतिग्रस्त हुई सड़कों को निर्धारित मानकों के अनुसार दुरुस्त करना होगा। तय अवधि में मरम्मत नहीं होने पर संबंधित एजेंसी को काली सूची में डालने के साथ जिम्मेदार अभियंता पर भी कार्रवाई की जाएगी। अभियान के दौरान सड़कों की मरम्मत की स्थिति पर निगरानी रखी जाएगी। निर्धारित समय सीमा के बाद भी सड़कें खराब मिलने पर ग्रामीण इसकी शिकायत कर सकेंगे। इसके लिए ग्रामीण सारथी ऐप पर सड़क की फोटो और वीडियो अपलोड कर शिकायत दर्ज करा सकेंगे। अभियान का उद्देश्य पाइपलाइन बिछाने के दौरान खोदी गई ग्रामीण सड़कों को समयबद्ध तरीके से ठीक कराना है, ताकि लोगों को आवागमन में परेशानी न हो। संबंधित एजेंसियों को सड़क मरम्मत का काम तय मानकों के अनुरूप पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

कानपुर में ई-चालान का नया सिस्टम लागू वाट्सएप पर मिलेगा क्यूआर कोड

एजेंसी, कानपुर। परिवहन विभाग ने ई-चालान एप्लीकेशन का नया वर्जन 'नेक्स्ट जेन 2.0' अपडेट किया है। इसके साथ ही चालान की कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। नए एप्लीकेशन में दोपहिया वाहन की पिछली सीट पर बिना हेलमेट बैठी सवारी का भी चालान काटने का विकल्प जोड़ा गया है। अब बाइक और स्कूटी पर पीछे बिना हेलमेट बैठने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकेगी। इसके अलावा नशे की हालत में वाहन चलाने पर कार्रवाई के लिए भी नया विकल्प शामिल किया गया है। चालान कटने के बाद वाहन स्वामी को वाट्सएप पर क्यूआर कोड भेजा जाएगा। इसके माध्यम से वह घर बैठे चालान का भुगतान कर सकेंगे। नई व्यवस्था से चालान की प्रक्रिया को आसान बनाने के साथ यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने नए सिस्टम के तहत चालान की कार्रवाई शुरू कर दी है। इससे बिना हेलमेट और नशे में वाहन चलाने जैसे मामलों में कार्रवाई का दायरा बढ़ेगा।

महिला सिपाही से फेसबुक पर दोस्ती पड़ी भारी, नेपाल से आया चोर गिरफ्तार

एजेंसी, मेरठ। 80 लाख रुपये की चोरी के मामले में वांछित नेपाली चोर गिरोह के आरोपित लाल भीम भूल को पुलिस ने फेसबुक के जरिए पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपित ने करीब चार वर्ष बाद फेसबुक पर अकाउंट बनाया था। इसके बाद महिला सिपाही ने उसे फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी। दोनों के बीच करीब एक माह तक बातचीत हुई। इसके बाद महिला सिपाही ने आरोपित को नेपाल से हरिद्वार मिलने के लिए बुलाया। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार, 20 नवंबर 2022 को बिल्डर प्रदीप गुप्ता के घर से करीब 80 लाख रुपये के आभूषण और नकदी चोरी हुई थी। मामले में लाल भीम भूल वांछित था। पुलिस ने 20 दिसंबर 2022 को उस पर दस हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। करीब एक माह की घेराबंदी के बाद पुलिस को उसे पकड़ने में सफलता मिली। पूछताछ में पुलिस को चोरी की वारदात से जुड़े महत्वपूर्ण सुराग मिलने की उम्मीद है। पुलिस अब आरोपित से गिरोह के अन्य सदस्यों और चोरी के माल के बारे में जानकारी जुटा रही है।

कानपुर चिड़ियाघर में दो काले हिरणों की मौत, कृमि संक्रमण की आशंका

एजेंसी, कानपुर। चिड़ियाघर में दो काले हिरणों की मौत हो गई। प्रारंभिक तौर पर हिरणों की मौत का कारण पेट में कीड़े की वजह से हुआ कृमि संक्रमण माना जा रहा है। घटना के बाद चिड़ियाघर प्रशासन अन्य काले हिरणों को बचाने के प्रयास में जुट गया है। मौत की वास्तविक वजह की पुष्टि के लिए दोनों हिरणों के बिसरे को जांच के लिए बरेली स्थित भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आइवीआरआइ) भेजा गया है। अधिकारियों के अनुसार, जांच रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारण का पता चल सकेगा। फिलहाल संक्रमण की आशंका को देखते हुए अन्य हिरणों की निगरानी और उनकी स्थिति पर नजर रखी जा रही है। चिड़ियाघर प्रशासन का प्रयास है कि समय रहते अन्य काले हिरणों को किसी संभावित संक्रमण से बचाया जा सके।

आगरा में दौड़ लगाते समय 15 वर्षीय किशोर की अचानक बिगड़ी तबीयत, मौत

एजेंसी, आगरा

सुबह बच्चों के साथ दौड़ लगाने निकले 15 वर्षीय किशोर की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। गांव से बाहर निकलते ही किशोर को सांस लेने में परेशानी होने लगी। साथ मौजूद बच्चों ने उसकी हालत बिगड़ती देख स्वजन को सूचना दी। जानकारी मिलते ही परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और किशोर को उपचार के लिए शमसाबाद स्थित अस्पताल लेकर गए। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार, किशोर मंगलवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे घर से अन्य बच्चों के साथ दौड़ लगाने के लिए निकला था। सभी बच्चे दौड़ते हुए गांव से बाहर पहुंचे ही थे कि अचानक किशोर को सांस लेने में परेशानी होने लगी। कुछ ही देर में उसकी हालत बिगड़ गई। उसके साथ मौजूद बच्चों ने तत्काल इसकी जानकारी परिवार के लोगों को दी। सूचना मिलने के बाद स्वजन मौके पर पहुंचे। उन्होंने किशोर को तत्काल शमसाबाद स्थित अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसकी जांच की। चिकित्सकों ने किशोर को मृत घोषित कर दिया। किशोर की अचानक तबीयत बिगड़ने और इसके बाद मौत की खबर से परिवार में मातम छा गया।

घटना की जानकारी मिलने के बाद सुबह बच्चों के साथ दौड़ लगाने निकले 15 वर्षीय किशोर की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। गांव से बाहर निकलते ही किशोर को सांस लेने में परेशानी होने लगी। साथ मौजूद बच्चों ने उसकी हालत बिगड़ती देख स्वजन को सूचना दी। जानकारी मिलते ही परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और किशोर को उपचार के लिए शमसाबाद स्थित अस्पताल लेकर गए।

एआइएसएचई डाटा में लापरवाही नहीं, मूल रिकॉर्ड से जांचकर जानकारी भरने के निर्देश

प्रशासनिक लापरवाही से किसी पात्र संस्थान के सर्वे से बाहर न रहने देने के दिए गए निर्देश

एजेंसी, लखनऊ



उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण (एआइएसएचई) में सही और समय पर जानकारी दर्ज करने पर जोर दिया है। उन्होंने निर्देश दिए कि सर्वेक्षण में दर्ज की जाने वाली प्रत्येक जानकारी को मूल अभिलेखों से मिलान करने के बाद ही पोर्टल पर दर्ज किया जाए। उनका कहना है कि उच्च शिक्षा से जुड़े सटीक और समय पर उपलब्ध आंकड़े नए संस्थानों, शिक्षकों और संसाधनों की जरूरत तय करने में महत्वपूर्ण आधार बनते हैं।

डा. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ में आयोजित राज्य स्तरीय एआइएसएचई कार्यशाला में उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि आंकड़े भरने की प्रक्रिया को केवल औपचारिकता नहीं माना जाना चाहिए। सरकार की योजनाएं और नीतियां उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर तैयार होती हैं। ऐसे में गलत या अधूरी जानकारी मिलने पर योजना निर्माण प्रभावित हो सकता है। उन्होंने विश्वविद्यालयों, संबद्ध महाविद्यालयों और अन्य उच्च शिक्षा संस्थानों का एआइएसएचई डाटा नियमित रूप से अपडेट कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि कई संस्थान एआइएसएचई कोड मिलने के बाद भी समय पर डाटा उपलब्ध नहीं कराते हैं। इससे संबंधित संस्थान का स्टेटस निष्क्रिय हो सकता है और इसका असर विद्यार्थियों पर भी पड़ सकता है। इसलिए संस्थानों को समयसीमा का इंतजार किए बिना जानकारी अपडेट करने की प्रक्रिया पूरी करनी चाहिए।

मंत्री ने कहा कि पोर्टल खुलने के बाद अंतिम तिथि का इंतजार न किया जाए। संस्थानों को नामांकन, रिक्तियों, पाठ्यक्रम, परीक्षा, परिणाम और आधारभूत ढांचे से जुड़ी जानकारी मूल रिकॉर्ड से मिलाकर दर्ज करनी होगी। अंतिम अनुमोदन से पहले डाटा का क्रास-वेरिफिकेशन भी किया जाए। जरूरत के अनुसार रैंडम जांच की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने कहा कि एआइएसएचई सर्वे में कोई पात्र और संचालित संस्थान प्रशासनिक लापरवाही के कारण बाहर नहीं रहना चाहिए। इसके लिए संबंधित अधिकारियों और संस्थानों को नियमित रूप से डाटा अपडेट करने तथा लंबित जानकारी को समय पर पूरा करने की जरूरत है।

कार्यशाला में उच्च शिक्षा से जुड़े अधिकारियों और संस्थानों के प्रतिनिधियों को सर्वेक्षण की प्रक्रिया में सावधानी बरतने पर जोर दिया गया। डाटा दर्ज करते समय मूल अभिलेखों से मिलान करने से गलतियों की संभावना कम की जा सकती है। साथ ही समय पर जानकारी उपलब्ध होने से राज्य में उच्च शिक्षा से संबंधित जरूरतों का आकलन करने में मदद मिलेगी। एआइएसएचई के आंकड़ों के आधार पर उच्च शिक्षा क्षेत्र से जुड़े विभिन्न पहलुओं का आकलन किया जाता है। इसलिए डाटा की गुणवत्ता और समयबद्धता को महत्वपूर्ण बताया गया। मंत्री ने संस्थानों से सर्वेक्षण प्रक्रिया में सक्रियता के साथ भाग लेने और लंबित जानकारी को जल्द पूरा करने को कहा।

6.40 करोड़ की ऋण धोखाधड़ी में डेढ़ महीने बाद भी सिर्फ एक गिरफ्तारी

एजेंसी, अमेठी

भारतीय स्टेट बैंक की अमेठी शाखा से जुड़े करीब 6.40 करोड़ रुपये के ऋण धोखाधड़ी मामले में डेढ़ महीने बाद भी पुलिस की कार्रवाई अपेक्षित रफ्तार नहीं पकड़ सकी है। मुकदमे में नामजद 12 आरोपितों में से अब तक केवल एक आरोपित की गिरफ्तारी हुई है। अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी न होने से मामले की जांच और पुलिस की कार्रवाई को लेकर सवाल उठ रहे हैं। मामले में मुख्य नामजद आरोपित अभी तक पुलिस की गिरफ्त से बाहर बताए जा रहे हैं। स्थानीय स्तर पर इसे लेकर चर्चाएं तेज हैं।



12 नामजद आरोपितों में अब तक केवल एक की गिरफ्तारी

इतने बड़े ऋण धोखाधड़ी मामले में कार्रवाई की धीमी गति को लेकर लोगों में भी सवाल उठ रहे हैं। पुलिस की ओर से अब तक केवल एक आरोपित को गिरफ्तार किया गया है, जबकि मुकदमे में कुल 12 लोगों के नाम दर्ज हैं। जानकारी के अनुसार, एसबीआई की अमेठी शाखा से जुड़े इस मामले में करीब 6.40 करोड़ रुपये की ऋण धोखाधड़ी का आरोप है। मामला सामने आने के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच के दौरान एक आरोपित को गिरफ्तार किया गया, लेकिन इसके बाद अन्य नामजद आरोपितों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी। मुख्य आरोपितों के अब तक पुलिस की पकड़ से बाहर रहने के कारण मामले में आगे की कार्रवाई को लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं है। डेढ़ महीने का समय बीतने के बाद भी गिरफ्तारी का आंकड़ा एक पर ही रुका हुआ है।

इससे पुलिस की जांच की प्रगति पर सवाल उठ रहे हैं। पुलिस के सामने अब नामजद अन्य आरोपितों तक पहुंचने और मामले से जुड़े तथ्यों की जांच पूरी करने की चुनौती है। ऋण धोखाधड़ी से जुड़े इस मामले में आगे होने वाली कार्रवाई पर सभी की नजर बनी हुई है। पुलिस की ओर से अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी होने की बात कही जा रही है। मामले में आगे की कार्रवाई जांच की प्रगति पर निर्भर करेगी।

स्टांप घोटाले के आरोपित अक्षय गुप्ता की 10 .05 करोड़ की संपत्ति जब्त

एजेंसी, मेरठ

फर्जी स्टांप घोटाले के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए स्टांप वेंडर अक्षय गुप्ता की 10.05 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क कर ली। पुलिस के अनुसार, अक्षय गुप्ता पर फर्जी स्टांप से किए गए 997 बैनामों के मामले में कार्रवाई की गई है। इस मामले में सरकार को 7.50 करोड़ रुपये के राजस्व नुकसान की बात सामने आई है।



गंगानगर और डुंगरावली में अक्षय गुप्ता की संपत्तियों पर पुलिस की कुर्की कार्रवाई।

पुलिस ने अक्षय गुप्ता की गंगानगर और ग्राम डुंगरावली स्थित कोठी तथा भूखंड को कुर्क किया है। इन संपत्तियों की सरकारी कीमत 10 करोड़ 05 लाख रुपये बताई गई है। कार्रवाई के दौरान संबंधित संपत्तियों को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस के मुताबिक अक्षय गुप्ता इस मामले में अधिवक्ता विशाल वर्मा के सहयोगी बताए जा रहे हैं। विशाल वर्मा पर फर्जी स्टांप के जरिए किए गए बैनामों के मामले में मास्टरमाइंड होने का आरोप है। जांच में सामने आया कि अक्षय गुप्ता की गंगानगर स्थित कोठी को विशेष तरीके से तैयार कराया गया था।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में महिला उद्यमियों की बढ़ी पहचान

एजेंसी, लखनऊ। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो में महिला उद्यमियों की बढ़ती भागीदारी महिला सशक्तीकरण की बदलती तस्वीर को सामने ला रही है। यहां महिलाएं पारंपरिक भूमिकाओं से आगे बढ़कर अपने हुनर, मेहनत और कारोबार के जरिए अपनी अलग पहचान बना रही हैं। कभी जिन महिलाओं की पहचान उनके पति, पिता या बेटे के नाम से होती थी, आज वही महिलाएं अपने उद्यम और ब्रांड के नाम से पहचानी जा रही हैं। महिला उद्यमियों की यह यात्रा गांव और स्थानीय स्तर से शुरू होकर बड़े बाजार और वैश्विक मंच तक पहुंच रही है। ट्रेड शो जैसे मंच उन्हें अपने उत्पादों और व्यवसाय को व्यापक स्तर पर प्रदर्शित करने का अवसर दे रहे हैं। इससे महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ने के साथ उनके कारोबार को भी नई संभावनाएं मिल रही हैं। सरकारी योजनाओं और स्वयं सहायता समूहों से मिल रहा सहयोग भी महिलाओं को उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ाने में मददगार साबित हो रहा है।

जेल से रिहाई के बाद शालू का पहला बयान, सुब्रत के आरोपों पर जताई हैरानी

एजेंसी, कानपुर

दवा कारोबारी हत्याकांड में जेल से बाहर आईं बहू शालू ने पहली बार अपनी प्रतिक्रिया दी है। सोमवार शाम जेल से रिहा होने के बाद शालू का चेहरा पूरी तरह ढका हुआ था। वह रो रही थीं। उनके बहन-भाई ने उन्हें संभाला। रिश्तेदार भी उन्हें लेने पहुंचे थे।



उस समय उन्होंने मीडिया से कोई बातचीत नहीं की। बाद में शालू ने अपने अधिवक्ता शिवाकांत दीक्षित के चैंबर में दैनिक जागरण के पत्रकार से बातचीत की। उन्होंने कहा कि जो सच है, वह सबके सामने है। शालू ने दावा किया कि वह शुरुआत से ही कह रही थीं कि उन्होंने कुछ नहीं किया और वह निर्दोष हैं। उनके मुताबिक अब वही सच सामने आया है। शालू ने जेल में बिताए समय को बेहद मुश्किल बताया। उन्होंने कहा कि जेल में उन्हें काफी तकलीफ हुई और हर पल अपने बेटे की याद आती रही।

उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने बेटे को कभी इतनी दूर नहीं रखा था। बेटे से दूर रहना उनके लिए बेहद कठिन रहा। सुब्रत को लेकर पूछे गए सवाल पर शालू ने हैरानी जताई। उन्होंने कहा कि हर घर में थोड़ी-बहुत नोकझोंक होती है, लेकिन उन्हें कभी यह अहसास नहीं हुआ कि सुब्रत उनके बारे में ऐसा सोचते होंगे।

आगरा-ग्वालियर एक्सप्रेसवे से 60 मिनट में पूरा होगा 88 किमी का सफर

एजेंसी, आगरा

आगरा से ग्वालियर का सफर जल्द आसान और तेज होने वाला है। 88 किलोमीटर लंबा और छह लेन का आगरा-ग्वालियर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे तीन राज्यों उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश को बेहतर कनेक्टिविटी देगा। इस एक्सप्रेसवे के बनने के बाद आगरा से ग्वालियर का सफर करीब 60 मिनट में पूरा किया जा सकेगा। अभी इस दूरी को तय करने में दो से तीन घंटे से अधिक समय लग जाता है।



छह लेन का ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे आगरा और ग्वालियर के बीच दूरी घटाकर सफर बनाएगा आसान।

प्रस्तावित एक्सप्रेसवे से आगरा और ग्वालियर के बीच की दूरी करीब 33 किलोमीटर कम हो जाएगी। वर्तमान में दोनों शहरों के बीच दूरी 121 किलोमीटर है। चार लेन की मौजूदा सड़क से इस दूरी को तय करने में करीब दो से ढाई घंटे का समय लगता है। नए मार्ग से समय के साथ ईंधन की भी बचत होने की उम्मीद है। एक्सप्रेसवे का मार्ग उत्तर प्रदेश के आगरा जिले के 14 गांवों से होकर गुजरेगा। इसके अलावा राजस्थान के धौलपुर और मध्य प्रदेश के मुरैना के करीब 30 गांव भी इसकी कनेक्टिविटी से जुड़ेंगे। इससे तीन राज्यों के बीच आवागमन और संपर्क व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

इस परियोजना की खास विशेषता चंबल नदी पर बनने वाला करीब 1600 मीटर लंबा हैंगिंग पुल होगा। इसके जरिए एक्सप्रेसवे को नदी क्षेत्र से जोड़ा जाएगा। छह लेन के इस ग्रीनफील्ड मार्ग से आगरा और ग्वालियर के बीच यात्रा का समय घटने के साथ क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को भी मजबूती मिलने की उम्मीद है।

आरटीओ में बाइक ट्रांसफर के नाम पर पैसे लेने का आरोप, काम नहीं हुआ तो हंगामा

एजेंसी, कानपुर। आरटीओ कार्यालय में बाइक ट्रांसफर के नाम पर रुपये लेने के बाद काम नहीं होने से विवाद हो गया। आवेदक भाई-बहन ने कार्यालय में दलाल की पिटाई कर दी। मामले के बाद आरटीओ अधिकारियों ने जांच के आदेश दिए हैं। आवेदक अमित तिवारी ने बताया कि उसने लाल बंगला निवासी हर्ष सिंह चौहान से बाइक खरीदी थी। बाइक को अपने नाम ट्रांसफर कराने के लिए उन्होंने आरटीओ कार्यालय में काम कराने वाले दलाल को पांच हजार रुपये और जरूरी कागजात दिए थे। आरोप है कि रुपये और कागजात लेने के बावजूद दलाल ने बाइक का ट्रांसफर नहीं कराया। अमित के अनुसार, करीब छह महीने तक वह बाइक ट्रांसफर कराने के लिए दलाल के संपर्क में रहा, लेकिन काम पूरा नहीं हुआ। इस दौरान उसे कागजात भी वापस नहीं किए गए। काफी समय बीतने के बाद जब कोई समाधान नहीं हुआ तो वह अपनी बहन के साथ आरटीओ कार्यालय पहुंचा। वहां बाइक ट्रांसफर को लेकर दलाल से विवाद हो गया। मामला बढ़ने पर भाई-बहन ने दलाल के साथ मारपीट की। आरटीओ कार्यालय में हुए विवाद का वीडियो भी सामने आया है। घटना के बाद कार्यालय में कुछ समय के लिए हंगामे की स्थिति बनी रही। मामले की जानकारी मिलने पर आरटीओ अधिकारियों ने जांच के आदेश दिए। अधिकारियों की ओर से बाइक ट्रांसफर से जुड़े दस्तावेजों, रुपये लेने और छह महीने तक काम नहीं होने के आरोपों की जांच की जा रही है। जांच के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी। आरटीओ अधिकारियों ने मामले से जुड़े दस्तावेज और आरोपों की जांच शुरू कर दी है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बारिश से बर्बाद फसलों का सर्वे जारी खेतों में पहुंचीं राजस्व विभाग की टीमें

एजेंसी, अलीगढ़

शनिवार को हुई बारिश से फसलों को हुए नुकसान का आकलन करने के लिए राजस्व विभाग की टीमें लगातार गांवों में सर्वे कर रही हैं। मंगलवार को भी सुबह से लेखपालों की टीमें प्रभावित गांवों में पहुंचीं और किसानों के खेतों का निरीक्षण कर फसल क्षति का जायजा लिया। जिलाधिकारी के निर्देश पर सभी तहसीलों में सर्वे का काम जारी है। राजस्व विभाग की टीमें खेतों में पहुंचकर बारिश से प्रभावित फसलों की स्थिति देख रही हैं।



सर्वे के दौरान फसल को हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। विभाग की ओर से नुकसान से संबंधित जानकारी जुटाई जा रही है, ताकि पात्र किसानों को नियमानुसार कृषि अनुदान उपलब्ध कराया जा सके। मंगलवार सुबह लेखपालों की टीमें गांव-गांव पहुंचीं। उन्होंने प्रभावित खेतों का निरीक्षण किया और बारिश के कारण फसलों को हुए नुकसान की स्थिति देखी। सर्वे के दौरान किसानों और जनप्रतिनिधियों का भी सहयोग लिया जा रहा है। इससे प्रभावित क्षेत्रों और फसल क्षति का आकलन करने में विभाग को मदद मिल रही है। अधिकारियों के निर्देश पर जिले की सभी तहसीलों में सर्वे का काम किया जा रहा है।

बारिश से प्रभावित किसानों की फसलों का निरीक्षण कर नुकसान का विवरण तैयार किया जा रहा है। विभाग की टीमें लगातार खेतों में पहुंचकर स्थिति का जायजा ले रही हैं। सर्वे पूरा होने के बाद पात्र किसानों को एसडीआरएफ के निर्धारित मानकों के तहत कृषि अनुदान दिए जाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। फिलहाल राजस्व विभाग की टीमें फसल क्षति के आकलन में जुटी हैं। किसानों को उम्मीद है कि सर्वे के आधार पर उन्हें नियमानुसार सहायता मिल सकेगी।

निशाना राजभर ने सोशल मीडिया पोस्ट में शिवपाल और धर्मेंद्र की एंट्री को लेकर किया दावा

'परमिशन' वाले बयान से ओपी राजभर ने अखिलेश यादव पर साधा निशाना

एजेंसी, लखनऊ

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने मंगलवार को सोशल मीडिया के जरिए समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने शिवपाल यादव और धर्मेंद्र यादव के साथ अखिलेश यादव के रिश्तों को लेकर सवाल उठाते हुए एक तीखी पोस्ट की। राजभर ने सपा कार्यालय में दोनों नेताओं के प्रवेश को लेकर टिप्पणी करते हुए अखिलेश यादव पर तंज कसा।

ओमप्रकाश राजभर ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया कि शिवपाल यादव और धर्मेंद्र यादव को समाजवादी पार्टी के कार्यालय में प्रवेश के लिए अखिलेश यादव की अनुमति की जरूरत पड़ती है। उनकी पोस्ट में सपा के भीतर परिवार के सदस्यों और अन्य नेताओं की स्थिति को लेकर सवाल उठाए गए। राजभर ने इसी के जरिए अखिलेश यादव को घेरने का प्रयास किया। राजभर की टिप्पणी ऐसे समय सामने आई है, जब समाजवादी पार्टी और यादव परिवार से जुड़े नेताओं की राजनीतिक गतिविधियां लगातार चर्चा में रहती हैं। शिवपाल यादव सपा के वरिष्ठ नेताओं में शामिल हैं, जबकि धर्मेंद्र यादव भी पार्टी के प्रमुख नेताओं में रहे हैं। ऐसे में दोनों नेताओं को लेकर राजभर की टिप्पणी ने राजनीतिक चर्चा को और बढ़ा दिया है।



अपनी पोस्ट में राजभर ने अखिलेश यादव के साथ शिवपाल और धर्मेंद्र यादव के संबंधों को लेकर सवाल खड़े किए। उन्होंने यह संकेत देने की कोशिश की कि पार्टी कार्यालय में प्रवेश जैसे विषयों को लेकर भी परिवार के नेताओं की स्थिति अलग हो सकती है। हालांकि, यह टिप्पणी राजभर की ओर से सोशल मीडिया पर की गई राजनीतिक प्रतिक्रिया है। राजभर इससे पहले भी विभिन्न राजनीतिक मुद्दों को लेकर विपक्षी दलों और उनके नेताओं पर टिप्पणी करते रहे हैं। इस बार उन्होंने समाजवादी पार्टी के भीतर परिवार की भूमिका और नेताओं की स्थिति को लेकर अखिलेश यादव को निशाने पर लिया है। उनकी पोस्ट में सपा कार्यालय में प्रवेश का मुद्दा प्रमुख रहा। शिवपाल यादव समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और अखिलेश यादव के चाचा हैं। धर्मेंद्र यादव भी यादव परिवार से जुड़े प्रमुख सपा नेताओं में हैं। दोनों का राजनीतिक संबंध समाजवादी पार्टी से रहा है। ऐसे में राजभर की टिप्पणी सीधे तौर पर सपा के संगठन और परिवार से जुड़े समीकरणों पर केंद्रित रही। ओमप्रकाश राजभर उत्तर प्रदेश की राजनीति में सक्रिय प्रमुख नेताओं में हैं और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष हैं। वह प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री भी हैं।

उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से अखिलेश यादव को लेकर अपनी राजनीतिक टिप्पणी सार्वजनिक की। राजभर की इस टिप्पणी पर समाजवादी पार्टी या अखिलेश यादव की ओर से क्या प्रतिक्रिया आती है, इस पर भी नजर रहेगी। फिलहाल उपलब्ध जानकारी में राजभर की सोशल मीडिया पोस्ट ही इस बयान का आधार है। उन्होंने अपनी पोस्ट के जरिए सपा कार्यालय में शिवपाल यादव और धर्मेंद्र यादव के प्रवेश को लेकर सवाल उठाते हुए अखिलेश यादव पर तंज किया है। इस पूरे मामले में राजभर की टिप्पणी को राजनीतिक बयान के तौर पर देखा जा रहा है। उन्होंने सपा के अंदर पारिवारिक संबंधों और नेताओं की स्थिति को लेकर सवाल उठाए हैं।

यूपी के बिजली उपभोक्ताओं को अक्टूबर में राहत, पांच प्रतिशत से अधिक घट सकता है बिल

एजेंसी, लखनऊ

उत्तर प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं को अक्टूबर में भी बिल में राहत मिलने की संभावना है। अक्टूबर में बिजली बिल में पांच प्रतिशत से अधिक की कमी आ सकती है। इसका लाभ प्रदेश के करीब 3.73 करोड़ बिजली उपभोक्ताओं को मिलने की उम्मीद है। जुलाई के ईंधन अधिभार शुल्क में कमी को इसका प्रमुख कारण बताया जा रहा है।



अक्टूबर में घट सकता है बिजली बिल, उपभोक्ताओं को राहत की उम्मीद।

पिछले कुछ महीनों में भी बिजली उपभोक्ताओं को बिल में राहत मिली है। जून में उपभोक्ताओं को 10 प्रतिशत अधिक बिजली बिल देना पड़ा था। इसके बाद जुलाई में बिल में 4.43 प्रतिशत की कमी आई। अगस्त में यह कमी 2.92 प्रतिशत रही। सितंबर में बिजली बिल में रिकॉर्ड 7.93 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। अब अक्टूबर में भी बिल पांच प्रतिशत से अधिक कम होने की संभावना जताई जा रही है।

यूपी के 3.73 करोड़ बिजली उपभोक्ताओं को अक्टूबर में राहत संभव

ईंधन अधिभार शुल्क में बदलाव के कारण बिजली बिल की राशि में यह कमी आने की बात कही जा रही है।

इससे घरेलू समेत अन्य श्रेणी के बिजली उपभोक्ताओं को भी राहत मिल सकती है। हालांकि, वास्तविक बिल में कमी उपभोक्ता की बिजली खपत और लागू शुल्क के आधार पर अलग-अलग हो सकती है। बिजली बिल में लगातार राहत मिलने से उपभोक्ताओं को अक्टूबर में भी राहत की उम्मीद है। करीब 3.73 करोड़ उपभोक्ताओं पर इसका असर पड़ेगा। सितंबर में 7.93 प्रतिशत की कमी के बाद अक्टूबर में पांच प्रतिशत से अधिक की संभावित कटौती उपभोक्ताओं के लिए राहत वाली खबर मानी जा रही है।

जुलाई के ईंधन अधिभार शुल्क में कमी का असर अक्टूबर के बिल में दिखाई देने की संभावना है। ईंधन अधिभार शुल्क में कमी का असर अक्टूबर के बिल में दिखाई दे सकता है। इससे घरेलू सहित अन्य श्रेणी के उपभोक्ताओं को राहत मिलने की संभावना है। हालांकि, वास्तविक बिल में कमी बिजली खपत और लागू शुल्क के आधार पर अलग-अलग हो सकती है। अधिकारियों के अनुसार, करीब 3.73 करोड़ उपभोक्ताओं को इसका लाभ मिल सकता है।

हरियाणा को 'ड्रोन कैपिटल' बनाने की तैयारी, निर्माण और अनुसंधान पर जोर

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने राज्य को 'ड्रोन कैपिटल' बनाने की दिशा में ड्रोन निर्माण और तकनीक से जुड़े अनुसंधान पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि देश और विदेश में ड्रोन की बढ़ती मांग तथा विभिन्न क्षेत्रों में इसके बढ़ते उपयोग को देखते हुए हरियाणा में इस क्षेत्र की संभावनाओं को तलाशने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री ने ड्रोन तकनीक से जुड़े निर्माण, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ड्रोन निर्माण से जुड़े स्टार्टअप, तकनीकी शिक्षा और युवाओं को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इससे राज्य में इस क्षेत्र से संबंधित गतिविधियों को बढ़ावा मिलने के साथ युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा हो सकते हैं। उन्होंने अधिकारियों को ड्रोन तकनीक के क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं पर ध्यान देने और इससे जुड़े अनुसंधान को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ड्रोन का इस्तेमाल कई क्षेत्रों में तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में हरियाणा में ड्रोन निर्माण और तकनीक से जुड़ी गतिविधियों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया जाना जरूरी है।

सरकार की ओर से औद्योगिक मॉडल टाउनशिप के विस्तार और आधुनिकीकरण पर भी जोर दिया जा रहा है। इसके जरिए आधुनिक तकनीक और उद्योगों के लिए आवश्यक सुविधाओं को विकसित करने की दिशा में काम किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि ड्रोन क्षेत्र में स्टार्टअप और युवाओं की भागीदारी बढ़ाने से तकनीकी कौशल को प्रोत्साहन मिलेगा। साथ ही अनुसंधान और नवाचार के लिए नए अवसर तैयार होंगे।

टीजीटी अंग्रेजी चयनित अभ्यर्थियों की वरिष्ठता पर हाई कोर्ट का अहम आदेश

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। हरियाणा में टीजीटी अंग्रेजी पद पर चयनित अभ्यर्थियों की वरिष्ठता और सेवा लाभ का मामला पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट पहुंचा। हाई कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं की मांग पर सीधे लाभ देने के बजाय हरियाणा सरकार को उनकी लंबित मांग पर तीन महीने के भीतर कारणयुक्त आदेश पारित करने का निर्देश दिया है। अदालत ने कहा कि यदि याचिकाकर्ता मांगे गए लाभ के हकदार पाए जाते हैं तो उन्हें तत्काल प्रदान किया जाए। जस्टिस हरप्रीत सिंह बराड़ ने कमलेश देवी व अन्य की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। याचिकाकर्ताओं ने हरियाणा में टीजीटी अंग्रेजी पद के लिए आवेदन किया था। वे आर्थिक रूप से पिछड़ा व्यक्ति सामान्य (ईबीपीजी) श्रेणी के तहत चयन प्रक्रिया में शामिल हुए थे। आयोग की 19 अक्टूबर 2022 की सिफारिश सूची में उनके नाम शामिल किए गए थे। याचिकाकर्ताओं के अनुसार, वर्ष 2022 में चयनित होने के बावजूद उन्हें वर्ष 2024 में नियुक्ति मिली। इसी वजह से वे वर्ष 2022 से वरिष्ठता निर्धारित करने और उससे जुड़े सेवा लाभ दिए जाने की मांग कर रहे हैं।

उनका कहना है कि चयन के बाद नियुक्ति मिलने में हुए विलंब का असर उनकी वरिष्ठता और अन्य सेवा लाभों पर नहीं पड़ना चाहिए। इस मांग को लेकर याचिकाकर्ताओं ने संबंधित अधिकारियों के समक्ष भी अपना पक्ष रखा था। जब उनकी मांग पर अपेक्षित निर्णय नहीं हुआ तो उन्होंने हाई कोर्ट का रुख किया। सुनवाई के दौरान अदालत के समक्ष वरिष्ठता और उससे जुड़े लाभों की मांग रखी गई। हाई कोर्ट ने कहा कि संबंधित अधिकारी याचिकाकर्ताओं की लंबित मांग पर विचार कर तीन महीने के भीतर कारणयुक्त आदेश पारित करें। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि याचिकाकर्ताओं को मांगे गए लाभ का हकदार पाया जाता है तो उन्हें वह लाभ तत्काल प्रदान किया जाए। इस आदेश के बाद अब हरियाणा सरकार के संबंधित विभाग को निर्धारित समय सीमा में याचिकाकर्ताओं की मांग पर निर्णय लेना होगा।

संगतपुरा की बेटी नीरू ढांडा ने एशियाई खेलों में ट्रैप शूटिंग में जीता स्वर्ण पदक

फाइनल में 30 में से 28 निशाने लगाकर नीरू ने बनाया नया एशियाई रिकॉर्ड

भारतेन्दु संवाददाता, जींद



जींद जिले के गांव संगतपुरा की बेटी नीरू ढांडा ने जापान में चल रहे 20वें एशियाई खेलों में महिला ट्रैप शूटिंग की व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। नीरू की इस उपलब्धि से गांव में खुशी का माहौल है। परिवार और ग्रामीण उनकी इस कामयाबी पर जश्न मना रहे हैं। नीरू ने फाइनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए 30 में से 28 सटीक निशाने लगाए और नया एशियाई रिकॉर्ड अपने नाम किया।

नीरू की इस उपलब्धि को इसलिए भी खास माना जा रहा है क्योंकि इससे पहले एशियाई रिकॉर्ड 24 निशानों का था। फाइनल में 28 निशाने लगाकर नीरू ने पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। उनकी सटीक निशानेबाजी ने उन्हें स्वर्ण पदक दिलाने के साथ नया एशियाई रिकॉर्ड भी कायम कराया।

नीरू ने प्रतियोगिता के क्वालिफिकेशन चरण में भी शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने 118 अंक हासिल कर गेम्स रिकॉर्ड बनाया और शीर्ष स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई। इसके बाद फाइनल में भी उन्होंने अपना प्रदर्शन जारी रखा और स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया। इस जीत के साथ नीरू एशियाई खेलों में ट्रैप या स्कीट की व्यक्तिगत स्पर्धा में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला शूटर बन गई हैं। उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि से हरियाणा के साथ-साथ जींद जिले और संगतपुरा गांव में भी खुशी की लहर है। नीरू की उपलब्धि का सफर आसान नहीं रहा। वह डेंगू से उबरने के बाद प्रतियोगिता में उतरीं और इसके बावजूद शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उनकी इस वापसी ने उपलब्धि को और खास बना दिया है। परिवार से किए वादे को पूरा करने की बात भी नीरू ने कही है।

नीरू के स्वर्ण पदक जीतने की खबर मिलते ही संगतपुरा गांव में खुशी का माहौल बन गया। ग्रामीणों और परिवार के लोगों ने उनकी उपलब्धि पर खुशी जताई। गांव की बेटी के एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने से स्थानीय लोगों में उत्साह है। नीरू ने फाइनल में 28 सटीक निशाने लगाकर न केवल स्वर्ण पदक जीता, बल्कि नया एशियाई रिकॉर्ड भी बनाया। क्वालिफिकेशन में 118 अंकों का गेम्स रिकॉर्ड बनाने के बाद फाइनल में भी उनका प्रदर्शन शानदार रहा।

चंडीगढ़ के 645 करोड़ के कथित गबन मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



सार्वजनिक फंड के 645 करोड़ रुपये के कथित गबन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई की। ईडी चंडीगढ़ जोनल ऑफिस-2 की टीम ने चंडीगढ़, मोहाली और पंचकूला में कुल 14 ठिकानों पर तलाशी ली। यह कार्रवाई हरियाणा सरकार, चंडीगढ़ नगर निगम और अन्य से जुड़े सार्वजनिक फंड के कथित गबन की जांच के तहत की गई।

जांच हरियाणा पुलिस की फरवरी 2026 में दर्ज एफआईआर पर आधारित है। एफआईआर में विकास एवं पंचायत विभाग से जुड़े आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के खातों में कथित गड़बड़ियों का उल्लेख किया गया है। ईडी इसी मामले में मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े पहलुओं की जांच कर रही है। तलाशी के दौरान कई ज्वेलरी फर्मों और एक कथित बिचौलिये से जुड़े ठिकानों को खंगाला गया। इनमें मलिक ज्वेलर्स, केएलजी ज्वेल्स, एमबी गोल्ड ट्रेडर्स, शाम ज्वेलर्स और सुंदर ज्वेलर्स शामिल हैं।

इसके अलावा बिचौलिये गौरव कंसल से जुड़े ठिकाने पर भी तलाशी की गई। जांच के अनुसार, कथित गबन की रकम को ज्वेलर्स के बैंक खातों के माध्यम से व्यापारिक लेनदेन के रूप में दिखाकर अलग-अलग स्तरों पर भेजे जाने की बात सामने आई है।

करनाल नगर निगम का क्लर्क पांच हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल



एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने मंगलवार को करनाल नगर निगम के एक क्लर्क को पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपित की पहचान गौरव राणा के रूप में हुई है। आरोप है कि उसने प्रॉपर्टी आईडी में नाम ठीक करने के बदले शिकायतकर्ता से पांच हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी।

जानकारी के अनुसार करनाल निवासी कुलदीप अपनी प्रॉपर्टी आईडी में दर्ज नाम की गलती ठीक कराने के लिए नगर निगम कार्यालय गया था। वहां उसकी मुलाकात क्लर्क गौरव राणा से हुई। शिकायतकर्ता के मुताबिक, क्लर्क ने प्रॉपर्टी आईडी में नाम ठीक करने के काम के बदले उससे पांच हजार रुपये की मांग की। इसके बाद कुलदीप ने मामले की जानकारी एंटी करप्शन ब्यूरो को दी। शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने मामले की जांच की और क्लर्क को रिश्वत लेते पकड़ने के लिए कार्रवाई की योजना बनाई।

मंगलवार सुबह गौरव राणा ने शिकायतकर्ता को रिश्वत की रकम लेकर शहर के पुराने बस स्टैंड के समीप बुलाया। तय योजना के अनुसार शिकायतकर्ता पांच हजार रुपये लेकर वहां पहुंचा। बताया गया कि जैसे ही शिकायतकर्ता ने क्लर्क को रिश्वत के रुपये दिए, एसीबी की टीम ने मौके पर कार्रवाई करते हुए गौरव राणा को पकड़ लिया। टीम ने उसके कब्जे से रिश्वत की रकम भी बरामद की।

इसके बाद आरोपित क्लर्क को गिरफ्तार कर लिया गया। एसीबी की कार्रवाई के बाद नगर निगम में भी मामले को लेकर चर्चा शुरू हो गई। फिलहाल जांच एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि रिश्वत मांगने और लेने के मामले में आरोपित की भूमिका क्या रही और इससे जुड़े अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है।

थानेसर अनाज मंडी में गेट पास नहीं कटने पर किसान ने जताया विरोध

भारतेन्दु संवाददाता, कुरुक्षेत्र। थानेसर अनाज मंडी में गेट पास नहीं कटने से नाराज एक किसान ने जमकर विरोध जताया। किसान ने गेट पास काटने वाले कमरे पर ताला जड़ दिया और सरकार व प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जाहिर की। मामला बढ़ने पर किसान ने जेब से माचिस निकाल ली और आत्मदाह की धमकी देने लगा। किसान गुरचरण सिंह ने गेट पास नहीं काटे जाने पर रोष जताते हुए कहा कि वह यहीं आग लगाकर मर जाएगा। उसने माचिस दिखाते हुए अपना विरोध दर्ज कराया। किसान ने कमरे पर ताला लगाने के बाद प्रशासन के खिलाफ भी नाराजगी जताई। उसके पास ट्रैक्टर खड़ा था और वह गेट पास नहीं बनने से परेशान था। मंडी में किसान के इस विरोध के बाद मौके पर स्थिति तनावपूर्ण हो गई। किसान ने गेट पास जारी करने की व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए अपनी नाराजगी जाहिर की।

टोहाना में चार किलो गांजे के साथ कार बरामद, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद



चार किलो गांजा बरामदगी के मामले में पिछले कई महीनों से फरार चल रहे मुख्य आरोपी को टोहाना पुलिस चौकी की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान राजनगर, टोहाना निवासी गगनदीप के रूप में हुई है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और मामले में आगामी कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक ओमप्रकाश ने मंगलवार को बताया कि 15-16 अप्रैल की रात पुलिस टीम राजनगर टोहाना क्षेत्र में गश्त और अपराध रोकथाम के लिए तैनात थी। इसी दौरान सरकारी अस्पताल के पास एक खाली प्लाट में संदिग्ध हालत में सफेद रंग की स्विफ्ट कार खड़ी दिखाई दी। पुलिस टीम जैसे ही कार के पास पहुंची, वहां मौजूद गगनदीप कार को स्टार्ट छोड़कर दीवार फांदकर अंधेरे का फायदा उठाते हुए मौके से फरार हो गया था।

इसके बाद पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर नियमानुसार तलाशी ली। तलाशी के दौरान कार की डिग्गी में रखे प्लास्टिक के कट्टे से चार किलो गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने स्विफ्ट कार को कब्जे में लेने के साथ जांच के दौरान मिले एक मोटरसाइकिल को भी अपने कब्जे में लिया था। इस संबंध में थाना शहर टोहाना में आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था।

हरियाणा सरकार को आईटीआई इंस्ट्रक्टरों के मामले में कारणयुक्त आदेश देने के निर्देश

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



हरियाणा में वर्ष 2011 से 2014 के बीच संविदा आधार पर नियुक्त आईटीआई इंस्ट्रक्टरों के नियमितीकरण की मांग पर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को समयबद्ध निर्णय लेने का निर्देश दिया है। जस्टिस हरप्रीत सिंह बराड़ ने सरोज व अन्य की याचिका का निपटारा करते हुए संबंधित अधिकारी को याचिकाकर्ताओं के कानूनी नोटिस पर तीन महीने के भीतर कारणयुक्त आदेश पारित करने को कहा है।

याचिकाकर्ताओं ने हाई कोर्ट में दायर याचिका में बताया था कि उन्हें निर्धारित चयन प्रक्रिया के बाद स्वीकृत पदों के विरुद्ध आईटीआई इंस्ट्रक्टर के रूप में संविदा आधार पर नियुक्त किया गया था। उनकी नियुक्तियां वर्ष 2011 से 2014 के बीच हुई थीं। याचिकाकर्ताओं के अनुसार वे लगातार बिना किसी सेवा अंतराल के अपनी सेवाएं दे रहे हैं और निर्धारित शैक्षणिक योग्यता भी रखते हैं। याचिकाकर्ताओं ने अदालत को बताया कि वे दस वर्ष से अधिक की निरंतर सेवा पूरी कर चुके हैं। इसी आधार पर उन्होंने अपनी सेवाओं को नियमित करने की मांग की थी।

नियमितीकरण के लिए उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के जग्गो बनाम भारत संघ मामले में दिए गए फैसले और पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के जोगिंदर बनाम हरियाणा सरकार मामले में दिए निर्देशों का भी हवाला दिया। याचिकाकर्ताओं ने नियमितीकरण के अलावा वेतन निर्धारण, बकाया राशि और 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज समेत अन्य परिणामी लाभ देने की मांग भी रखी थी। उनका कहना था कि लंबे समय से लगातार सेवा देने के बावजूद उन्हें नियमित कर्मचारी का दर्जा नहीं मिला है। हाई कोर्ट ने मामले के गुण-दोष पर सीधे नियमितीकरण का आदेश देने के बजाय संबंधित अधिकारी को याचिकाकर्ताओं के कानूनी नोटिस पर विचार कर निर्णय लेने का निर्देश दिया।

अदालत ने स्पष्ट किया कि इस संबंध में तीन महीने के भीतर कारणयुक्त आदेश पारित किया जाए। इस आदेश के बाद 2011 से 2014 के बीच नियुक्त संविदा आईटीआई इंस्ट्रक्टरों की नियमितीकरण की मांग पर अब राज्य सरकार के संबंधित अधिकारी को निर्धारित समयसीमा में निर्णय लेना होगा। याचिकाकर्ताओं ने अदालत के समक्ष अपनी लंबे समय की सेवा और नियुक्ति प्रक्रिया से जुड़े तथ्यों को आधार बनाते हुए नियमितीकरण तथा उससे जुड़े अन्य लाभों की मांग की थी।

एमडीयू में छात्राओं को 24 घंटे रीडिंग हॉल देने की मांग, वीसी को सौंपा ज्ञापन

भारतेन्दु संवाददाता, रोहतक



महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) में छात्राओं के लिए 24 घंटे रीडिंग हॉल उपलब्ध कराने की मांग को लेकर मिशन इक्वेलिटी स्टूडेंट आर्गेनाइजेशन (मीशो) ने विरोध जताया। छात्र संगठन ने इस संबंध में विश्वविद्यालय के कुलपति को ज्ञापन सौंपकर समस्या का समाधान करने की मांग की। संगठन ने मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन शुरू करने की चेतावनी भी दी।

मीशो छात्र संगठन के महासचिव नकुल ने कहा कि छात्राओं की पढ़ाई पर पाबंदियां क्यों लगाई जा रही हैं। उनका कहना है कि छात्राओं को पढ़ाई के लिए 24 घंटे रीडिंग हॉल की सुविधा नहीं मिल रही है। इससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि छात्राओं को देर तक पढ़ाई करने के लिए उचित स्थान की जरूरत होती है, खासकर परीक्षा के दिनों में परेशानी बढ़ जाती है। संगठन का कहना है कि परीक्षा के समय छात्राओं को लंबे समय तक पढ़ाई करनी पड़ती है। ऐसे में रीडिंग हॉल की सुविधा सीमित होने से उन्हें दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। छात्र संगठन ने विश्वविद्यालय प्रशासन से मांग की कि छात्राओं की पढ़ाई को ध्यान में रखते हुए 24 घंटे रीडिंग हॉल उपलब्ध कराया जाए।

मीशो की ओर से कुलपति को सौंपे गए ज्ञापन में छात्राओं की समस्या का समाधान जल्द करने की मांग की गई। संगठन ने कहा कि यदि मांग पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो वह आंदोलन का रास्ता अपनाएगा। छात्र संगठन ने विश्वविद्यालय प्रशासन से छात्राओं की पढ़ाई से जुड़ी समस्या को गंभीरता से लेते हुए उचित व्यवस्था करने की अपील की। छात्र संगठन ने कुलपति को ज्ञापन सौंपकर छात्राओं की समस्या का जल्द समाधान करने की मांग उठाई।

होटल में संदिग्ध हालत में मिला 32 वर्षीय युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल। मीरा घाटी के पास स्थित एक होटल में मंगलवार को 32 वर्षीय युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान कुलविंद्र के रूप में हुई है। शव मिलने की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच करने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी हाउस पहुंचाया। मृतक के परिजनों ने युवक की मौत को सामान्य नहीं मानते हुए हत्या की आशंका जताई है। परिजनों का आरोप है कि कुलविंद्र की हत्या की गई है। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और होटल में युवक के पहुंचने तथा वहां उसके साथ मौजूद लोगों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी हाउस ले जाने के बाद वहां मृतक के परिजन और ससुराल पक्ष भी आमने-सामने हो गए। दोनों पक्षों के बीच विवाद की स्थिति बन गई। इससे मौके पर कुछ समय के लिए तनाव का माहौल रहा। पुलिस पूरे मामले के विभिन्न पहलुओं की जांच कर रही है। फिलहाल पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर ही मौत के कारणों को स्पष्ट किया जा सकेगा। परिजनों के आरोपों को भी जांच में शामिल किया जा रहा है। युवक की संदिग्ध मौत के बाद परिवार में मातम का माहौल है। पुलिस होटल के सीसीटीवी फुटेज और वहां मौजूद लोगों से पूछताछ के आधार पर मामले की कड़ियां जोड़ने में जुटी है।

न्यूज ब्रीफ

गुरुग्राम के बाजारों की सफाई में उतरीं पांच वेस्ट पिकर मशीनें

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम। शहर के मुख्य बाजारों को साफ-सुथरा रखने के लिए नगर निगम ने आधुनिक वेस्ट पिकर मशीनों का इस्तेमाल शुरू किया है। पायलट प्रोजेक्ट के तहत शुरुआती चरण में पांच मशीनें मंगवाई गई हैं। इन्हें सदर बाजार के अलग-अलग हिस्सों में तैनात किया गया है। इन मशीनों की मदद से बाजारों की तंग गलियों और ऐसे स्थानों पर सफाई आसान होने की उम्मीद है, जहां बड़े सफाई वाहनों को पहुंचने में परेशानी होती है। मशीनों को खासतौर पर रेपर, कागज और अन्य हल्के कचरे को उठाने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। इनके संचालन के लिए सफाई कर्मचारियों को प्रशिक्षण भी दिया गया है। नगर निगम के अनुसार, पायलट प्रोजेक्ट के परिणामों के आधार पर आगे शहर के अन्य बाजारों में भी ऐसी मशीनें तैनात की जा सकती हैं। इससे बाजारों की सफाई व्यवस्था को आधुनिक बनाने में मदद मिलेगी।

पानीपत में बच्ची की मौत पर बढ़ा विवाद, परिजनों ने लगाए गंभीर आरोप

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत। जिले के खोतपुरा गांव में दो साल की बच्ची सीमा देवी की मौत के बाद परिजनों में विवाद हो गया। बच्ची की मां मिथलेश देवी और मामा प्रवेश उसके शव को लेकर जिला नागरिक अस्पताल के शव गृह पहुंचे और पोस्टमार्टम की मांग की। मां और मामा का आरोप है कि बच्ची के दादा-दादी और चाचा उसकी मौत के लिए उन्हें जिम्मेदार मान रहे हैं और पुलिस में शिकायत देने की बात कह रहे हैं। इसी आशंका के चलते दोनों बच्ची का पोस्टमार्टम कराने पहुंचे। परिजनों ने दादा-दादी पर 50 हजार रुपये मांगने का भी आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जानकारी जुटा रही है। मां-मामा ने बच्ची के दादा-दादी पर मौत का जिम्मेदार ठहराने और 50 हजार रुपये मांगने का आरोप लगाया, पोस्टमार्टम कराया।

फर्जी शिकायत से पदोन्नति रोकने की कोशिश, पूर्व निदेशक समेत तीन पर केस

भारतेन्दु संवाददाता, पंचकूला। हरियाणा के अभियोजन विभाग के पूर्व निदेशक नरशेर सिंह, अभियोजन निदेशालय में तैनात एडीए करण कपूर और एक अन्य के खिलाफ फर्जी शिकायत के जरिए पदोन्नति रोकने की कोशिश के आरोप में केस दर्ज हुआ है। यह कार्रवाई अभियोजन विभाग के निदेशक पद से सेवानिवृत्त सुखबीर सिंह गोयत की शिकायत पर की गई है। गोयत ने पंचकूला के सेक्टर-14 थाने में शिकायत दी थी। शिकायत के अनुसार, वर्ष 2020 में वह हरियाणा पुलिस महानिदेशक कार्यालय में अभियोजन विभाग के अतिरिक्त निदेशक के पद पर तैनात थे। आरोप है कि उनकी पदोन्नति रोकने के उद्देश्य से फर्जी शिकायत का इस्तेमाल किया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर पूर्व निदेशक समेत तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले में शिकायत से जुड़े तथ्यों और आरोपों की जांच की जा रही है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर तीनों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायत से जुड़े तथ्यों और आरोपों की भी जांच की जा रही है।

सीबीएलयू में एडवांस भुगतान की निगरानी पर सवाल ऑडिट जांच में दस्तावेज और रिकॉर्ड नहीं मिले

भारतेन्दु संवाददाता, भिवानी



चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय (सीबीएलयू) में करोड़ों रुपये के एडवांस भुगतान का मामला सामने आया है। वित्त वर्ष 2024-25 की लेखापरीक्षा जांच में विश्वविद्यालय की ओर से विभिन्न कार्यों के लिए जारी की गई अग्रिम राशि के उपयोग और उसके समायोजन को लेकर सवाल उठे हैं। ऑडिट के दौरान कुछ भुगतानों से संबंधित दस्तावेज और रिकॉर्ड स्पष्ट रूप से प्रस्तुत नहीं किए जा सके।

लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुसार, विश्वविद्यालय ने केवल निर्माण एजेंसी वैपकोस लिमिटेड को ही एडवांस राशि जारी नहीं की, बल्कि अपनी अलग-अलग शाखाओं, अधिकारियों, शिक्षकों और बाहरी एजेंसियों को भी विभिन्न कार्यों के लिए बड़ी रकम अग्रिम तौर पर दी। अब इन रकमों के उपयोग, समायोजन और शेष राशि की स्थिति से संबंधित रिकॉर्ड की जांच की जा रही है। ऑडिट जांच में सामने आया कि जिन कार्यों के लिए एडवांस भुगतान किया गया, उनमें से कुछ के संबंध में राशि के इस्तेमाल का पूरा विवरण उपलब्ध नहीं कराया जा सका।

इसके अलावा कई मामलों में समायोजन से जुड़े रिकॉर्ड भी लेखापरीक्षा टीम के सामने स्पष्ट रूप से प्रस्तुत नहीं हो सके। इससे विश्वविद्यालय की अग्रिम राशि जारी करने के बाद उसकी निगरानी और हिसाब-किताब रखने की प्रक्रिया पर सवाल उठे हैं। मामला सामने आने के बाद अब विश्वविद्यालय के संबंधित विभागों और शाखाओं से एडवांस भुगतान से जुड़े दस्तावेज जुटाए जा रहे हैं। इसमें यह देखा जा रहा है कि किस कार्य के लिए कितनी राशि जारी की गई, उसका उपयोग किस प्रकार किया गया और कितनी राशि का समायोजन किया गया। साथ ही शेष रकम की स्थिति भी रिकॉर्ड के आधार पर स्पष्ट की जा रही है।

एडवांस भुगतान की प्रक्रिया में राशि जारी करने के बाद उसके उपयोग और समायोजन का रिकॉर्ड महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसे में ऑडिट रिपोर्ट में दस्तावेज और रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होने का उल्लेख विश्वविद्यालय की वित्तीय प्रक्रिया पर ध्यान खींचता है। फिलहाल लेखापरीक्षा में सामने आए इन बिंदुओं के आधार पर संबंधित रिकॉर्ड की पड़ताल की जा रही है।

साढ़े चार साल पुराने मामले में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने सुनाया फैसला

पति की हत्या कर गटर में फेंका शव, महिला और प्रेमी को उम्रकैद

भारतेन्दु संवाददाता, पंचकूला



- अदालत ने दोनों दोषियों पर लगाया 52 हजार रुपए जुर्माना

पति की हत्या कर शव गटर में फेंकने के करीब साढ़े चार साल पुराने मामले में अदालत ने महिला और उसके प्रेमी को उम्रकैद की सजा सुनाई है। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश बिक्रमजीत अरोड़ा की अदालत ने मंगलवार को मामले में फैसला सुनाया। अदालत ने दोषी अनिता देवी और उसके प्रेमी संजय कुमार पर कुल 52 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने दोनों को शुक्रवार को ही दोषी करार दिया था।

इसके बाद मंगलवार को सजा के बिंदु पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान सरकारी वकील प्रदीप शर्मा ने अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत में पेश किए गए साक्ष्यों का हवाला देते हुए दोषियों के लिए कड़ी सजा की मांग की। सरकारी वकील ने दलील दी कि मामला गंभीर अपराध से जुड़ा है और दोषियों को अधिकतम सजा दी जानी चाहिए। अभियोजन पक्ष के अनुसार, मामले में महिला अनिता देवी और संजय कुमार पर उसके पति की हत्या करने और शव को गटर में ठिकाने लगाने का आरोप था। घटना के बाद मामले की जांच की गई और पुलिस ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर दोनों के खिलाफ कार्रवाई की। मामला अदालत में पहुंचने के बाद अभियोजन पक्ष की ओर से विभिन्न साक्ष्य और गवाह पेश किए गए।

करीब साढ़े चार साल तक चली कानूनी प्रक्रिया के बाद अदालत ने दोनों आरोपितों को दोषी माना। इसके बाद अदालत ने दोनों को उम्रकैद की सजा सुनाई। साथ ही दोनों पर 52 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। मामले में अदालत के फैसले के बाद अभियोजन पक्ष की ओर से रखी गई दलीलों और पेश किए गए साक्ष्यों पर भी चर्चा हुई। सरकारी वकील प्रदीप शर्मा ने सुनवाई के दौरान अदालत को बताया कि अपराध की गंभीरता को देखते हुए दोषियों के प्रति नरमी नहीं बरती जानी चाहिए। उन्होंने अदालत से दोनों को अधिकतम सजा देने की मांग की। अदालत ने मामले से जुड़े तथ्यों और उपलब्ध साक्ष्यों पर विचार करने के बाद दोनों को उम्रकैद की सजा सुनाई। यह मामला पंचकूला में पति की हत्या कर शव को गटर में फेंकने से जुड़ा था। घटना के बाद पुलिस जांच में मामले की परतें खुलीं और महिला तथा उसके प्रेमी को आरोपी बनाया गया।

मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने अदालत के समक्ष अपना पक्ष रखा। अदालत के फैसले के साथ ही साढ़े चार साल पुराने इस मामले में दोषियों को सजा मिलने की प्रक्रिया पूरी हुई। अनिता देवी और संजय कुमार को अब उम्रकैद की सजा भुगतनी होगी। इसके अलावा अदालत द्वारा लगाया गया 52 हजार रुपये का जुर्माना भी उन्हें भरना होगा। मामले में अदालत के फैसले को लेकर सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से लगातार यह तर्क दिया गया कि अपराध की गंभीरता को देखते हुए दोषियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

दिल्ली के बदरपुर में दर्दनाक हादसा, एक की मौत

ट्रक में पीछे से जा घुसी कार, एक व्यक्ति की मौत, तीन अस्पताल में भर्ती

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली के बदरपुर मेट्रो स्टेशन के सामने मंगलवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। फरीदाबाद से दिल्ली की ओर आ रही तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़े एक ट्रक में पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में कार सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, हादसा मंगलवार तड़के करीब तीन बजे हुआ। कार फरीदाबाद की ओर से दिल्ली की तरफ आ रही थी।

बदरपुर मेट्रो स्टेशन के सामने सड़क किनारे एक ट्रक खड़ा था। इसी दौरान तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर ट्रक के पिछले हिस्से में जा टकराई। टक्कर के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। दुर्घटना में कार सवार चार लोग प्रभावित हुए। इनमें से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस और अन्य लोगों की मदद से घायलों को कार से बाहर निकाला गया और उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि कार में सवार सभी लोग फरीदाबाद के आली गांव के रहने वाले थे। हादसे के बाद पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और दुर्घटना से जुड़े तथ्यों की जानकारी जुटाई।



क्षतिग्रस्त कार और सड़क किनारे खड़े ट्रक की स्थिति को भी जांच का हिस्सा बनाया गया है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि हादसा किन परिस्थितियों में हुआ। प्रारंभिक जानकारी में कार की तेज रफ्तार को हादसे की वजह बताया जा रहा है, हालांकि दुर्घटना के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी। हादसे के कारण कुछ समय के लिए घटनास्थल पर यातायात प्रभावित हुआ। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए सड़क पर स्थिति सामान्य कराई।

मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजे जाने की प्रक्रिया की गई है और उसके परिजनों को घटना की जानकारी दी गई। फिलहाल तीनों घायलों का अस्पताल में उपचार चल रहा है।

पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और हादसे से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जानकारी जुटाई जा रही है। तड़के हुए इस हादसे ने एक बार फिर तेज रफ्तार में वाहन चलाने और सड़क किनारे खड़े वाहनों को लेकर सावधानी बरतने की जरूरत को सामने रखा है। बदरपुर मेट्रो स्टेशन के सामने तड़के तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़े ट्रक में जा घुसी। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हुए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

राजू सिंह की सजा पर रोक से दिल्ली हाईकोर्ट का इनकार

एजेंसी ,नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने हर्ष फायरिंग के दौरान महिला की मौत के मामले में दोषी ठहराए गए बिहार के साहेबगंज से भाजपा विधायक राजू कुमार सिंह की दोषसिद्धि पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। अदालत ने मंगलवार को उनकी याचिका खारिज कर दी। मामले में निचली अदालत ने उन्हें दोषी ठहराते हुए चार वर्ष के कारावास की सजा सुनाई थी। यह मामला 31 दिसंबर 2018 की रात दिल्ली के फतेहपुर बेरी इलाके में नए वर्ष के जश्न के दौरान हुई कथित हर्ष फायरिंग से जुड़ा है।



हर्ष फायरिंग केस में पूर्व विधायक को झटका

इस घटना में गोली लगने से एक महिला की मौत हो गई थी। निचली अदालत ने मामले की सुनवाई के बाद राजू कुमार सिंह को गैर इरादतन हत्या से संबंधित भारतीय दंड संहिता की धारा 304 के भाग दो और शस्त्र अधिनियम की धारा 30 के तहत दोषी ठहराया था। निचली अदालत के फैसले के बाद राजू कुमार सिंह ने अपनी दोषसिद्धि और सजा को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी।

उनकी ओर से दोषसिद्धि पर रोक लगाने की मांग की गई थी, ताकि अपील लंबित रहने के दौरान सजा और उससे जुड़े कानूनी प्रभावों पर रोक लग सके। हाईकोर्ट ने हालांकि इस मांग को स्वीकार नहीं किया। इस मामले में निचली अदालत ने राजू कुमार सिंह को चार वर्ष के साधारण कारावास की सजा सुनाई थी। अदालत ने मृतका के परिवार को 25 लाख रुपये मुआवजा देने का निर्देश भी दिया था। मामले की सुनवाई सांसदों और विधायकों से जुड़े मामलों के लिए निर्धारित विशेष अदालत में हुई थी।

मेरठ फर्जी स्टांप घोटाला: आरोपी अक्षय की 10.05 करोड़ की संपत्ति कुर्क

एजेंसी ,नई दिल्ली

मेरठ में साढ़े सात करोड़ रुपये के फर्जी स्टांप घोटाले के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। घोटाले के आरोपी स्टांप विक्रेता अक्षय गुप्ता की करीब 10.05 करोड़ रुपये कीमत की संपत्ति कुर्क कर ली गई है। यह कार्रवाई सरकार को राजस्व नुकसान पहुंचाने के मामले में की गई है।

पुलिस के अनुसार, अक्षय गुप्ता पर अधिवक्ता विशाल वर्मा के सहयोगी के रूप में फर्जी स्टांप के जरिए बड़े पैमाने पर राजस्व नुकसान पहुंचाने का आरोप है। मामले की जांच के दौरान सामने आया कि फर्जी स्टांप के आधार पर 997 बैनामे किए गए थे। इन दस्तावेजों के जरिए सरकार को करीब 7.50 करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान होने की बात सामने आई है। इसी मामले में अक्षय गुप्ता को घोटाले में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला आरोपी बताया गया है। पुलिस ने गंगानगर और ग्राम डुंगरावली स्थित उसकी कोठी को कुर्क किया है।

कुर्क की गई संपत्तियों की सरकारी कीमत 10 करोड़ 05 लाख रुपये आंकी गई है। बताया गया है कि गंगानगर स्थित कोठी के निर्माण और सजावट में महंगे इटालियन पत्थर का इस्तेमाल किया गया था।

बिजली कटौती से मिलेगी राहत, गुरुग्राम के 9 सेक्टरों में जल्द पहुंचेगी पर्याप्त बिजली



एजेंसी ,नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर युवाओं और नए उद्यमियों को रक्षा एवं एयरोस्पेस विनिर्माण से जोड़ने का मंच बन रहा है। इसकी एक प्रेरक कहानी डेटम एडवांस्ड कंपोजिट्स के सह-संस्थापक और उप प्रबंध निदेशक तन्मय तिवारी ने यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में यूपीडा के विशेष सत्र के दौरान साझा की।

तन्मय तिवारी ने यूके से एयरोस्पेस इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद भारत लौटकर रक्षा विनिर्माण के क्षेत्र में अपना कारोबार शुरू किया। उन्होंने बेहद सीमित संसाधनों के साथ महज एक बीएचके फ्लैट से अपनी कंपनी की शुरुआत की। शुरुआती संघर्षों के बाद उनका कारोबार लगातार आगे बढ़ता गया और आज उनकी कंपनी रक्षा क्षेत्र के लिए उन्नत तथा हल्के कंपोजिट उपकरण तैयार कर रही है। तन्मय की कंपनी अब उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में करीब 80,000 वर्गफुट क्षेत्र में अत्याधुनिक फैक्ट्री स्थापित कर रही है। इस परियोजना के शुरू होने के बाद करीब 200 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की उम्मीद है,

जबकि लगभग 1,500 लोगों के लिए अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होने की बात कही गई है। तन्मय ने बताया कि उत्तर प्रदेश में रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र में तेजी से विकसित हो रहा औद्योगिक माहौल नए उद्यमियों के लिए अवसर पैदा कर रहा है।

रेड बुल को बड़ी राहत, 'एनर्जी ड्रिंक' मामले में एफएसएसएआई का आदेश रद्द

एजेंसी ,नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने रेड बुल को बड़ी राहत देते हुए भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें कंपनी को अपने उत्पाद पर 'एनर्जी ड्रिंक' शब्द का इस्तेमाल बंद करने का निर्देश दिया गया था। अदालत ने कहा कि आदेश जारी करने से पहले कंपनी को अपना पक्ष रखने और स्पष्टीकरण देने का उचित अवसर नहीं दिया गया। न्यायमूर्ति अमित महाजन ने रेड बुल की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि 30 जून 2026 को जारी आदेश कंपनी को जवाब देने का अवसर दिए बिना पारित किया गया था।

इसी आधार पर अदालत ने एफएसएसएआई के आदेश को रद्द कर दिया। हालांकि, अदालत के फैसले का यह अर्थ नहीं है कि रेड बुल को हमेशा के लिए अपने उत्पाद पर 'एनर्जी ड्रिंक' लिखने की



अनुमति मिल गई है। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि एफएसएसएआई उचित कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए इस मामले पर नए सिरे से निर्णय ले सकता है।

इसके लिए प्राधिकरण को पहले रेड बुल को कारण बताओ नोटिस जारी करना होगा। कंपनी को अपना पक्ष रखने और सुनवाई का पूरा अवसर देने के बाद ही आगे का निर्णय लिया जा सकेगा। रेड बुल ने 30 जून के एफएसएसएआई आदेश को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। इसके बाद 17 जुलाई को देशभर के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को भेजी गई एक अन्य सूचना को भी कंपनी ने अदालत में चुनौती दी थी। एफएसएसएआई ने रेड बुल के कैफीनयुक्त पेय उत्पादों पर 'एनर्जी ड्रिंक' शब्द के इस्तेमाल को लेकर आपत्ति जताई थी।

मामले की सुनवाई के दौरान रेड बुल की ओर से कहा गया कि कंपनी भारत में वर्ष 2002 से अपने उत्पादों पर 'एनर्जी ड्रिंक' शब्द का इस्तेमाल करती आ रही है। कंपनी ने यह भी दलील दी कि एफएसएसएआई पहले कैफीनयुक्त पेय पदार्थों की श्रेणी में इस शब्द के इस्तेमाल को मान्यता देता रहा है।

गुरुग्राम-फरीदाबाद की 3 सड़कों पर अब लगेगा टोल, 350 रुपये तक शुल्क

एजेंसी, नई दिल्ली

एनसीआर के गुरुग्राम-फरीदाबाद क्षेत्र की तीन सड़कों पर सफर करने वाले वाहन चालकों को अब टोल टैक्स देना होगा। लोक निर्माण विभाग ने टोल वसूली को लेकर अधिसूचना जारी की है। इसके तहत अधिकतम 350 रुपये तक टोल दर निर्धारित की गई है। अधिसूचना का उद्यमियों ने विरोध शुरू कर दिया है। टोल से गुजरने वाले कारोबारियों का कहना है कि टोल खत्म करने के बजाय वसूली के नए नियम लागू किए जा रहे हैं, जिससे वाहन चालकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ेगा। बताया गया है कि इन मार्गों से रोजाना 50 हजार से अधिक वाहन गुजरते हैं। ऐसे में बड़ी संख्या में लोगों को नई टोल व्यवस्था का सामना करना पड़ेगा। विभाग ने अलग-अलग श्रेणी के वाहनों के लिए दरें निर्धारित की हैं, जबकि कुछ वाहन और लोगों को नियमों के तहत छूट दिए जाने का प्रावधान भी है।

न्यूज ब्रीफ

इलाज के दौरान 48 वर्षीय महिला की मौत, परिजनों ने अस्पताल घेरा



एजेंसी ,नई दिल्ली पानीपत में सनौली रोड स्थित एक निजी अस्पताल में रविवार रात इलाज के दौरान 48 वर्षीय महिला की मौत हो गई। महिला की पहचान उत्तर प्रदेश के कैराना निवासी कमलेश के रूप में हुई है। मौत की सूचना मिलने के बाद परिजनों और स्वजन ने अस्पताल प्रबंधन पर इलाज में लापरवाही बरतने और अधिक रुपये लेने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। परिजनों का आरोप था कि महिला के इलाज के नाम पर अस्पताल की ओर से उनसे पैसे लिए गए, लेकिन इसके बावजूद उसकी जान नहीं बच सकी। महिला की मौत के बाद स्वजन अस्पताल के बाहर एकत्र हो गए और प्रबंधन के खिलाफ नाराजगी जताई। हंगामे की सूचना मिलते ही चांदनीबाग थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने परिजनों से बातचीत कर उन्हें शांत कराया और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस की मौजूदगी में अस्पताल परिसर में तनावपूर्ण स्थिति को संभाला गया। फिलहाल परिजनों की ओर से लगाए गए लापरवाही और अधिक पैसे लेने के आरोपों की पूरी स्थिति स्पष्ट नहीं है।

फरीदाबाद बोरवेल हादसा: दो घंटे सुनाई दी नेहा की आवाज, फिर छाया सन्नाटा



एजेंसी, नई दिल्ली फरीदाबाद के सिही गांव में रविवार शाम तीन वर्षीय बच्ची नेहा बोरवेल में गिर गई। हादसे के बाद करीब दो घंटे तक बोरवेल के अंदर से बच्ची की आवाज सुनाई देती रही। बाहर खड़े परिजन उसकी हर आवाज के साथ सुरक्षित बाहर आने की उम्मीद लगाए रहे। पिता लगातार बेटी का नाम पुकारते रहे और बचाव दल उसे बाहर निकालने की कोशिश करता रहा। बच्ची को बचाने के लिए करीब दस घंटे तक अभियान चलाया गया। बचाव दल को बोरवेल में पानी भरा होने और बच्ची के सिर के बल गिरने जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ा। लगातार प्रयासों के बावजूद बच्ची को बाहर नहीं निकाला जा सका। काफी प्रयास के बाद नेहा को बोरवेल से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। बच्ची की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। हादसे ने पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया। फरीदाबाद के सिही गांव में तीन वर्षीय नेहा बोरवेल में गिरी। दस घंटे चले बचाव अभियान के बाद भी मासूम को नहीं बचाया जा सका।

प्रयागराज में रोहित मिश्र ने कार्यकर्ताओं में भरा जोश, 2027 की तैयारी का आह्वान

एजेंसी ,नई दिल्ली

भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रोहित मिश्र सोमवार को प्रयागराज पहुंचे। नया दायित्व मिलने के बाद पहली बार संगम नगरी पहुंचने पर कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने जगह-जगह उनका जोरदार स्वागत किया। उनके आगमन को लेकर युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। पार्टी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान रोहित मिश्र ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों में अभी से पूरी ताकत के साथ जुटने का आह्वान किया।



उन्होंने कहा कि चुनाव की तैयारी केवल चुनाव के समय नहीं, बल्कि लगातार संगठनात्मक गतिविधियों के जरिए करनी होगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने और युवाओं को अधिक से अधिक पार्टी से जोड़ने पर जोर दिया। रोहित मिश्र ने प्रयागराज को अपनी राजनीतिक कर्मभूमि बताते हुए कहा कि इस शहर से उनका विशेष जुड़ाव है।

उन्होंने कहा कि प्रयागराज में संगठन को मजबूत करने और सभी सीटों पर पार्टी को मजबूत स्थिति में लाने के लिए वह पूरी मेहनत करेंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर संगठन के लिए काम करने की अपील की। युवा कार्यकर्ताओं में उत्साह भरते हुए रोहित मिश्र ने कहा कि वह युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं के साथ हमेशा खड़े रहेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन में प्रत्येक कार्यकर्ता की भूमिका महत्वपूर्ण है और सभी को जिम्मेदारी की भावना के साथ काम करना चाहिए। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी को ऐसा संगठन बताया, जहां सामान्य पृष्ठभूमि से आने वाला कार्यकर्ता भी मेहनत और समर्पण के बल पर बड़ी जिम्मेदारी हासिल कर सकता है।

आप नेताओं पर एफआईआर के बाद दिल्ली पुलिस मुख्यालय पर प्रदर्शन

एजेंसी ,नई दिल्ली

दिल्ली के तिलक नगर में सड़क निरीक्षण के दौरान हुआ विवाद अब पुलिस कार्रवाई और राजनीतिक प्रदर्शन तक पहुंच गया है। पुलिस ने पुलिसकर्मी से कथित मारपीट और सरकारी काम में बाधा डालने के आरोपों से जुड़े मामले में आम आदमी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। इस मामले में आप नेता सौरभ भारद्वाज और विधायक जरनैल सिंह के नाम भी सामने आए हैं।

विवाद की शुरुआत तिलक नगर इलाके में सड़क की गुणवत्ता को लेकर हुई थी। लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश वर्मा सड़क का निरीक्षण करने पहुंचे थे। मौके पर स्थानीय आप विधायक जरनैल सिंह और उनके समर्थक भी मौजूद थे। निरीक्षण के दौरान सड़क निर्माण की गुणवत्ता को लेकर दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस हुई। इसी दौरान एक युवक के साथ कथित तौर पर मारपीट और थप्पड़ मारने की घटना सामने आई। घटना का वीडियो सामने आने के बाद मामला और चर्चा में आ गया। इसके बाद दोनों पक्षों की ओर से पुलिस में शिकायतें दी गईं। पुलिस ने पूरे घटनाक्रम से संबंधित शिकायतों और उपलब्ध साक्ष्यों को जांच में शामिल किया है। पुलिस के अनुसार, आप विधायक जरनैल सिंह के खिलाफ सरकारी काम में बाधा डालने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। वहीं प्रवेश वर्मा के खिलाफ थप्पड़ मारने की शिकायत के संबंध में असंज्ञेय रिपोर्ट दर्ज की गई है।



तिलक नगर विवाद में आप नेताओं पर एफआईआर दर्ज

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से दो नए शहर जुड़ेंगे, 1 अक्टूबर से शुरू होगी सीधी उड़ान

एजेंसी, नई दिल्ली

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर से हवाई यात्रियों के लिए कनेक्टिविटी लगातार बढ़ रही है। इसी क्रम में अकासा एयर 1 अक्टूबर से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से कोलकाता और बेंगलुरु के लिए सीधी उड़ान सेवाएं शुरू करने जा रही है। इन दोनों प्रमुख शहरों के लिए सीधी फ्लाइट शुरू होने से यात्रियों को आने-जाने के लिए एक नया और सुविधाजनक विकल्प मिलेगा। अकासा एयर की नई सेवाओं से जेवर एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी को भी मजबूती मिलने की उम्मीद है।

कोलकाता और बेंगलुरु देश के प्रमुख व्यावसायिक और औद्योगिक केंद्र हैं, जहां बड़ी संख्या में यात्री काम, कारोबार, शिक्षा और अन्य कारणों से यात्रा करते हैं। ऐसे में इन शहरों के लिए सीधी उड़ान शुरू होना यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण सुविधा मानी जा रही है। अकासा एयर के अनुसार, 1 अक्टूबर से दोनों रूट पर हवाई



सेवाएं उपलब्ध होंगी। इससे नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, दिल्ली-एनसीआर और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के यात्रियों को कोलकाता और बेंगलुरु जाने के लिए अतिरिक्त विकल्प मिलेगा।

यात्रियों को अब इन शहरों तक पहुंचने के लिए दूसरे एयरपोर्ट से उड़ान लेने या कनेक्टिंग फ्लाइट पर निर्भर रहने की जरूरत कम हो सकती है। इसके अलावा, अकासा एयर नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से अहमदाबाद और पुणे जाने वाले यात्रियों को कनेक्टिंग फ्लाइट की सुविधा भी उपलब्ध करा रही है। यानी यात्री कनेक्टिंग सेवा के माध्यम से इन शहरों तक भी यात्रा कर सकते हैं।

'कहां डर लगता है?' छात्राओं से दिल्ली पुलिस का सीधा संवाद, पिंक स्कूटी से बढ़ी सुरक्षा

दिल्ली में छात्राओं की सुरक्षा पर फोकस, पिंक स्कूटी और फुट पेट्रोलिंग से बढ़ी निगरानी

एजेंसी, नई दिल्ली

आउटर दिल्ली में छात्राओं की सुरक्षा को लेकर पुलिस ने विशेष अभियान शुरू किया है। छात्राओं को स्कूल आने-जाने के दौरान सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से महिला पुलिसकर्मियों ने पिंक स्कूटी और पैदल गश्त शुरू की है। यह अभियान मंगोलपुरी और पश्चिम विहार के स्कूलों के आसपास तथा छात्राओं की अधिक आवाजाही वाले संवेदनशील इलाकों में सुबह और शाम के समय चलाया जा रहा है।

सुबह जब छात्राएं स्कूल के लिए निकलती हैं या शाम को छुट्टी के बाद घर लौटती हैं, उस दौरान महिला पुलिसकर्मी पिंक स्कूटी से प्रमुख रास्तों और स्कूलों के आसपास निगरानी करती नजर आएंगी। इसके अलावा बाजारों और अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों पर भी पैदल गश्त की जा रही है। पुलिस की कोशिश है कि छात्राओं की आवाजाही वाले इलाकों में लगातार



मंगोलपुरी में छात्राओं की सुरक्षा के लिए नई पहल

निगरानी बनी रहे और किसी भी तरह की परेशानी की स्थिति में तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जा सके। इस अभियान की खास बात यह है कि पुलिसकर्मी केवल गश्त तक सीमित नहीं हैं। वे छात्राओं और स्थानीय लोगों से सीधे बातचीत भी कर रही हैं। बातचीत के दौरान छात्राओं से पूछा जा रहा है कि उन्हें किन स्थानों पर असुरक्षा या डर महसूस होता है और रास्ते में उन्हें किस तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

स्थानीय लोगों से भी क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था और संदिग्ध गतिविधियों के बारे में जानकारी ली जा रही है। पुलिस का उद्देश्य इन बातचीत के जरिए ऐसे स्थानों और परिस्थितियों की पहचान करना है, जहां छात्राओं को अतिरिक्त सुरक्षा की जरूरत हो सकती है। इसके आधार पर गश्त और निगरानी को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। अभियान में साइबर सुरक्षा को भी महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया है। महिला पुलिसकर्मी छात्राओं को इंटरनेट और सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते समय सावधानी बरतने के लिए जागरूक कर रही हैं।

एमएलसी चुनाव 2026 : आगरा में आज से नामांकन, आयोग ने बदली व्यवस्था

एजेंसी ,नई दिल्ली

आगरा में उत्तर प्रदेश विधान परिषद के शिक्षक और स्नातक खंड निर्वाचन के लिए नामांकन प्रक्रिया मंगलवार से शुरू हो गई है। नामांकन मंडलायुक्त कार्यालय स्थित कोर्ट में दाखिल किए जा रहे हैं। राज्य निर्वाचन आयोग ने इस बार नामांकन व्यवस्था में बदलाव किया है। पहली बार शिक्षक और स्नातक खंड के लिए अलग-अलग नामांकन कक्ष की व्यवस्था समाप्त कर दी गई है। अब दोनों खंडों के प्रत्याशी एक ही कक्ष में अपना नामांकन दाखिल करेंगे।

नामांकन प्रक्रिया छह अक्टूबर तक चलेगी। प्रत्याशी सुबह 11 बजे से दोपहर तीन बजे तक नामांकन पत्र जमा कर सकेंगे। इस निर्वाचन क्षेत्र में आगरा, मथुरा समेत कुल 12 जिले शामिल हैं। मंगलवार से चुनाव की अधिसूचना भी जारी हो गई है और इसके साथ ही नामांकन की प्रक्रिया आधिकारिक रूप से शुरू हो गई। इससे पहले शिक्षक और स्नातक खंड के नामांकन अलग-अलग कक्षों में कराए जाते थे। शिक्षक खंड के लिए अपर आयुक्त और स्नातक खंड के लिए मंडलायुक्त कोर्ट में नामांकन की व्यवस्था रहती थी। हालांकि, इस बार राज्य निर्वाचन आयोग ने दोनों के लिए एक ही नामांकन कक्ष निर्धारित करने के निर्देश दिए हैं। नामांकन प्रक्रिया को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा और निगरानी के भी विशेष इंतजाम किए हैं।

मंडलायुक्त कार्यालय के मुख्य गेट से लेकर नामांकन कक्ष तक सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने के निर्देश दिए गए हैं। पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी, ताकि नामांकन के दौरान होने वाली गतिविधियों की निगरानी और रिकॉर्डिंग की जा सके। नामांकन कक्ष में केवल प्रत्याशी और उनके प्रस्तावकों को ही प्रवेश की अनुमति होगी।

न्यूज ब्रीफ

वोट चोरी' पर कांग्रेस का हल्ला अपनी नाकामियां छिपाने का हथकंडा: लखनपाल

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। कथित 'वोट चोरी' के मुद्दे पर कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन के बाद बड़सर विधायक इंद्रदत्त लखनपाल ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस के प्रदर्शन को प्रदेश सरकार की कथित नाकामियों से जनता का ध्यान भटकाने का हथकंडा बताया। लखनपाल ने कहा कि विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही कांग्रेस तथ्यहीन आरोपों की राजनीति कर रही है। यदि कांग्रेस के पास चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी के ठोस प्रमाण हैं तो उन्हें सार्वजनिक करने के साथ संबंधित संवैधानिक संस्थाओं के समक्ष प्रस्तुत करना चाहिए। केवल नारेबाजी, प्रदर्शन और पुतला दहन से आरोप प्रमाणित नहीं होते। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता महंगाई, रोजगार, विकास, सड़क और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत समस्याओं पर सरकार से जवाब चाहती है। इन मुद्दों पर जवाब देने के बजाय राजनीतिक विमर्श को दूसरे विषयों की ओर मोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। लखनपाल ने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं पर लगाए जाने वाले आरोप गंभीर होते हैं और ऐसे मामलों में राजनीतिक बयानबाजी के बजाय तथ्य व आधिकारिक रिकॉर्ड सामने रखना चाहिए।

नारंग में चमका कोटडी व्यास स्कूल, योग खिलाड़ियों ने जीते स्वर्ण और रजत पदक



भारतेन्दु संवाददाता, पांवटा साहिब। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नारंग पछाद में 27 से 29 सितंबर तक आयोजित जिला स्तरीय अंडर-19 ब्वॉयज इंडोर खेल प्रतियोगिता में शहीद कमल कांत मेमोरियल राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कोटडी व्यास के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। आर्टिस्टिक योग पेयर में हर्ष पुत्र बबर राज और शिवानंद पुत्र हरिकेश ने बेहतरीन प्रदर्शन कर जिला विजेता का खिताब हासिल किया। ट्रेडिशनल योग में सौरभ पुत्र चमेल ने रजत पदक जीता। रिदमिक योग में हर्ष और अशोक ने रजत पदक अपने नाम किया। आर्टिस्टिक योग में हर्ष ने भी रजत पदक हासिल किया। योग प्रशिक्षक धर्मेंद्र चौधरी ने बताया कि विद्यालय के खिलाड़ी पिछले पांच वर्षों से जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नियमित अभ्यास, अनुशासन और खिलाड़ियों की मेहनत से यह उपलब्धियां हासिल हुई हैं। समापन समारोह में विजेता खिलाड़ियों को प्रमाण-पत्र, पदक और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय प्रधानाचार्य जीवन प्रकाश जोशी, स्टाफ, स्कूल प्रबंधन समिति और युवा स्पोर्ट्स क्लब ने खिलाड़ियों व प्रशिक्षक को बधाई दी।

टावर से केबल चोरी के मामले में दो युवक काबू

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बरमाणा पुलिस ने ब्रह्मपुखर स्थित मोबाइल टावर से केबल चोरी के मामले में दो युवकों को गिरफ्तार कर चोरीशुदा केबल बरामद की हैं। पुलिस के अनुसार टावर से विभिन्न तिथियों में लगातार केबल चोरी होने की शिकायतें मिल रही थीं। इस संबंध में थाना बरमाणा में 26 सितंबर 2026 को बीएनएस की धारा 303(2), 317(2) और 3(5) के तहत एफआईआर संख्या 135/2026 दर्ज की गई थी। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले और स्थानीय लोगों से पूछताछ की। डिजिटल साक्ष्यों के विश्लेषण के आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुंची। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अजय कुमार उर्फ अज्जू (24) और दिनेश कुमार उर्फ पोली (26), दोनों निवासी निहाड़खंड वासला, ब्रह्मपुखर, जिला बिलासपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर चोरी की केबल बरामद कर ली है। मामले में आगामी जांच जारी है।

मैड भगेटू सड़क की समस्या दूर होने पर ग्रामीणों ने जताया मुख्यमंत्री व डॉ. वर्मा का आभार



भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। ग्राम पंचायत बघेल-2 के ग्रामीणों ने नेट से बागीतू जाने वाली सड़क की समस्या का समाधान होने पर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू और वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. पुष्पेंद्र वर्मा का आभार जताया है। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क संकरी होने और पानी की निकासी की उचित व्यवस्था न होने से लंबे समय से परेशानी बनी हुई थी। स्कूल बसों और अन्य वाहनों की आवाजाही के दौरान जाम और दुर्घटना की आशंका रहती थी। ग्रामीणों द्वारा समस्या डॉ. वर्मा के समक्ष उठाने के बाद सड़क को कुछ स्थानों पर चौड़ा किया गया, सुरक्षा दीवार बनाई गई तथा करीब 500 मीटर लंबी पक्की नाली का निर्माण किया गया महिलाओं ने मंदिर के पास हैंडपंप का विद्युतीकरण कर मोटर लगवाने के लिए भी आभार जताया। पंचायत प्रधान तृप्ता देवी, उपप्रधान कैप्टन रंजीत और पूर्व जिला परिषद उम्मीदवार सुनील कुमार ने धन्यवाद किया। डॉ. वर्मा ने ग्रामीणों की अन्य समस्याएं सुनीं व समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि गांवों तक बेहतर सुविधाएं पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है।



पूर्व विधायक तेजवंत नेगी ने समीरपुर स्थित पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल से उनके निवास पर शिष्टाचार भेंट की।

ज्योति गुप्ता बनीं अर्की कॉलेज की पीटीए अध्यक्ष



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। राजकीय महाविद्यालय अर्की में अभिभावक-प्राध्यापक संघ (पीटीए) की कार्यकारिणी बैठक महाविद्यालय प्राचार्या सुनीता शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में सत्र 2026-27 के लिए पीटीए कार्यकारिणी का पुनर्गठन किया गया। इस दौरान ज्योति गुप्ता को सर्वसम्मति से संघ का अध्यक्ष चुना गया। नई कार्यकारिणी में मुकेश शर्मा को उपाध्यक्ष, डॉ. संदीप गुप्ता को सचिव तथा उषा शर्मा को संयुक्त सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। सभी पदाधिकारियों का चयन सर्वसम्मति से किया गया। बैठक के दौरान महाविद्यालय के विकास और विद्यार्थियों से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी चर्चा की गई। प्राचार्या सुनीता शर्मा ने नवगठित कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उम्मीद जताई कि पीटीए महाविद्यालय की शैक्षणिक एवं विकासात्मक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाएगा और विद्यार्थियों के हित में सहयोग प्रदान करेगा। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने भी महाविद्यालय के विकास में हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।

व्यापारियों को जीएसटी बदलावों की दी जानकारी

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। राज्य कर एवं आबकारी विभाग तथा जोनल जीएसटी बैंक परवाणू की ओर से अर्की उपमंडल मुख्यालय स्थित एसडीएम सभागार में करदाता संवाद अभियान के तहत एकदिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें अर्की, कुनिहार और दाड़लाघाट के दुकानदारों एवं करदाताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में उपायुक्त राज्य कर एवं आबकारी, दक्षिण क्षेत्र परवाणू हिमांशु पंवर ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। उन्होंने बताया कि अभियान का उद्देश्य करदाताओं को हाल में हुए जीएसटी बदलावों की जानकारी देना तथा उनकी समस्याओं और सुझावों को सुनना है। उन्होंने कहा कि जोनल स्तर पर सभी जिलों में इस तरह के संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान करदाताओं को जीएसटी में हुए बदलावों और संबंधित प्रावधानों की जानकारी दी गई। उपायुक्त ने सभी करदाताओं से समय पर कर का भुगतान करने का आह्वान किया। इस अवसर पर सहायक आयुक्त सुनील कपूर, ईशानी शर्मा, पीआर विमल सहित व्यापार मंडल अर्की के पदाधिकारी और क्षेत्र के व्यापारी मौजूद रहे।

हिमाचल में अगले एक सप्ताह तक मौसम साफ

चंबा के साच पास में एक फुट तक ताजा हिमपात, मार्ग बंद

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के ऊंचे पर्वतीय क्षेत्रों में सोमवार रात हुई बारिश और बर्फबारी के बाद ठंड बढ़ गई है। चंबा जिले में साच पास के आसपास करीब एक फुट ताजा बर्फ गिरने से मार्ग वाहनों की आवाजाही के लिए बंद हो गया है। प्रशासन ने लोगों से साच पास की ओर नहीं जाने की अपील की है। जनजातीय जिलों लाहौल-स्पीति और किन्नौर में भी बारिश-बर्फबारी के बाद शीतलहर जैसी स्थिति बनी हुई है।

मंगलवार को राज्य के अधिकांश हिस्सों में मौसम साफ रहा और धूप खिलने से लोगों ने राहत की सांस ली। मौसम विभाग के अनुसार आज कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है, इसके बाद 30 सितंबर से 5 अक्तूबर तक राज्य में मौसम शुष्क रहने का



पूर्वानुमान है। इस बीच दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है और हिमाचल से मानसून की आधिकारिक विदाई की घोषणा अभी बाकी है। बारिश और बर्फबारी का असर मंगलवार के न्यूनतम तापमान पर भी दिखाई दिया। राज्य में न्यूनतम तापमान औसतन सामान्य से 0.9 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा। जनजातीय क्षेत्र केलांग में न्यूनतम तापमान 4.1 डिग्री, ताबो में 4.3 डिग्री और कुकुमसेरी में 4.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कल्पा में न्यूनतम तापमान 6.1 डिग्री रहा। कुफरी में 9.7 डिग्री, मनाली में 11.1 डिग्री और शिमला में 11.6 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान रिकॉर्ड हुआ। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार बीते 24 घंटों में राज्य के कई हिस्सों में बारिश हुई। शिमला जिला के जुब्बड़हट्टी में 64.4 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। कांगड़ा के धमरूर में 42.2 मिलीमीटर, धर्मपुर में 39.6 मिलीमीटर, कसौली में 38 मिलीमीटर और सोलन में 26.8 मिलीमीटर और शिमला शहर में 25.6 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई।

भुड्डु बैरियर हमला: मुख्य आरोपी इकबाल मोहम्मद गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, बद्दी। भुड्डु बैरियर के समीप व्यापारी पर हुए जानलेवा हमले के मामले में बद्दी पुलिस ने मुख्य आरोपी इकबाल मोहम्मद पुत्र सुलेमान निवासी चनाल माजरा को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार इस मामले में अब तक चार आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। घटना 9 अगस्त की रात हुई थी। व्यापारी मक्खन सिंह गोदाम से वाहन में घर लौट रहा था। भुड्डु बैरियर के पास स्विफ्ट कार और पिकअप वाहन से आए लोगों ने उसका रास्ता रोककर डंडों और धारदार हथियारों से हमला किया था। गंभीर हालत में उसे पीजीआई चंडीगढ़ रेफर किया गया था। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों और गवाहों के बयानों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई और इकबाल को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक आरोपी के खिलाफ पूर्व में हत्या के प्रयास, फिरौती, मारपीट, धमकी, चोरी, खनन अधिनियम और आर्म्स एक्ट समेत 11 मामले दर्ज हैं। मामले की जांच जारी है।

लोकतांत्रिक संवाद और शास्त्रार्थ भारत की सभ्यतागत परंपरा का अभिन्न हिस्सा: अनुराग



सुरेंद्र कटोच, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री एवं लोकसभा सांसद अनुराग ठाकुर ने दिल्ली विश्वविद्यालय के विधि संकाय के 5 वर्षीय एकीकृत विधि पाठ्यक्रम द्वारा आयोजित अभिव्यक्ति 1.0 एशियन पार्लियामेंट्री डिबेट प्रतियोगिता के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक विमर्श, संवाद और खुली बहस भारत की सभ्यतागत चेतना का अभिन्न हिस्सा रहे हैं, इन्हें पश्चिम से आयातित अवधारणा के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

अभिव्यक्ति 1.0 का आयोजन विधि संकाय की साहित्यिक व वाद-विवाद सोसायटी द्वारा किया गया था और इसका उद्देश्य तर्कपूर्ण, सूचनापरक एवं रचनात्मक संवाद को प्रोत्साहित करना था। उन्होंने कहा कि भारत की शासन परंपरा में विकेंद्रीकरण, सहभागिता और सहमति आधारित निर्णय की अवधारणाएं लंबे समय से विद्यमान रही हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय विश्वविद्यालयों और बौद्धिक संस्थानों को केवल यूरोकेंद्रित दृष्टिकोण तक सीमित रहने के बजाय स्व-बोध की भावना के साथ भारत की अपनी ज्ञान परंपराओं को समझना चाहिए। न्याय, तर्क और लोक कल्याण पर आधारित भारतीय चिंतन परंपराओं को आधुनिक सार्वजनिक विमर्श, कानून और नीति निर्माण से जोड़ा जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में बहस का उद्देश्य व्यक्तिगत अहं की संतुष्टि नहीं, बल्कि सत्य की खोज रहा है। वादे वादे जायते तत्त्वबोधः की भावना के माध्यम से उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर संवाद, प्रश्न और तर्क के माध्यम से सत्य तक पहुंचने का संदेश दिया।उन्होंने देश की सांस्कृतिक एकता को मजबूत करने के लिए एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत आयोजित काशी तमिल संगमम और सौराष्ट्र तमिल संगमम जैसे कार्यक्रमों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के अनुसार वर्ष 2018 में 126 जिलों से घटकर दिसंबर 2025 तक वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों की संख्या आठ रह गई थी, जबकि तीन जिले सर्वाधिक प्रभावित श्रेणी में थे।

जीएचईसी बंदला ने बनिखेत संस्थान व एआईएमआईएल से किए एमओयू



भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय जलविद्युत अभियंत्रण महाविद्यालय (जीएचईसी) बंदला ने विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण, व्यावहारिक और रोजगारोन्मुख शिक्षा उपलब्ध करवाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है।

कॉलेज ने राजीव गांधी राजकीय बहुतकनीकी संस्थान, बनिखेत, चंबा तथा एआईएमआईएल लिमिटेड के साथ दो समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। यह पहल निदेशक-सह-प्रधानाचार्य डॉ. प्रो. उमेश चंद राठौर के मार्गदर्शन में हुई। समझौतों का उद्देश्य विद्यार्थियों और शिक्षकों के ज्ञान, कौशल तथा व्यावसायिक दक्षता को बढ़ाना और शैक्षणिक संस्थानों एवं उद्योग के बीच सहयोग मजबूत करना है। इसके तहत विद्यार्थियों को औद्योगिक व व्यावहारिक प्रशिक्षण, प्रशिक्षुता, विशेषज्ञ व्याख्यान, शैक्षणिक भ्रमण तथा ज्ञान के आदान-प्रदान के अवसर मिलेंगे। शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण, शिक्षक आदान-प्रदान और संयुक्त शैक्षणिक गतिविधियां भी आयोजित की जा सकेंगी। एआईएमआईएल लिमिटेड के साथ समझौते से विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकों, उद्योग की कार्यप्रणाली और वास्तविक कार्य वातावरण समझने का अवसर मिलेगा। इससे वे सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक परिस्थितियों में लागू कर सकेंगे। वहीं, बनिखेत संस्थान के साथ समझौते से विषय विशेषज्ञता, शिक्षण अनुभव और ज्ञान का आदान-प्रदान बढ़ेगा। महाविद्यालय प्रबंधन के अनुसार दोनों समझौते विद्यार्थियों को बदलती तकनीकी आवश्यकताओं और उद्योग की अपेक्षाओं के अनुरूप तैयार करने में सहायक होंगे।

जिला स्तरीय एकीकृत खेलकूद प्रतियोगिता 1-2 अक्तूबर को

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। जिला स्तरीय एकीकृत खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन 1 और 2 अक्तूबर को मंडी के पड्डल मैदान में होगा। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के 82 विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थी वॉलीबॉल, फुटबॉल, बोच्ची व बैडमिंटन सहित विभिन्न खेलों में भाग लेंगे। विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए 25 शिक्षक तथा डाइट मंडी के संकाय सदस्य मौजूद रहेंगे। जिला समन्वयक सुहरी गुलेरिया और सुशील गुप्ता ने बताया कि प्रतियोगिता की तैयारियां पूरी की जा रही हैं। विद्यार्थियों के रहने, भोजन और खेल गतिविधियों से संबंधित आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। उपनिदेशक गुणवत्ता एवं नियंत्रण-सह-जिला परियोजना अधिकारी मीना राठौर ने कहा कि विद्यार्थियों को हर संभव सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी। डाइट प्रधानाचार्य ने कहा कि ऐसे आयोजनों से विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों का आत्मविश्वास और सामाजिक सहभागिता बढ़ती है। प्रतियोगिता का उद्घाटन 1 अक्तूबर को सुबह 10 बजे जिला कल्याण अधिकारी समीर करेंगे। समापन समारोह 2 अक्तूबर को सुबह 10 बजे होगा।

फेस्टिवल सीजन से पहले कांगड़ा की ग्रामीण सड़कों पर होगी टारिंग: काजल



भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष एवं कांगड़ा के विधायक पवन काजल ने कहा कि फेस्टिवल सीजन से पहले विधानसभा क्षेत्र में बरसात से क्षतिग्रस्त ग्रामीण सड़कों की टारिंग कर उन्हें दुरुस्त किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि लोक निर्माण विभाग के तहत रानीताल-32 मील-कोटला, इच्छी-इच्छी खास, तकीपुर-धमेड, दौलतपुर-हार जलाड़ी-खरट, कांगड़ा-जेएचडी सहित विभिन्न संपर्क मार्गों पर मरम्मत कार्य करवाया जाएगा। काजल मंगलवार को जनसंपर्क अभियान के दौरान दौलतपुर पंचायत के गांव मधाल में विद्युत मोटर चालित हैंडपंप का शुभारंभ करने पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि दो हैंडपंपों से गांव के 28 परिवारों को पर्याप्त पेयजल सुविधा मिलेगी। विधायक ने कहा कि दौलतपुर-हार जलाड़ी से नंदरुल-खरट को जोड़ने के लिए बनेर खड्ड पर निर्माणाधीन पुल का कार्य बजट के अभाव में ठेकेदार ने बंद कर दिया है। उन्होंने सरकार से जल्द बजट उपलब्ध करवाने की मांग की।

काजल ने चंगर क्षेत्र की निर्माणाधीन पेयजल योजना का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि वाटर स्टोरेज टैंक तैयार होने के बावजूद ग्रामीणों को योजना का लाभ नहीं मिल रहा है। उन्होंने विधानसभा में योजना में देरी की जांच की मांग उठाने की बात कही।

भाषण प्रतियोगिता में मीनाक्षी रही प्रथम

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर के हिंदी विभाग की ओर से आयोजित हिंदी पखवाड़ा साहित्यिक एवं शैक्षणिक प्रतियोगिताओं के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल मुख्यातिथि रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. अंजु शर्मा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए पखवाड़े के दौरान आयोजित गतिविधियों की जानकारी दी। प्राचार्य डॉ. कटवाल ने कहा कि हिंदी केवल भाषा नहीं, बल्कि देश की सांस्कृतिक और भावनात्मक एकता की महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने विद्यार्थियों से दैनिक जीवन में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा हिंदी भाषा में सॉफ्टवेयर विकसित कर तकनीकी क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना सकते हैं। पखवाड़े के दौरान आयोजित भाषण प्रतियोगिता में मीनाक्षी ने प्रथम, मुस्कान ने द्वितीय और आंचल ने तृतीय स्थान हासिल किया।

अब्दुल्लापुर कबड्डी लीग ने दिया नशामुक्ति का संदेश युवाओं को अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने का संकल्प



आशीष दमीर, भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। अब्दुल्लापुर में आयोजित अब्दुल्लापुर कबड्डी लीग खेल और नशामुक्ति के संदेश का माध्यम बनी। आयोजन में पूर्व बीडीसी चेयरमैन एवं पूर्व जिला परिषद सदस्य कुलभाष चौधरी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

उन्होंने लीग को केवल खेल प्रतियोगिता तक सीमित न रखकर युवाओं को नशे से दूर रखने और खेलों से जोड़ने की पहल के रूप में आगे बढ़ाया। लीग में हिमाचल कबड्डी के पूर्व कप्तान अजय ठाकुर, प्रो कबड्डी खिलाड़ी रोहित राणा, विशाल भारद्वाज और यू मुंबा से जुड़े खिलाड़ी सुरिंदर सिंह सहित करीब 10-12 प्रो कबड्डी खिलाड़ियों ने भाग लिया। फाइनल मुकाबले का शुभारंभ मुख्य अतिथि कुलभाष चौधरी ने राष्ट्रीय गान के साथ किया। फाइनल में सुरिंदर सिंह की टीम विजेता रही। मुकाबला देखने के लिए करीब 3000-4000 दर्शक मौजूद रहे। कुलभाष चौधरी ने कहा कि उनका उद्देश्य कांगड़ा की खेल प्रतिभाओं को पहचानकर उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने के लिए मंच उपलब्ध करवाना है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी ऐसे आयोजन जारी रखे जाएंगे। उन्होंने उम्मीद फाउंडेशन के प्रयासों की सराहना करते हुए बताया कि लड़कियों को खेलों में आगे बढ़ाने के लिए महिला कबड्डी लीग आयोजित करने की दिशा में भी प्रयास किए जाएंगे। ग्राम पंचायत अब्दुल्लापुर के प्रधान संजय कांचा ने कहा कि पहली बार लीग का आयोजन इतने बड़े स्तर पर किया गया है। इसका उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रखते हुए खेलों की ओर प्रेरित करना है। आयोजन उम्मीद फाउंडेशन और ग्राम पंचायत अब्दुल्लापुर के सहयोग से हुआ। फाउंडेशन की टीम के सुदर्शन, अश्वनी, दिनेश, सुरेश, सूरज, वनेश, टिंकू, मुनीश, विनोद और विकास ने आयोजन में सहयोग किया। इस अवसर पर विभिन्न पंचायतों के प्रतिनिधि और अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पोस्टर व भाषण प्रतियोगिता में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दयोथ में विश्व हृदय दिवस के उपलक्ष्य पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम मुख्य चिकित्सा अधिकारी बिलासपुर डॉ. शशी दत्त शर्मा के दिशा-निर्देशानुसार प्रधानाचार्य प्रेम सागर की अध्यक्षता में हुआ। जिला स्वास्थ्य शिक्षक गोपाल कौशल ने विद्यार्थियों को हृदय स्वास्थ्य और हृदय रोगों के जोखिम कारकों की जानकारी दी। उन्होंने संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, तनाव प्रबंधन, पर्याप्त नींद तथा नशे और तंबाकू से दूर रहने का आह्वान किया। विद्यार्थियों को 'स्वस्थ हृदय, स्वस्थ जीवन' का संकल्प दिलाया गया। इस दौरान पोस्टर मेकिंग और भाषण प्रतियोगिताएं भी हुईं। पोस्टर मेकिंग में अनुष्का प्रथम, प्रिया द्वितीय और अंशिका तृतीय रहीं। भाषण प्रतियोगिता में दीपिका प्रथम, प्रिया द्वितीय और पल्लवी तृतीय स्थान पर रहीं। कार्यक्रम में 180 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

नगरोटा कॉलेज में पीटीए की नई कार्यकारिणी गठित, मनोज बने प्रधान



भारतेन्दु संवाददाता, नगरोटा बगवां। राजकीय महाविद्यालय नगरोटा बगवां में अभिभावक-शिक्षक संघ (पीटीए) की बैठक प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र कुमार सोनी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में पीटीए सचिव डॉ. राजीव कुमार ने गत वर्ष की गतिविधियों और खातों का विवरण प्रस्तुत किया।

कॉलेज की शैक्षणिक गतिविधियों, विद्यार्थियों से जुड़े विषयों और विकास कार्यों पर चर्चा हुई। अभिभावकों ने सुझाव भी रखे, जिन पर प्राचार्य ने आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया। बैठक में पीटीए की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इससे पहले 14 सितंबर को कोरम पूरा न होने के कारण कार्यकारिणी का गठन नहीं हो सका था। नई कार्यकारिणी में मनोज कुमार को प्रधान, ज्योति चौधरी को उपप्रधान, डॉ. राजीव कुमार को सचिव, अंजना देवी को संयुक्त सचिव और डॉ. सोनिका को लेखा परीक्षक चुना गया। दर्शना देवी और डॉ. निधि शर्मा को नामित सदस्य बनाया गया। निशा देवी, सुनीता देवी, सुषमा देवी, नीतू गोस्वामी, सोनू नंदा, शिवरात देवी, किरणमाला, सुदर्शन कुमारी, हेमलता और अंजू बाला को सदस्य चुना गया। प्राचार्य डॉ. सोनी ने नवगठित कार्यकारिणी को बधाई देते हुए महाविद्यालय और विद्यार्थियों के हित में आपसी सहयोग से कार्य करने की अपेक्षा जताई।

वनीता पूज्यार ने रेडियोलॉजिस्ट कमीशन में हासिल की सफलता



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। ग्राम पंचायत संघोई की बेटी वनीता पूज्यार, पुत्री शिवराम, ने रेडियोलॉजिस्ट कमीशन में 79 प्रतिशत अंक हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। वनीता ने आईजीएमसी से रेडियोलॉजी में बीएससी की शिक्षा पूरी की है। अब वह स्वास्थ्य विभाग में अपनी सेवाएं देंगी। वनीता की सफलता से परिवार के साथ-साथ ग्राम पंचायत संघोई और पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उनकी उपलब्धि क्षेत्र की अन्य बेटियों और युवाओं के लिए प्रेरणा बनी है। वनीता के पिता शिवराम सेंट बीड्स कॉलेज से सेवानिवृत्त हैं। उनके दादा स्वर्गीय सायरू राम क्षेत्र में सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों के लिए प्रसिद्ध रहे। वे कुरगन देवता के बड़े गुर के रूप में भी जाने जाते थे। अर्की के विधायक संजय अवस्थी ने वनीता को बधाई देते हुए कहा कि क्षेत्र की बेटियां शिक्षा और स्वास्थ्य समेत विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं। उन्होंने वनीता के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए स्वास्थ्य विभाग में बेहतर सेवाएं देने के लिए शुभकामनाएं दीं।

पूर्व मंत्री विजय सिंह मनकोटिया का 87 वर्ष की आयु में निधन



भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के पूर्व मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता मेजर विजय सिंह मनकोटिया का मंगलवार को निधन हो गया। 87 वर्षीय मनकोटिया ने कांगड़ा जिले के एक निजी अस्पताल में उपचार के दौरान अंतिम सांस ली। उनके निधन पर भाजपा के राष्ट्रीय और प्रदेश नेतृत्व सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने शोक व्यक्त किया है। मनकोटिया कांगड़ा जिले के शाहपुर विधानसभा क्षेत्र से ताल्लुक रखते थे और करीब चार दशक तक हिमाचल की राजनीति में सक्रिय रहे।

मेजर विजय सिंह मनकोटिया पांच बार शाहपुर से विधायक रहे। उन्होंने 1982 में पहली बार निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में विधानसभा चुनाव जीता था। इसके बाद 1985 में कांग्रेस, 1990 में जनता दल, 1993 में कांग्रेस और 2003 में कांग्रेस के टिकट पर शाहपुर से विधायक चुने गए। राजनीति में आने से पहले मनकोटिया भारतीय सेना में अधिकारी रहे थे। सैन्य पृष्ठभूमि के कारण उनके सार्वजनिक जीवन में भी स्पष्ट बोलने और अपनी बात खुलकर रखने की छवि बनी रही। वह पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह के प्रमुख राजनीतिक विरोधियों में रहे। दोनों नेताओं के बीच कई मौकों पर राजनीतिक मतभेद सामने आए। मनकोटिया ने वीरभद्र सिंह सरकार की कार्यशैली पर भी सार्वजनिक रूप से सवाल उठाए थे। मनकोटिया दो बार हिमाचल सरकार में मंत्री रहे। पहली बार अक्तूबर 1995 में वीरभद्र सिंह सरकार के मंत्रिमंडल में उन्हें कैबिनेट मंत्री बनाया गया। वह पर्यटन और नागरिक उड्डयन जैसे विभागों से जुड़े रहे। बाद में 2003 में कांग्रेस की सरकार बनने पर वह फिर मंत्री बने। मनकोटिया का राजनीतिक सफर कई उतार-चढ़ाव से भरा रहा।

1982 में निर्दलीय के रूप में चुनाव जीतने के बाद वह कांग्रेस में आए और 1985 में फिर शाहपुर से जीते। 1990 में उन्होंने जनता दल के टिकट पर चुनाव जीता। 1993 में कांग्रेस में लौटकर फिर विधायक बने। 1998 में उन्हें शाहपुर से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन 2003 में उन्होंने दोबारा कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीतकर विधानसभा में वापसी की।

मनकोटिया ने प्रदेश के विकास में दिया महत्वपूर्ण योगदान: सीएम

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने पूर्व मंत्री मेजर विजय सिंह मनकोटिया के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेजर विजय सिंह मनकोटिया ने प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। विशेष रूप से कांगड़ा जिले के शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के विकास और जनकल्याण के लिए उनके योगदान को सदैव याद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समाज के कल्याण और लोगों की सेवा के लिए मेजर विजय सिंह मनकोटिया द्वारा किए गए कार्य सदैव स्मरणीय रहेंगे। मुख्यमंत्री ने परमपिता परमात्मा से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। उन्होंने शोक-संतप्त परिजनों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति एवं संबल प्रदान करने की कामना की।

◆ पांच बार शाहपुर के रहे विधायक

भाजपा नेताओं ने भी जताया शोक

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा, पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल, नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल और शांता कुमार सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं

न्यूज ब्रीफ

बालिका खेल महोत्सव में होंगी विभिन्न प्रतियोगिताएं

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस-2026 के सफल आयोजन की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अतिरिक्त उपायुक्त प्रियांशु खाती ने की। उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ 7 और 8 अक्तूबर को प्रस्तावित कार्यक्रमों का सफल संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दिवस का उद्देश्य बालिकाओं के अधिकारों, शिक्षा, सुरक्षा, समानता और सम्मान के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। कार्यक्रम के तहत बालिका खेल महोत्सव में रस्साकशी, टेबल टेनिस, बैडमिंटन और शतरंज प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। निबंध, पोस्टर और स्लोगन लेखन प्रतियोगिताएं भी होंगी तथा चयनित प्रतिभागियों को जिला स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम स्थल पर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, मिशन शक्ति, मिशन वात्सल्य, सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण-2.0 योजनाओं के सूचना स्टॉल लगाए जाएंगे। स्वास्थ्य, मासिक धर्म स्वच्छता, साइबर सुरक्षा और कानूनी जागरूकता संबंधी जानकारी भी दी जाएगी। महिला स्वयं सहायता समूहों के उत्पाद प्रदर्शित किए जाएंगे। बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी अजय बदरेल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, सीडीपीओ, प्रधानाचार्य और अध्यापक उपस्थित रहे।

संतुलित आहार व सरकारी योजनाओं की दी जानकारी



आशीष दमीर, भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। आंगनबाड़ी केंद्र टांडा खोली में मंगलवार को पोषण माह के तहत 'हमारी आंगनबाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' थीम पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में खोली पंचायत के प्रधान कुलवंत चौधरी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की, जबकि वार्ड पंच दिनेश कुमार विशेष रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने उपस्थित लोगों को संतुलित व पौष्टिक आहार, सही खानपान और पोषण के महत्व की जानकारी दी। इसके साथ ही विभाग की विभिन्न योजनाओं और उनके पात्र लाभार्थियों के बारे में भी जागरूक किया गया, ताकि जरूरतमंद परिवार सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें। कुलवंत चौधरी ने कहा कि स्वस्थ समाज की नींव बेहतर पोषण पर निर्भर करती है और कुपोषण को दूर करना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने बताया कि पोषण अभियान का उद्देश्य बच्चों, महिलाओं और परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति जागरूक करना है। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पुष्पा, अनु, पवना देवी, इंदिरा, शिवानी, सलोचना, ज्योति और सुमन उपस्थित रहीं।

विषय चयन में छात्रों को मिले अधिक लचीलापन

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। हिमाचल प्रदेश शिक्षक महासंघ ने कक्षा दसवीं में गणित के आधारभूत स्तर की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को कक्षा ग्यारहवीं के नॉन मेडिकल वर्ग में प्रवेश के लिए गणित की परीक्षा दोबारा देने की अनिवार्यता से छूट देने की मांग की है। महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष विनोद सूद ने कहा कि विद्यार्थियों को उनकी रुचि, योग्यता और भविष्य की आकांक्षाओं के अनुसार विषय चुनने का अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि नॉन मेडिकल में जाने के इच्छुक विद्यार्थियों पर केवल पात्रता पूरी करने के लिए दोबारा परीक्षा थोपना अतिरिक्त शैक्षणिक दबाव बढ़ाता है। प्रांत मीडिया प्रमुख शशि शर्मा ने कहा कि विषय चयन में अधिक लचीलापन जरूरी है। उन्होंने सुझाव दिया कि ऐसे विद्यार्थियों को विद्यालय स्तर पर पुनर्बलन और सेतु पाठ्यक्रम के माध्यम से गणित की आवश्यक तैयारी करवाई जा सकती है। इसके लिए दसवीं की परीक्षा दोबारा करवाना ही एकमात्र विकल्प नहीं होना चाहिए। महासंघ ने सरकार और शिक्षा बोर्ड से नियमों पर पुनर्विचार का आग्रह किया।

रिटायरमेंट पर वर्दी प्रदान कर बच्चों के चेहरे पर मुस्कान दे गए मोहन लाल शर्मा



अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। राजकीय प्राथमिक पाठशाला गसोता के विद्यार्थियों को मॉडर्न यूनिफॉर्म मिल गई। 30 सितंबर 2026 को होने वाली सेवानिवृत्ति से पहले राज्य शिक्षक पुरस्कार विजेता जेबीटी शिक्षक मोहन लाल शर्मा ने बच्चों को यूनिफॉर्म प्रदान की, जिससे बच्चों के चेहरे पर मुस्कान छा गई। इस दौरान उन्होंने शिक्षा और समाजसेवा में अनेकों उत्कृष्ट कार्य किए हैं । उन्होने जनसहयोग से राप्रापा पल्लवीं में नामांकन वृद्धि के लिए उन्होंने 'जय सरकारी विद्यालय'अभियान चलाया। वर्ष 2017 में इस राप्रापा पल्लवीं का नामांकन 32 था, जो वर्ष 2021 में बढ़कर 50 हो गया। स्कूली स्वच्छता में ऐसा कार्य किया कि जिला स्तरीय स्वच्छता सम्मान वर्ष 2018 में उनके स्कूल को मिला। उन्होंने नवोदय के लिए स्कूल में विशेष कोचिंग दी और इनके 4 विद्यार्थी मिडल मैरिट छात्रवृत्ति परीक्षा उत्तीर्ण कर सके। हर वर्ष मेधावी विद्यार्थी सम्मानित किए। स्कूल में समर कैंप, विज्ञान मेले, बाल मेले, प्रशिक्षण शिविर, बाल संसद आदि आयोजित किए। शिक्षण में 30 नवाचार किए और खेलकूद स्पर्धाओं में खंड और जिला स्तर पर अनेकों सफलताएं हासिल कीं, जिसके लिए उनको 27 प्रशंसा-पत्र मिले हैं।

घुमारवीं में 2 और 3 को जिला स्तरीय सीर उत्सव

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। घुमारवीं में दो दिवसीय जिला स्तरीय 'सीर उत्सव' 2 और 3 अक्तूबर को धूमधाम से आयोजित किया जाएगा। उत्सव को इस बार लोक संस्कृति के साथ प्रकृति संरक्षण, स्वास्थ्य, खेल और सामाजिक सरोकारों से जोड़ा गया है। स्थानीय विधायक एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी के मार्गदर्शन में उत्सव को बहुआयामी स्वरूप दिया जा रहा है। उत्सव के दौरान युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने के लिए रोजगार मेले का आयोजन होगा। नशामुक्ति और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश देने के लिए मैराथन तथा योग सत्र आयोजित किए जाएंगे। विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर और रक्तदान शिविर भी लगाया जाएगा। महिला व युवक मंडलों के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित कर सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा दिया जाएगा। तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने कहा कि सीर उत्सव क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के साथ पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी का भी माध्यम है। उन्होंने लोगों, विशेषकर युवाओं और महिलाओं से उत्सव में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की।

वाहन तलाशी में 500 ग्राम चरस बरामद, दो काबू

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। पुलिस ने नशे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए वाहन से 500 ग्राम चरस बरामद कर दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार पुलिस चौकी बस्सी की टीम 33 केवी, भराड़ू के समीप नाकाबंदी कर वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान नौहली की ओर से भराड़ू जा रही गाड़ी को जांच के लिए रोका गया। तलाशी के दौरान वाहन से 500 ग्राम चरस बरामद हुई। पुलिस ने वाहन चालक व सवार लाल सिंह निवासी तहसील पधर और भीम सिंह निवासी तहसील पधर, जिला मंडी के खिलाफ पुलिस थाना जोगिंद्रनगर में अभियोग संख्या 162/2026 दर्ज किया है। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम की धारा 20, 25 और 29 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और मामले में आगामी जांच जारी है।

151 स्कूलों में होगा आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण बिलासपुर जिले के 151 वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में 'स्कूल डिजास्टर प्रीपेयर्डनेस एंड डेमोंस्ट्रेशन प्रोग्राम' आयोजित करेगा। डीसी राहुल कुमार ने बताया कि अभियान में 116 सरकारी और 35 निजी स्कूल शामिल हैं। प्रशिक्षण हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के दिशा-निर्देशों के तहत चरणबद्ध तरीके से होगा। शिक्षा खंड सदर के 38, झंडूता के 30, घुमारवीं-1 के 26, घुमारवीं-2 के 27, स्वारघाट के 20 और श्री नयना देवी जी के 10 स्कूलों को इसमें शामिल किया गया है। प्रतिमाह कम से कम 10 स्कूलों में प्रशिक्षण आयोजित करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रत्येक स्कूल में 90 मिनट का व्यावहारिक प्रशिक्षण होगा। विद्यार्थियों और शिक्षकों को भूकंप के दौरान 'ड्रॉप, कवर एंड होल्ड', बेसिक सीपीआर, प्राथमिक उपचार, सुरक्षित निकासी तथा अग्निशामक यंत्रों के संचालन का अभ्यास कराया जाएगा। आपातकालीन किट और परिवार आपदा प्रबंधन योजना तैयार करने की जानकारी भी दी जाएगी। डीसी ने कहा कि प्रशिक्षण का उद्देश्य आपात स्थिति में त्वरित और सुरक्षित प्रतिक्रिया के लिए विद्यार्थियों व शिक्षकों को तैयार करना है। प्रशिक्षण की गुणवत्ता की नियमित निगरानी भी की जाएगी।

हमीरपुर में जानलेवा से कम नहीं जेएनएनयूआरएम की बसें

दस सालों से चलाई बसों के चलती बार नहीं होते दरवाजे बंद, न ही उपलब्ध हो पा रही बस के अंदर दी गई सुविधा

सुरेंद्र कटोच, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। पिछले करीब दस वर्षों से हमीरपुर डिपो में आधुनिक डिजायन व सुरक्षा दृष्टि से उपलब्ध करवाई जेएनएनयूआरएम की बसें वर्तमान में यात्रियों के लिए जानलेवा से कम नहीं लगती है।

हालात ये हैं कि जिन सुविधाओं से इन्हें लैस करके चलाया गया था, अब वर्तमान में उनमें से एक भी सुविधा इन बसों में नहीं है, बल्कि उल्टा यात्रियों की सुरक्षा यात्रा के दौरान सुरक्षित नहीं रही हैं। बतातें चलें कि हमीरपुर डिपो में उपलब्ध 46 बसों के मध्य में एक ही चौड़ा दरवाजा स्थित है, जबकि दूसरा दरवाजा चालक के सामने स्थित है। पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण यहां बसों के दरवाजे बंद होना जरूरी है, लेकिन हमीरपुर डिपो में स्थित 46 ऐसी बसों के दरवाजे अब बंद नहीं हो पाते और न ही चालक या परिचालक इस असुविधा की ओर



◆पहाड़ी क्षेत्र में खुले रहते बस के चौड़े दरवाजे, परिचालक तक बंद करने से करते हैं परहेज

◆हमीरपुर डिपो में चल रही ऐसी 46 बसें, कैमरे तक हो गए हैं गायब

कोई ध्यान देते हैं। लिहाजा सर्दियों में मोड़ पर सवारिया अपनी सुरक्षा स्वंय करने पर मजबूर हैं। वहीं, ठंड के दिनों में सवारिया ठिठुरती रहती है। ऐसा नहीं है कि इन बसों में ये असुविधा अब आई हो, ये असुविधा पिछले लंबे समय से चली आ रही है, जब भी इस बारे स्थानीय आरएम को सूचित किया जाता है, तो अकसर एक ही जबाव आता है कि जल्द ही इन्हें ठीक करवाया जाएगा। आज तक न तो ये असुविधा ठीक हो पाई और न ही इन बसों के अंदर जो सुविधाऐं थी उन्हें कभी चैक तक नही किया गया। हालात ऐसे है कि इनमें लगे कैमरे, सूचना देने वाले माईक की जगह कई बसों में गाने चलते है और आज तक इनमें लगाई सीटों के कवर तक को नहीं बदला गया, लिहाजा कई बार सवारियों के कपड़े तक इन सीटों पर बैठने से खराब हो जाते है। खासतौर पर महिलाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इनमें बाकायदा कैमरे तक स्थापित थे, जो आज कहां है किसी को पता नहीं है।

ये सुविधाएं थी बसों में, जो अब गायब

बतातें चलें कि इसमें सीसीटीवी कैमरे बस के अंदर की हर गतिविधि को रिकार्ड करने के लिए लगे थे, जो सुरक्षा दृष्टि से अहम माने जाते रहे। आधुनिक डिजायनव सुरक्षा के लिए फ्रंट फेसिया, चौड़े और नीचे की ओर खुलने वाले प्रवेश व निकास द्वार है। ये बसें ऑन बोर्ड डायग्रोस्टिक के माध्यम से एक केंद्रीय नियंत्रण सर्वर से जोड़ी थी, जिसमें रियल टाइम प्रदशन की निगरानी होती थी। इसके अलावा गंतव्य और मार्ग की जानकारी के लिए आधुनिक डिजिटल डिस्प्ले सिस्टम उपलब्ध थे।

वर्तमान में सुविधाओं के बजाय ऐसी हैं असुविधाएं

वर्तमान में अंदर दी गई एक भी सुविधा उपलब्ध नहीं है। इसके अलावा यात्रियों को चौड़े दरवाजे खुले होने के कारण फरोटेदार हवा के साथ बाहर की तरफ से हवा के साथ आने वाली धूल तक को सहन करने पड़ता है। मोड़ पर किसी भी सवारी का बाहर गिरने का पूरा खतरा बना रहता है। इसमें बच्चो व बजुर्गों के लिए ज्यादा खतरा रहता है।

क्या कहते हैं अधिकारी

इस बारे में आरएम राहुल कुमार का कहना है कि ऐसी असुविधा नहीं हो सकती है। यदि ऐसा है तो इन्हें जल्द ठीक करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि चलती बस में दरवाजे बंद करना चालक की जिम्मेदारी है, यदि ऐसा नहीं हो रहा तो उचित कार्रवाई की जाएगी।

आवश्यक वस्तुओं की डोर स्टेप डिलीवरी के लिए निविदाएं आमंत्रित

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के थोक भंडारों से उचित मूल्य की दुकानों तक आवश्यक वस्तुओं की डोर स्टेप डिलीवरी के लिए वर्ष 2026-28 के लिए ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की गई हैं। यह प्रक्रिया सदर बिलासपुर, घुमारवीं, झंडूता और श्री नयना देवी जी स्थित थोक भंडारों से संबंधित है। इसमें परिवहन के साथ उचित मूल्य की दुकानों पर आवश्यक वस्तुओं की उतराई संबंधी मजदूरी कार्य भी शामिल है। जिला नियंत्रक खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले अधिकारी शीतल शर्मा ने बताया कि इच्छुक निविदादाता अपनी निविदाएं केवल ऑनलाइन माध्यम से 26 अक्तूबर को शाम 5 बजे तक अपलोड कर सकते हैं। निर्धारित समय के बाद प्राप्त अथवा ऑफलाइन प्रस्तुत निविदाएं स्वीकार नहीं की जाएंगी। निविदाएं 27 अक्तूबर को सुबह 11 बजे निविदादाताओं अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों की उपस्थिति में खोली जाएंगी। यह प्रक्रिया जिला दंडाधिकारी बिलासपुर अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा निर्धारित कार्यालय में पूरी की जाएगी।

चिट्टे से जुड़े आर्थिक नेटवर्क पर नूरपुर पुलिस की कार्रवाई, 1.01 करोड़ की संपत्तियां फ्रीज

भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। नूरपुर पुलिस ने चिट्टे से जुड़े आर्थिक नेटवर्क पर कार्रवाई करते हुए थाना इंदौरा में तीन संपत्तियों को फ्रीज करने की प्रक्रिया शुरू की है। पुलिस के अनुसार, एफआईआर नं. 152/2017 में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 68 (1) और 68 के तहत कुल 1,01,55,718 मूल्य की संपत्तियों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है।

फ्रीजिंग के दायरे में दलवीरो व उसके परिवार से संबंधित कोठी, जिसकी अनुमानित कीमत 61,96,561, उसके पुत्र मिथुन उर्फ छप्पर से संबंधित कोठी, फर्नीचर व घरेलू सामग्री सहित 32,60,950, तथा पुत्री घरो देवी के नाम पंजीकृत 6,98,207 मूल्य की कार शामिल है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार दलवीरो से जुड़े पांच व उसके पुत्र मिथुन उर्फ छप्पर से जुड़े 14 एनडीपीएस मामले दर्ज हैं। दलवीरो, निवासी गांव छन्नी, तहसील इंदौरा, को 1 अप्रैल 2025



को दोषसिद्ध करते हुए 10 वर्ष के कठोर कारावास और एक लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई गई थी। एएसपी धर्म चंद वर्मा ने बताया कि वित्तीय जांच में राजस्व अभिलेख, आयकर संबंधी जानकारी, वाहन पंजीकरण और HPPWD के संपत्ति मूल्यांकन सहित उपलब्ध रिकॉर्ड की जांच की गई। पुलिस के अनुसार, एनडीपीएस मामलों में मनी ट्रेल, बैंक लेनदेन और संपत्तियों के स्रोत की भी जांच की जा रही है। कार्रवाई सक्षम प्राधिकारी की पुष्टि के अधीन है और संबंधित व्यक्तियों को अपना पक्ष रखने का अधिकार है।

बाबा की नगरी पर एशियन डवलपमेंट बैंक खर्चेगा 65 करोड़

28 करोड़ की पार्किंग व डिस्पेंसरी व लाईब्रेरी पर 26 करोड़ सहित पांच बड़े काम निर्माणाधीन

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। उत्तर भारत के प्रसिद्ध बाबा बालक नाथ मंदिर स्थित दयोटसिद्ध पर एशियन डवलपमेंट बैंक 65 करोड़ खर्च कर न केवल कायाकल्प करने जा रहा है, बल्कि आस्था की नगरी के साथ- साथ यहां आने वाले श्रद्धालुओं को पर्यटन व लाईब्रेरी जैसी भी सुविधाएं भी दी जाएंगी।

पर्यटन बोर्ड ने पहले चरण में 61.70 करोड़ रुपए का टेंडर किया है। करीब 730 दिन की कार्य अवधि वाले इस पैकेज में पार्किंग, मंदिर परिसर, प्रशासनिक भवन, स्वास्थ्य एवं ज्ञान केंद्र से लेकर पुराने बस स्टैंड और पैदल रास्तों तक का कायाकल्प किया जाएगा। इस परियोजना का सबसे बड़ा चेहरा गेट नंबर एक के सामने बनने वाली बहुमंजिला पार्किंग होगी। अनुमानित 28 करोड़ रुपए की लागत वाली सात मंजिला पार्किंग में लगभग 230 वाहन खड़े हो सकेंगे। श्रद्धालुओं को ऊपरी मंजिलों तक पहुंचाने के लिए



दो यात्री लिफ्ट और एक सर्विस लिफ्ट प्रस्तावित हैं। इतना ही नहींए इसी भवन में करीब 200 लोगों की क्षमता वाला रेस्टोरेंट और सार्वजनिक शौचालय भी स्थापित किए जाएंगे ताकि श्रद्धांलुओं को एक छत के नीचे बहु.सुविधा केंद्र की सुविधा मुहैया हो सके! मंदिर परिसर को आधुनिक बनाने के लिए करीब 11.50 करोड़ रुपए मंदिर कांप्लेक्स पर खर्च किए जाएंगे। गेट नंबर पांच के आसपास प्रस्तावित इस हिस्से में श्रद्धालुओं की आवाजाही और सुविधाओं को व्यवस्थित करने के साथ लिफ्टए रैंपए मुंडन क्षेत्रए बकरा पूजा क्षेत्र और सर्विलांस कंट्रोल रूम जैसी व्यवस्थाएं विकसित होंगी। मंदिर के समीप पुराने पुस्तकालय और डिस्पेंसरी की जगह करीब 2.60 करोड़ रुपए से नया भवन विकसित होगा। यहां चार बेड की डिस्पेंसरी, 60 लोगों की क्षमता वाला म्यूजियम, 40 लोगों की लाइब्रेरी और 40 लोगों के लिए बहुउद्देश्यीय हॉल प्रस्तावित है।

इससे धार्मिक स्थल को आस्था के साथ.साथ सांस्कृतिक और पर्यटन गतिविधियों से जोडने की कवायद होगी। वहीं पुराने बस स्टैंड के अपग्रेडेशन पर करीब 1.25 करोड़ खर्च किए जाएंगे, जबकि 1.80 करोड़ रुपए के प्रशासनिक ब्लॉक का निर्माण प्रस्तावित है। इसके साथ ही परियोजना में सडक़ किनारे ड्रेनेज, पैदल मार्ग, कैनोपी, रेलिंग, लाइटिंगए पेयजल प्वाइंटए रैंप और सीढ़ियों जैसी सुविधाओं का विकास भी शामिल है। गेट नंबर दो व तीन और पांच के सार्वजनिक शौचालयों के सुधार तथा श्रद्धालुओं के लिए रेन शेल्टर जैसी व्यवस्थाएं भी प्रस्तावित हैं।

परियोजना में आधुनिक सुविधाएं शामिल

करोड़ों रुपए की इस परियोजना में सीसीटीवी, फायर अलार्म, फायर फाइटिंग सिस्टम, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, हाईमास्ट लाइट, डीजी सेटए ईवी चार्जिंग स्टेशन, जलापूर्ति और सैनिटेशन सिस्टम भी शामिल हैं। पांच प्रमुख कार्यों पर करीब 59 करोड़ रुपए खर्च होने के बाद शेष राशि से अन्य जरूरी विकास और सौंदर्यीकरण कार्यों को अमलीजामा पहनाया जाएगा।

पर्यटन बोर्ड के प्रोजेक्ट मैनेजर मनोहर शर्मा ने बताया कि बाबा बालक नाथ मंदिर दियोटसिद्ध को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने के लिए करीब 65 करोड़ का प्रोजेक्ट चल रहा है। इसके तहत पांच प्रमुख कार्यों पर प्रमुखता से कार्य होगा। प्रोजेक्ट के सभी कार्य अगले दो वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

एसआईआर के विरोध में माकपा का मंडी में धरना-प्रदर्शन

मतदाता सूची में पारदर्शिता और मतदान अधिकार बहाली की उठी मांग

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की लोकल कमेटी सदर की ओर से एसआईआर के विरोध में मंडी के सेरी चांदनी में धरना-प्रदर्शन किया गया।

यह प्रदर्शन देश की वामपंथी पार्टियों के आह्वान पर 26 सितंबर से 2 अक्तूबर तक चलाए जा रहे राष्ट्रव्यापी विरोध कार्यक्रम के तहत आयोजित किया गया। माकपा नेताओं ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया केवल मतदाता सूची तक सीमित मुद्दा नहीं है, बल्कि यह चुनाव आयोग की पारदर्शिता, स्वतंत्रता और विश्वसनीयता से भी जुड़ा विषय है। प्रदर्शनकारियों ने इंडियन एक्सप्रेस में प्रकाशित एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि तीन में से दो चुनाव आयुक्तों ने मतदाता पंजीकरण, नाम हटाने तथा



एसआईआर से संबंधित फैसलों को लेकर कई अवसरों पर आपत्तियां दर्ज की हैं। माकपा नेताओं ने आरोप लगाया कि मतदाता डेटाबेस के केंद्रीकरण और राज्य तथा निर्वाचन क्षेत्र स्तर के अधिकारियों की पहुंच को सीमित करने से चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

माकपा ने गोवा में सामने आए एक मामले का भी उल्लेख किया, जिसमें सॉफ्टवेयर संबंधी पाबंदियों के कारण कथित तौर पर 97 मतदाताओं को पात्र पाए जाने के बावजूद पंजीकरण से संबंधित निर्णय दर्ज करने में परेशानी हुई। माकपा नेताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने, एसआईआर प्रक्रिया रोकने तथा जिन मतदाताओं के नाम गलत तरीके से सूची से हटाए गए हैं, उनके मतदान अधिकार बहाल करने की मांग की। पार्टी ने निर्वाचन आयोग की स्वतंत्रता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया में बदलाव की भी मांग रखी। इसके तहत प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और भारत के मुख्य न्यायाधीश की भूमिका वाली चयन व्यवस्था लागू करने की मांग की गई। प्रदर्शन में माकपा लोकल सचिव सुरेश सरवाल, जोगिंदर वालिया, राजेश शर्मा, वीना वैद्य, रमेश गुलरिया, प्रवीण कुमार, गोपेंद्र कुमार, रीना अंकुर, पोविंदर और रेहाना सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

पांवटा साहिब में 12-13 दिसंबर को होंगे प्रदेश स्तरीय मास्टर्स गेम्स

भारतेन्दु संवाददाता, पांवटा साहिब। मास्टर्स स्पोर्ट्स एसोसिएशन हिमाचल प्रदेश की बैठक पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस पांवटा साहिब में अध्यक्ष राजिंदर शर्मा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में एसोसिएशन की कार्यकारिणी तथा आगामी खेल आयोजन को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। सर्वसम्मति से वर्तमान कार्यकारिणी को आगामी निर्धारित अवधि के लिए दूसरी बार निर्वाचित करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में वर्ष 2026-27 के प्रदेश स्तरीय मास्टर्स गेम्स का आयोजन 12 और 13 दिसंबर 2026 को पांवटा साहिब में करवाने का फैसला लिया गया। प्रतियोगिता में 30 वर्ष से अधिक आयु के महिला एवं पुरुष खिलाड़ी विभिन्न आयु वर्गों में भाग लेंगे। खेलों में एथलेटिक्स, योग, बैडमिंटन, साइक्लिंग, वेटलिफ्टिंग, बास्केटबॉल और वॉलीबॉल शामिल



होंगे। एथलेटिक्स में 100 मीटर, मैराथन रेस वॉकिंग, ऊंची कूद, लंबी कूद, भाला फेंक और गोला फेंक जैसी स्पर्धाएं होंगी। एथलेटिक्स में 30 से 100 वर्ष से अधिक आयु तक के वर्ग रखे गए हैं। योग, बैडमिंटन, साइक्लिंग और वेटलिफ्टिंग में 30 से 70 वर्ष तथा बास्केटबॉल और वॉलीबॉल में 30 से 60 वर्ष तक के प्रतिभागी हिस्सा ले सकेंगे। प्रति खिलाड़ी/स्पर्धा शुल्क 500 रुपए निर्धारित किया गया है। एसोसिएशन द्वारा खिलाड़ियों और आयोजकों के लिए भोजन तथा चाय-पानी की व्यवस्था की जाएगी। पहले दिन शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होगा। बैठक में आयोजन की तैयारियों की अगली बैठक में विस्तृत समीक्षा करने का निर्णय लिया गया।

30 लीटर अवैध शराब के साथ एक गिरफ्तार, सड़क हादसे में बाइक सवार घायल

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिलासपुर पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 30 लीटर अवैध शराब बरामद कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार थाना कोट कहलूर की टीम 27 सितंबर को मझारी क्षेत्र में गश्त पर थी। इस दौरान करमजीत सिंह निवासी मझारी के कब्जे से 30 लीटर अवैध शराब बरामद हुई।

आरोपी के खिलाफ हिमाचल प्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। वहीं, थाना भराड़ी के तहत दधोल कलां पशु औषधालय के पास सड़क हादसे में बाइक सवार नीरज कुमार (25) गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के अनुसार मोटरसाइकिल सड़क पर दुर्घटनाग्रस्त मिली और घायल चालक को अस्पताल पहुंचाया गया। शिकायत के आधार पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा और मोटर वाहन अधिनियम की धारा 187 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस हादसे की जांच कर रही है।

समापन प्रयोगों से आसान होगी भौतिकी की पढ़ाई, एनआईटी में देशभर के शिक्षकों ने सीखे नए तरीके

एआई के दौर में भी शिक्षक का स्थान नहीं ले सकता एआई

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। एनआईटी हमीरपुर में भौतिकी शिक्षकों की क्षमता निर्माण को लेकर आयोजित चार दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का मिनी ऑडिटोरियम में समापन हुआ। भौतिकी व फोटोनिक्स विज्ञान विभाग, एनआईटी हमीरपुर, नेशनल अन्वेषिका नेटवर्क ऑफ इंडिया तथा इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिक्स टीचर्स क्षेत्रीय परिषद-23 के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यशाला में देश के विभिन्न हिस्सों से करीब 35 भौतिकी शिक्षकों एवं शिक्षाविदों ने भाग लिया।

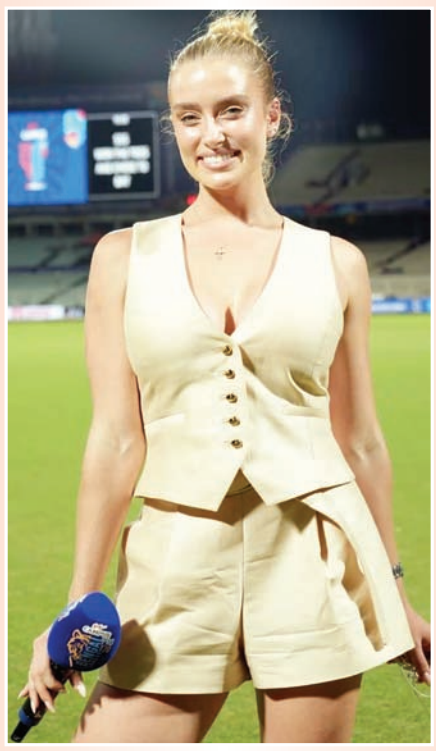
समापन समारोह में आईएपीटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रख्यात भौतिक विज्ञानी प्रो. पीके अहलूवालिया मुखतिथि रहे। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन इसका प्रयोग बेहद सावधानी से किया जाना चाहिए। इसके लिए एआई में इस्तेमाल होने वाली अवधारणाओं, विधियों व एल्गोरिदम की मूलभूत जानकारी जरूरी है।



उन्होंने कहा कि अवधारणाओं और उनके समाधान की प्रामाणिकता के मामले में एआई शिक्षक का स्थान नहीं ले सकता। चार दिवसीय कार्यशाला में भौतिकी के शिक्षण को अधिक अवधारणात्मक, प्रयोगात्मक और रुचिकर बनाने पर जोर दिया गया। विद्युतचुंबकत्व, प्रकाशिकी और यांत्रिकी विषयों पर प्री-टेस्ट, व्याख्यान, प्रयोगात्मक प्रदर्शन और संवादात्मक सत्र आयोजित किए गए। पद्मश्री प्रो. एचसी वर्मा ने विद्युतचुंबकत्व एवं प्रकाशिकी से जुड़े विषयों पर शिक्षकों के साथ विस्तार से चर्चा की। कार्यशाला के दौरान कम लागत वाली शिक्षण-अधिगम सामग्री तैयार करने के लिए 'अपनी स्वयं की गतिविधि किट तैयार करें' सत्र भी आयोजित किया गया। इसमें शिक्षकों ने ऐसी सरल व प्रभावी प्रयोगात्मक सामग्री विकसित करने पर काम किया, जिसका उपयोग विद्यालयों की कक्षाओं में किया जा सके। इसके अलावा खगोल विज्ञान के सत्र में दूरबीन की सहायता से खगोलीय पिंडों का अवलोकन कराया गया। 28 सितंबर को कार्यशाला में शामिल प्रतिभागियों ने एनआईटी हमीरपुर के भौतिकी व पदार्थ विज्ञान विभागों की आरएंडडी प्रयोगशालाओं का दौरा किया। इस दौरान उन्हें संस्थान की शोध गतिविधियों और शोध सुविधाओं से परिचित होने का अवसर मिला। IAPT RC-23 के अध्यक्ष एवं शैक्षणिक समन्वयक डॉ. कुलदीप कुमार शर्मा ने कहा कि स्नातक स्तर पर मुख्य विषय के रूप में भौतिकी चुनने वाले विद्यार्थियों की संख्या में कमी चिंता का विषय है। उन्होंने इसके संभावित कारणों में विद्यालय स्तर पर पर्याप्त व्यावहारिक एवं प्रयोगात्मक अनुभव न मिलना बताया और स्कूलों में भौतिकी प्रयोगशाला प्रशिक्षण को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यशाला के समापन पर एनआईटी हमीरपुर के निदेशक प्रो. एचएम सूर्यवंशी ने प्रतिभागियों से ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से अपने कौशल को लगातार उन्नत करने और विद्यार्थियों तक 'भौतिकी के आनंद' को पहुंचाने का आह्वान किया। कुलसचिव डॉ. अर्चना संतोष नानोटी ने इसे भौतिकी शिक्षा को बेहतर बनाने की नई शुरुआत बताया। चार दिवसीय कार्यशाला का समापन अवधारणात्मक समझ, प्रयोग, प्रदर्शन, कम लागत वाली शिक्षण सामग्री तथा शिक्षक-विद्यार्थी की सक्रिय भागीदारी से भौतिकी शिक्षा को सश

ग्रेस की खूबसूरती के आगे एक्ट्रेस भी फेल

ग्रेस हेडन ऑस्ट्रेलिया की प्रसिद्ध स्पोर्ट्स प्रेजेंटर, मॉडल और टीवी होस्ट हैं। वह पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर मैथ्यू हेडन की बेटी हैं। ग्रेस हेडन खासतौर पर क्रिकेट शो, इंटरव्यू और खेल कार्यक्रमों की एंकरिंग के लिए जानी जाती हैं।



स्पोर्ट्स विंडो

भारतीय महिला ट्रैप टीम ने जीता रजत, नीरू व्यक्तिगत फाइनल में

एजेंसी, आइची-नागोया। भारतीय महिला ट्रैप निशानेबाजी टीम ने एशियाई खेल 2026 में मंगलवार को रजत पदक जीता। वहीं, नीरू धांडा ने व्यक्तिगत स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाकर भारत की पदक उम्मीदें भी कायम रखीं। नीरू धांडा, आशिमा अहलावत और मनीषा कीर की भारतीय तिकड़ी ने क्वालीफिकेशन में कुल 328 अंक हासिल कर दूसरा स्थान हासिल किया। चीन ने 346 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि कुवैत 325 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। व्यक्तिगत क्वालीफिकेशन में नीरू ने 118 अंक हासिल किए और फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। आशिमा 106 अंकों के साथ 16वें और मनीषा 104 अंकों के साथ 23वें स्थान पर रहीं। क्वालीफिकेशन में कुल 27 निशानेबाजों ने हिस्सा लिया। नीरू धांडा का व्यक्तिगत फाइनल सुबह 10:30 बजे भारतीय समयानुसार खेला जाएगा। इस पदक के साथ एशियाई खेल 2026 में भारत की पदक संख्या 46 हो गई है। भारत के खाते में अब 4 स्वर्ण, 21 रजत और 21 कांस्य पदक हैं।



ट्रैक साइकिलिंग में भारत को झटका तीनों स्पर्धाओं में पदक की दौड़ से बाहर

एजेंसी, नागोया। भारतीय ट्रैक साइकिलिंग टीमें एशियाई खेलों में मंगलवार को पुरुष और महिला टीम स्प्रिंट तथा महिला टीम परसूट स्पर्धाओं में पदक की दौड़ से बाहर हो गईं। महिला टीम स्प्रिंट में सेलेस्टिना, सरिता कुमारी, कीर्ति रंगास्वामी और त्रियाशा पॉल की टीम ने पहले दौर की हीट में 50.431 सेकंड का समय दर्ज किया। चीनी ताइपे ने 49.504 सेकंड में रेस पूरी कर कांस्य पदक की दौड़ में जगह बनाई। पुरुष टीम स्प्रिंट में रोजित सिंह, डेविड बेकहम, रोनाल्डो सिंह और जेम्स सिंह ने 44.374 सेकंड का समय लिया। चीन ने 42.348 सेकंड में हीट जीतकर जापान के खिलाफ स्वर्ण पदक मुकाबले में प्रवेश किया। महिला टीम परसूट में हर्षिता जाखड़, पूजा दानोले, मीनाक्षी और स्वोस्ती सिंह ने क्वालीफाइंग में 4:45.151 का समय लेकर पांचवां स्थान हासिल किया। पहले दौर में भारतीय टीम निर्धारित समय में रेस पूरी नहीं कर सकी। चीन और जापान स्वर्ण, जबकि उज्बेकिस्तान और कोरिया कांस्य के लिए भिड़ेंगे।

एशियन गेम्स में भारत का पहला सर्फिंग अभियान बिना पदक खत्म

एजेंसी, नागोया। भारत ने मंगलवार को एशियन गेम्स 2026 में अपना पहला सर्फिंग अभियान बिना पदक के समाप्त किया। 18 वर्षीय किशोर कुमार अनबरसु पुरुषों के शॉर्टबोर्ड क्वार्टर फाइनल में फिलीपींस के टोबी एस्पेजोन से 8.53-5.37 के अंतर से हार गए। एस्पेजोन ने अपनी दो सर्वश्रेष्ठ लहरों पर 5.50 और 3.03 अंक हासिल किए, जबकि किशोर को 3.00 और 2.37 अंक मिले। सर्फिंग में खिलाड़ी की दो सर्वश्रेष्ठ लहरों के स्कोर को जोड़कर अंतिम अंक तय किए जाते हैं।



एशियन खेल : महिला हॉकी में दक्षिण कोरिया से भिड़ेगा भारत

44 साल बाद स्वर्ण पदक पर नजरें, आज होगा सेमीफाइनल मुकाबला

एजेंसी, नई दिल्ली



- दीपिका 21 गोल के साथ टीम की शीर्ष स्कोरर
- दक्षिण कोरिया की सेउंगए पार्क से रहना होगा सतर्क

भारतीय महिला हॉकी टीम एशियन खेल-2026 के सेमीफाइनल में बुधवार को दक्षिण कोरिया के खिलाफ उतरेगी। भारतीय टीम की नजरें 44 साल के लंबे इंतजार को खत्म करते हुए एशियन खेल में दूसरी बार स्वर्ण पदक जीतने पर हैं। मुकाबला जापान के कावासाकी जुको स्टेडियम में खेला जाएगा।

भारतीय टीम ने पूल बी में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने सभी पांच मुकाबले जीते और शीर्ष स्थान हासिल किया। भारत ने उज्बेकिस्तान को 19-0, इंडोनेशिया को 17-1 और थाईलैंड को 20-1 से हराया। इसके बाद मेजबान जापान को कड़े मुकाबले में 3-1 से शिकस्त दी और पूल चरण का अंत सिंगापुर के खिलाफ 7-0 की जीत के साथ किया।

दूसरी ओर, दक्षिण कोरिया ने पूल ए में चार जीत के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। उसे केवल चीन के खिलाफ 0-3 से हार का सामना करना पड़ा, जबकि बांग्लादेश के खिलाफ टीम ने 8-0 की बड़ी जीत दर्ज की। भारत के लिए टूर्नामेंट में ड्रैग-फ्लिक विशेषज्ञ दीपिका सबसे ज्यादा गोल करने वाली खिलाड़ी हैं। उन्होंने पांच मैचों में 21 गोल किए हैं। अनुभवी फारवर्ड नवनीत कौर 10 गोल के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जिसमें सात गोल मैदानी खेल से आए हैं। रुतुजा दादासो पिसाल ने सात, लालरेमसियामी ने छह और इशिका ने पांच गोल किए हैं।

गोलकीपिंग में अनुभवी सविता के साथ बिचू देवी ने भी टीम को मजबूती दी है। सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया के आक्रमण के खिलाफ भारतीय रक्षापंक्ति की भूमिका अहम होगी। दक्षिण कोरिया की मिडफील्डर सेउंगए पार्क अब तक आठ गोल कर चुकी हैं और भारतीय टीम को उनसे विशेष सावधानी बरतनी होगी। भारतीय टीम के मुख्य कोच सजोर्ड मारिजने ने कहा कि टीम लय बनाए रखने के लिए लगातार अभ्यास कर रही है।

उन्होंने कहा कि पूल चरण के मुकाबलों में जापान के अलावा चुनौती अपेक्षाकृत कम थी, लेकिन अब एशियन खेल के सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया के खिलाफ बड़ी चुनौती सामने है। भारतीय महिला हॉकी टीम ने आखिरी बार 1982 में एशियन खेल का स्वर्ण पदक जीता था। अब टीम खिताब जीतने से सिर्फ दो जीत दूर है। भारत और दक्षिण कोरिया के बीच सेमीफाइनल मुकाबला बुधवार को भारतीय समयानुसार दोपहर 3:30 बजे शुरू होगा।

अंकुश ने 80 किग्रा वर्ग के फाइनल में बनाई जगह, रजत पदक पक्का

एजेंसी, आइची-नागोया



2018 के बाद पहली बार भारतीय पुरुष मुक्केबाज फाइनल में

भारत के युवा मुक्केबाज अंकुश पंघाल ने एशियन खेल 2026 में पुरुषों के 80 किग्रा वर्ग के फाइनल में जगह बना ली है। मंगलवार को खेले गए सेमीफाइनल में अंकुश ने उज्बेकिस्तान के मौजूदा विश्व चैंपियन फज़लिद्दीन एर्किनबोएव को 4-1 के विभाजित फैसले से हराकर स्वर्ण पदक मुकाबले का टिकट कटाया।

20 वर्षीय अंकुश ने मुकाबले में शुरुआत से ही तेज गति और आक्रामक रणनीति के साथ प्रदर्शन किया। उन्होंने एरकिनबोएव की मजबूत रक्षात्मक शैली का प्रभावी ढंग से सामना किया। पांचों जजों ने अंकुश को 10 और एरकिनबोएव को 9 अंक दिए, जिसके बाद भारतीय मुक्केबाज के पक्ष में 4-1 का फैसला आया।

इस जीत के साथ अंकुश ने प्रतियोगिता में अपना शानदार अभियान जारी रखा है। इससे पहले 27 सितंबर को क्वार्टर फाइनल में उन्होंने ताजिकिस्तान के नेकृज़ सलीमोव को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराकर पदक पक्का किया था। अंकुश शानदार फॉर्म के साथ एशियन खेलों के फाइनल में पहुंचे हैं। उन्होंने अगस्त 2026 में ग्लासगो में हुए राष्ट्रमंडल खेलों में भी स्वर्ण पदक जीता था।

अंकुश की इस उपलब्धि ने भारतीय पुरुष मुक्केबाजी के लिए भी खास रिकॉर्ड बनाया है। 2018 में अमित पंघाल के 49 किग्रा वर्ग के फाइनल में पहुंचने के बाद पहली बार कोई भारतीय पुरुष मुक्केबाज एशियन खेलों में स्वर्ण पदक मुकाबले तक पहुंचा है। अब अंकुश के सामने एशियन खेलों में स्वर्ण पदक जीतने की चुनौती होगी।

रिकर्व के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे धीरज बोम्मदेवरा व नीरज चौहान

एजेंसी, आइची-नागोया



भारत के तीरंदाज धीरज बोम्मदेवरा और नीरज चौहान ने मंगलवार को एशियाई खेल 2026 में पुरुषों की रिकर्व व्यक्तिगत स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। दोनों ने राउंड ऑफ 16 में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने मुकाबले जीते। शीर्ष वरीय धीरज ने चीनी ताइपे के चेंग हिसयांग-हुई को 6-2 से हराया। इससे पहले उन्होंने राउंड ऑफ 32 में फिलीपींस के गिर्विन गार्सिया को 6-0 से मात दी थी। धीरज अब क्वार्टर फाइनल में 3 अक्टूबर को उज्बेकिस्तान के अमिरकोन सादिकोव से भिड़ेंगे।

वहीं, नीरज चौहान ने दक्षिण कोरिया के किम जे देओक को 6-4 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। किम रैंकिंग राउंड में दूसरे स्थान पर रहे थे और ओलंपिक पदक विजेता हैं। नीरज ने शुरुआत में 3-1 की बढ़त बनाई, लेकिन किम ने वापसी करते हुए स्कोर 3-3 कर दिया। एक सेट बराबर रहने के बाद स्कोर 4-4 हुआ। निर्णायक सेट में नीरज ने संयम बनाए रखते हुए जीत दर्ज की। क्वार्टर फाइनल में उनका सामना भूटान के दोरजी लाम से होगा।

उधर, भारत का सर्फिंग अभियान समाप्त हो गया। पुरुषों के शॉर्टबोर्ड क्वार्टर फाइनल में किशोर कुमार अनबरासु को फिलीपींस के टोबी एस्पेजोन ने हराया। किशोर ने कुल 5.37 अंक बनाए, जबकि एस्पेजोन ने 8.53 अंक हासिल किए।

प्रवीन 65 किग्रा फाइनल में पहुंचीं, रजत पदक पक्का

एजेंसी, आइची-नागोया। भारतीय मुक्केबाज प्रवीन हुड्डा ने एशियन खेल 2026 में महिलाओं के 65 किग्रा वर्ग के फाइनल में जगह बनाकर रजत पदक पक्का कर लिया है। निशियो जिम्नेजियम में मंगलवार को खेले गए सेमीफाइनल में परवीन ने चीन की ली शू को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराया। प्रवीन ने मुकाबले के तीनों राउंड में दबदबा बनाए रखा और शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने ली शू को वापसी का कोई खास मौका नहीं दिया। निर्णायकों ने सर्वसम्मति से मुकाबला भारतीय मुक्केबाज के पक्ष में दिया।



अब प्रवीन शुक्रवार को स्वर्ण पदक के लिए चीनी ताइपे की चेन निएन-चिन के खिलाफ रिंग में उतरेंगी। इससे पहले उन्होंने क्वार्टर फाइनल में उज्बेकिस्तान की 2025 विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता नवबहोर खामिदोवा को 5-0 से हराया था। प्रवीन ने पिछले एशियन खेल में कांस्य पदक जीता था, लेकिन बाद में व्हेयरअबाउट्स नियमों के उल्लंघन के कारण उनका पदक छिन गया था। निलंबन पूरा करने के बाद उन्होंने 2025 वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल्स में स्वर्ण जीतकर वापसी की। अब उनके पास एशियन खेलों में स्वर्ण पदक जीतने का मौका है।

नरेंद्र बेरवाल ने +90 किग्रा वर्ग में जीता कांस्य

विश्व चैंपियन आइबेक से हारे, लगातार दूसरी बार एशियन खेल में कांस्य

एजेंसी, आइची-नागोया



भारतीय मुक्केबाज नरेंद्र बेरवाल ने आइची-नागोया एशियन खेल 2026 में पुरुषों के +90 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक अपने नाम किया। नरेंद्र को मंगलवार को सेमीफाइनल मुकाबले में कजाकिस्तान के मौजूदा विश्व चैंपियन आइबेक ओरलबे के खिलाफ 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। सेमीफाइनल में हार के बावजूद नरेंद्र ने कांस्य पदक हासिल किया।

नरेंद्र ने प्रतियोगिता की शुरुआत दमदार प्रदर्शन के साथ की थी। क्वार्टर फाइनल में उन्होंने थाईलैंड के अदथापोंग सैंगटेप को मुकाबले के महज 97 सेकंड बाद रेफरी द्वारा मुकाबला रोके जाने के फैसले से हराया था। इस जीत के साथ उन्होंने अपना पदक पक्का कर लिया था।

सेमीफाइनल में नरेंद्र ने विश्व चैंपियन ओरलबे के सामने चुनौती पेश करने का प्रयास किया, लेकिन कजाकिस्तान के मुक्केबाज ने मुकाबले पर नियंत्रण बनाए रखा और 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से जीत दर्ज की। इस परिणाम के साथ नरेंद्र को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

यह नरेंद्र का एशियन खेलों में लगातार दूसरा कांस्य पदक है। इससे पहले उन्होंने 2022 एशियन खेल में भी कांस्य पदक जीता था। इसके अलावा 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतकर उन्होंने अपनी अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियों में एक और उपलब्धि जोड़ी।

हरियाणा के हिसार जिले के सोरखी गांव में 14 नवंबर 1994 को जन्मे नरेंद्र किसान परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उन्होंने कोच देवराज सिहाग के मार्गदर्शन में मुक्केबाजी की शुरुआत की और बाद में भारतीय सेना में शामिल होकर खेल को आगे बढ़ाया। वह भारत के प्रमुख सुपर हेवीवेट मुक्केबाजों में गिने जाते हैं।

युवा स्तर पर नरेंद्र ने यूथ विश्व कप में रजत और यूथ एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता। इसके बाद दक्षिण एशियाई खेलों और सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल किए। 2023 एशियन खेल, 2025 विश्व बॉक्सिंग कप और 2026 एशियाई बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भी उन्होंने पदक जीतकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान मजबूत की।

कृषि विकास के लिए राज्यों को 1082 करोड़ रुपए की मंजूरी

एजेंसी, नई दिल्ली



- कृषि विकास बढ़ाने के साथ किसानों की आय दोगुनी करने पर सरकार का जोर

दस राज्यों के खाते भरे

- पश्चिम बंगाल को 290 करोड़, हरियाणा को 198 करोड़, छत्तीसगढ़ को 181 करोड़
- अरुणाचल प्रदेश को 154 करोड़, बिहार को 114 करोड़, कर्नाटक को 104 करोड़, मिजोरम को 75 करोड़
- हिमाचल प्रदेश को 64 करोड़, झारखंड को 58 करोड़ और पंजाब को 43 करोड़

राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन-रबी अभियान 2026 में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खाद्य सुरक्षा और किसानों की आय बढ़ाने के लिए केंद्र व राज्यों को मिलकर काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सभी को 'टीम एग्रीकल्चर' की भावना से किसानों के हित में काम करना चाहिए। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत दस राज्यों को कुल 1082 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई, जिसमें हिमाचल प्रदेश को 64 करोड़ रुपये मिले। चौहान ने बताया कि वर्ष 2015 के बाद देश की कृषि विकास दर तीन प्रतिशत से बढ़कर 4.5 प्रतिशत हुई है।

रबी खाद्यान्न उत्पादन में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। कृषि अभियानों की बेहतर तैयारी के लिए खरीफ और रबी के लिए जिला व राज्य स्तरीय बैठकों का वार्षिक कैलेंडर तय किया गया। मिट्टी की उर्वराशक्ति और पर्यावरण संरक्षण के लिए 22 अक्टूबर से 30 नवंबर तक देशभर में खेत बचाओ अभियान चलाने का आह्वान किया गया।

उन्होंने संतुलित उर्वरक उपयोग, दलहन की खेती, प्राकृतिक खेती और फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने पर जोर दिया। साथ ही नकली खाद, बीज और गैरमानक कीटनाशकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। तुअर, उड़द और मसूर की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर शत-प्रतिशत सरकारी खरीद और 48 घंटे में भुगतान की व्यवस्था पर भी जोर दिया गया।

एमपीएस मामले में सेबी ने अदाणी को दी राहत

एजेंसी, मुंबई। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी के भाई विनोद अदाणी और 11 अन्य संबंधित पक्षों के खिलाफ न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता तथा धोखाधड़ी से जुड़े आरोपों को आगे नहीं बढ़ाने का निर्णय लिया है। 28 सितंबर को जारी अंतिम आदेश में सेबी ने कहा कि उसकी जांच यह साबित नहीं कर सकी कि विनोद अदाणी का दो विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों पर नियंत्रण था। ये निवेशक इमर्जिंग इंडिया फोकस फंड्स और ईएम रिसर्जेंट फंड थे। जांच में यह भी साबित नहीं हुआ कि विनोद अदाणी ने इन दोनों को निवेश संबंधी फैसलों के निर्देश दिए थे या ओपल इन्वेस्टमेंट्स के अदाणी पावर में निवेश को नियंत्रित किया था। सेबी के अनुसार, केवल कारोबारी या वित्तीय संबंधों के आधार पर वास्तविक नियंत्रण नहीं माना जा सकता।

सेंसेक्स 243 अंक टूटा निफ्टी भी 64 अंक फिसला

एजेंसी, मुंबई। शेयर बाजार में मंगलवार को लगातार आठवें सप्ताह दबाव बना रहा। सेंसेक्स 243 अंक गिरकर 72,529 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 64 अंक टूटकर 22,716 पर आ गया। ऑटो, एफएमसीजी, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं, आईटी और रियल्टी शेयरों में अधिक बिकवाली देखने को मिली।



- रूस-यूक्रेन तनाव बढ़ने से बाजार में फिर गिरावट
- ऑटो, आईटी और रियल्टी शेयरों में जमकर बिकवाली

विशेषज्ञों के अनुसार अमेरिका-ईरान के बीच जल्द समझौते की संभावना स्पष्ट नहीं होने से तनाव कायम है। वहीं रूस-यूक्रेन तनाव बढ़ने से भी निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। इससे पहले सोमवार को भी बाजार में बड़ी गिरावट दर्ज की गई थी। 28 सितंबर को सेंसेक्स 1,124 अंक टूटकर 72,772 और निफ्टी 360 अंक गिरकर 22,780 पर बंद हुआ था। विदेशी निवेशकों की बिकवाली भी बाजार पर दबाव बढ़ा रही है। बीते सात दिनों में विदेशी निवेशकों ने 5,353 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 5,189 करोड़ रुपये की खरीदारी की। एशियाई और अमेरिकी बाजारों में भी गिरावट का असर भारतीय बाजार पर दिखाई दिया।

अरहर आयात के लिए ब्राजील बनेगा भारत का नया प्रमुख स्रोत



एजेंसी, नई दिल्ली

भारत के लिए अरहर दाल के आयात का एक नया स्रोत जल्द जुड़ने जा रहा है। दक्षिण अमेरिकी देश ब्राजील अक्टूबर-नवंबर से भारत को अरहर का निर्यात शुरू करने की तैयारी में है। इंडिया पल्सेज एंड ग्रेन्स एसोसिएशन के चेयरमैन बिमल कोठारी के अनुसार, फाइटोसैनिटरी मंजूरी मिलने के बाद ब्राजील से अरहर का आयात शुरू हो जाएगा। इस वर्ष वहां से करीब 20 से 30 हजार टन अरहर भारत आने का अनुमान है। अगले वर्ष ब्राजील से अधिक मात्रा में अरहर मिलने की उम्मीद है। भारत अपनी घरेलू जरूरत पूरी करने के लिए मोजाम्बिक, म्यांमार, तंजानिया, सूडान और मलावी समेत कई देशों से अरहर आयात करता है। जनवरी से जुलाई 2026 के दौरान भारत का अरहर आयात 44 प्रतिशत बढ़कर 5.79 लाख टन हो गया, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 4.01 लाख टन था।

अरहर निर्यात को बढ़ावा

ब्राजील पिछले कुछ वर्षों में भारत के लिए उड़द की खेती और निर्यात में भी सक्रिय हुआ है। अब अरहर भी उसके निर्यात वाली दालों में शामिल होने जा रही है। दूसरी ओर, खरीफ 2026 में भारत में अरहर की बुवाई बढ़कर 47.25 लाख हेक्टेयर हो गई, जो पिछले वर्ष 45.95 लाख हेक्टेयर थी। उत्तर प्रदेश और गुजरात में रकबा बढ़ा है, जबकि कर्नाटक और महाराष्ट्र में कमी दर्ज की गई।

ई20 पेट्रोल से घटेगी तेल आयात पर भारत की निर्भरता

एजेंसी, अहमदाबाद। भारत की ऊर्जा सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को मजबूत करने की दिशा में ई20 पेट्रोल का सफल क्रियान्वयन महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है। ओएनजीसी के निदेशक ओम प्रकाश सिन्हा ने अहमदाबाद स्थित ओएनजीसी इंस्टीट्यूट ऑफ रिजर्वायर स्टडीज में इंडिया एनर्जी वीक 2027 के कर्टेन रेजर कार्यक्रम में कहा कि पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण से देश के कच्चे तेल के आयात में कमी लाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि जब उपभोक्ताओं को बिना तकनीकी बाधा के ई20 ईंधन उपलब्ध होगा, तब देश के भारी आयात बिल पर भी सकारात्मक असर पड़ेगा। भारत अपनी कुल कच्चे तेल की जरूरत का करीब 90 प्रतिशत आयात करता है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और वैश्विक परिस्थितियों के बीच सरकार वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों और घरेलू उत्पादन बढ़ाने पर जोर दे रही है।

पहल आयोवा में बनेगा अमेरिकी इतिहास का सबसे बड़ा स्टील प्लांट

अमेरिकी स्टील सेक्टर में एस्सार की बड़ी एंट्री



एजेंसी, नई दिल्ली

- भारत की एस्सार का अमेरिका में 15 अरब डॉलर का निवेश

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनी एस्सार समूह के अमेरिका में बड़े निवेश की घोषणा की है। एस्सार समूह की कंपनी मेसाबी मेटालिक्स आयोवा में एक विशाल स्टील संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रही है। परियोजना में करीब 15 अरब डॉलर के निवेश की बात कही गई है। व्हाइट हाउस में घोषणा के दौरान ट्रंप ने इसे अमेरिकी इतिहास का सबसे बड़ा स्टील प्लांट बताया। यह परियोजना अमेरिका की घरेलू औद्योगिक क्षमता और स्टील उत्पादन को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

घोषणा के दौरान मेसाबी मेटालिक्स के कार्यकारी बोर्ड के चेयरमैन रेवंत रुइया भी मौजूद रहे। उन्होंने अमेरिका में इस बड़े निवेश को अपने लिए विशेष अवसर बताया। रुइया ने कहा कि उनका जन्म भारत में हुआ, लेकिन उन्होंने न्यूयॉर्क में हाई स्कूल, बोस्टन में कॉलेज और कैलिफोर्निया में एमबीए की पढ़ाई की है। उन्होंने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा अमेरिका में बिताया है। इसलिए अमेरिका में इस परियोजना की घोषणा को उन्होंने घर वापसी जैसा अनुभव बताया। उन्होंने अमेरिका में चीजों के निर्माण और औद्योगिक निवेश के महत्व पर भी जोर दिया।

एस्सार समूह अमेरिका के खनन क्षेत्र में भी करीब तीन अरब डॉलर का निवेश कर रहा है। यह निवेश मिनेसोटा की ऐतिहासिक मेसाबी आयरन रेंज में नई लौह-अयस्क खदान विकसित करने के लिए किया जा रहा है। कंपनी के अनुसार, इसी खनन परियोजना से आयोवा के प्रस्तावित स्टील संयंत्र के लिए कच्चा माल उपलब्ध कराया जाएगा।

मजबूत होगी घरेलू स्टील आपूर्ति

इस परियोजना की खासियत इसकी घरेलू आपूर्ति श्रृंखला है। योजना के अनुसार मिनेसोटा से लौह-अयस्क निकाला जाएगा, जबकि आयोवा में उसे प्रसंस्कृत कर स्टील तैयार किया जाएगा। यानी खनन से लेकर स्टील निर्माण तक की प्रक्रिया अमेरिका के भीतर पूरी करने का प्रयास किया जाएगा।

परियोजना से खनन, विनिर्माण और उससे जुड़े क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों तथा रोजगार के अवसर बढ़ने की उम्मीद है। साथ ही, अमेरिका में घरेलू स्टील उत्पादन और औद्योगिक आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने की दिशा में इसे एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है। एस्सार समूह अमेरिका के खनन क्षेत्र में भी करीब तीन अरब डॉलर का निवेश कर रहा है। यह निवेश मिनेसोटा की ऐतिहासिक मेसाबी आयरन रेंज में नई लौह-अयस्क खदान विकसित करने के लिए किया जा रहा है। कंपनी के अनुसार, इसी खनन परियोजना से आयोवा के प्रस्तावित स्टील संयंत्र के लिए कच्चा माल उपलब्ध कराया जाएगा।